ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विकास के अभाव में राज्य की स्थिति खराब : विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 12 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-70

कांग्रेस के सत्यानाश के कारक और वाहक दोनों हैं राहुल गांधी

खुद तो डूबेंगे सनम, पार्टी को भी ले डूबेंगे...

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

तमाम मंथन और समीक्षा के बाद कांग्रेस पार्टी इस नतीजे पर पहुंची है कि पार्टी के निरंतर कमजोर और जनाधार खोने की वजह राहुल गांधी हैं। राहुल गांधी ही कांग्रेस पार्टी के लिए संकटकारक हैं। हालांकि हाल के चुनावों में कांग्रेस पार्टी की बेहद खराब परिणति के लिए राहुल गांधी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को दोषी ठहराते हैं, लेकिन राहुल गांधी खुद अपना आत्मनिरीक्षण नहीं करते। उनमें आत्मनिरीक्षण की नैतिक शक्ति भी नहीं है। राहुल गांधी अपने और अपने परिवार के घटते जनाधार और चुनाव दर चुनाव होने वाली हार को छिपाने के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं को ही निशाना बना रहे हैं। यह सर्वविदित है कि कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे केवल नाममात्र के हैं और सारा निर्णय वास्तविक तौर पर गांधी परिवार के द्वारा लिया जाता है। दरअसल, राहुल गांधी पार्टी की हार और खिसकते जनाधार से इतना परेशान हो गए हैं कि अब भाजपा या अन्य विरोधी दलों से लड़ने के बदले वो पार्टी के अंदर ही एक वर्ग को इसके लिए दोषी ठहरा रहे हैं। कोई भी नेता ऐसा वक्तव्य ऐसी परिस्थिति में जारी करता है जब उसकी अपने विरोधियों से लड़ने की क्षमता समाप्त हो जाती है। राहुल गांधी ने हाल ही में गुजरात में पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए उनके एक बड़े वर्ग को भारतीय जनता पार्टी के लिए काम करने के लिए आरोपित कर दिया। अंदर ही अंदर इसका रोष सभी राज्यों में पार्टी के

99 संसद सीटें जीते, पर 50 पर जमानत भी नहीं बची

5 राज्यों में 328 सीटों पर चुनाव लड़े, जीते केवल 75

कार्यकर्ताओं और समर्थकों में स्पष्ट देखा जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन के बाद राहुल गांधी और गांधी परिवार को उम्मीद थी कि अब पार्टी का प्रदर्शन समय के साथ अच्छा होगा और समर्थकों में जोश का संचार होगा। मगर इसके विपरीत लोकसभा चुनाव के बाद पांच प्रदेशों के विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन निम्नतर होता गया। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 89 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन मात्र 37 सीटें ही जीत पाई। झारखंड में कांग्रेस में 30 सीटों पर चुनाव लड़ी और केवल 16 सीटों पर चुनाव जीत पाई। जम्मू कश्मीर में 39 सीटों में केवल छह सीटें ही कांग्रेस को मिल पाई। महाराष्ट्र में कांग्रेस 101 सीटों पर चुनाव लड़ कर केवल 16 सीटें ला पाई। दिल्ली में तो कांग्रेस को शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। दिल्ली में कांग्रेस सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन शून्य पर ही आउट हो गई। यानि, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कुल 328 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को कुल 75 सीटें ही मिल पाईं। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 99 सीटें मिलीं तो राहुल गांधी इतने प्रसन्न हो गए कि उनका मानसिक बैलेंस बिगड़ गया। 99 सीटें पाकर वे ऐसे बरताव करने लगे कि जैसे उन्हीं (कांग्रेस) की सरकार बनने जा रही है। आत्मनिरीक्षण और आत्मसंतुलन का अभाव राहुल गांधी की विश्वसनीयता को घुन की तरह खा रहा है।

▶10 पर

पीएम रामगुलाम, सम्पूर्ण मंत्रिमंडल और 200 प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी में

लघु भारत मॉरीशस पहुंचने पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत

पोर्ट लुई, 11 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे।

पोर्ट लुई में पीएम मोदी का भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम समेत शीर्ष हस्तियों ने एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मॉरीशस सरकार के सभी 34 मंत्री प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने एयरपोर्ट पर मौजूद थे।

पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के साथ उप प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, नेशनल असेंबली के स्पीकर, विपक्ष के नेता, विदेश मंत्री, कैबिनेट सचिव, ग्रैंड पोर्ट डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के अध्यक्ष और कई अन्य गणमान्य हस्तियां आई थीं। इनमें सांसद, विधायक, राजनीतिक दल के प्रमुख और धार्मिक नेता शामिल थे।

अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी द्वीपीय देश मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे।भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं मॉरीशस पहुंच गया हूं। मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम का हवाई अड्डे पर स्वागत करने के लिए आभारी हूं। यह यात्रा एक मूल्यवान मित्र से मिलने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने का एक शानदार अवसर है। पीएम मोदी की मोदी की यह यात्रा मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के निमंत्रण पर हो रही है। यात्रा के दौरान दोनों देश दक्षता विकास, व्यापार और सीमा पार वित्तीय अपराधों से निपटने के क्षेत्रों में सहयोग के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे।

हिंद महासागरीय देशों को एकसूत्रित करने का सागर-विजन

चीन को सीमित करने के लिए द्वीपीय देशों का साथ जरूरी

मॉरीशस रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने सोमवार को कहा था कि उनकी यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों में एक नया और उज्ज्वल अध्याय जोड़ेगी। पीएम मोदी मॉरीशस के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे, प्रधानमंत्री के साथ बैठक करेंगे और द्वीपीय राष्ट्र के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों, राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ भी बैठक करेंगे। वह भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे तथा सिविल सेवा कॉलेज और क्षेत्रीय स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करेंगे, जिनका निर्माण भारत की अनुदान सहायता से किया गया है।

▶10 पर

संसदीय समिति की रिपोर्ट से मानवाधिकार को लेकर उठे सवाल

देश की जेलों में 70% कैदी विचाराधीन

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति की राज्यसभा में पेश हुई रिपोर्ट से मानवाधिकार को लेकर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। संसदीय समिति ने कहा है कि भारतीय जेलों में 70 प्रतिशत से अधिक कैदी विचाराधीन हैं। जबकि सजायाफ्ता कैदियों की संख्या कम है। जमानत नहीं मिलने या जुर्माना न चुका पाने के कारण विचाराधीन कैदियों को जेलों से रिहा नहीं किया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जेलों में हर प्रवेश द्वार पर निगरानी तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ताकि मादक पदार्थों का पता लगाया जा सके।

राज्यसभा को सौंपी गई रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जेल प्रशासन ऐसे कैदियों को जेल में रखने पर उनकी रिहाई के लिए जरूरी जमानत राशि से अधिक पैसा खर्च कर रहा है। गरीब कैदियों के जुर्माने की रकम चुकाने के लिए आंध्र प्रदेश जेल विभाग की ओर से शुरू की गई च्युथा निधि की तर्ज पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक कोष बनाया जाना चाहिए। पैनल ने जेलों में मादक पदार्थों की तस्करी की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दिया है। कहा गया है कि जेल कर्मचारी इस समस्या को पूरी तरह से नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। इससे निपटने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप की आवश्यकता है।समिति ने

जमानत नहीं मिलने या जुर्माना न दे पाने से बंद हैं जेलों में

कैदियों पर जमानत राशि से अधिक खर्च कर रही है सरकार

रिपोर्ट में सिफारिश की कि बहुस्तरीय दृष्टिकोण जैसे कि शारीरिक तलाशी, एक्स-रे स्कैनर का इस्तेमाल, नशीली दवाओं का पता लगाने वाले अन्य उपकरण और नशीली दवाओं की लत से ग्रस्त कैदियों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम भी लागू किए जाने चाहिए। इससे सुधारात्मक सुविधाओं और जेलों में नशीली दवाओं के प्रवेश को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश ओपियोइड सब्स्टीट्यूट थेरेपी (ओएसटी) जैसे कार्यक्रमों की योजना बनाने पर विचार कर सकते हैं।

▶10 पर

थाईलैंड से सुरक्षित वापस लाए गए 283 भारतीय

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

म्यांमार और थाईलैंड जैसे विभिन्न दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में अच्छी नौकरी के नाम पर भेजे गए 283 भारतीयों को सोमवार को वापस लाया गया। इन लोगों से साइबर अपराध जैसे काम कराए जा रहे थे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड के माई सोत हवाईअड्डे से भारतीय वायुसेना के विमान से इन सभी भारतीय नागरिकों को वापस लाया गया। इनकी वापसी सुनिश्चित करने में म्यांमार और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावासों ने स्थानीय

बंधक बना कर कराया जा रहा था साइबर अपराध

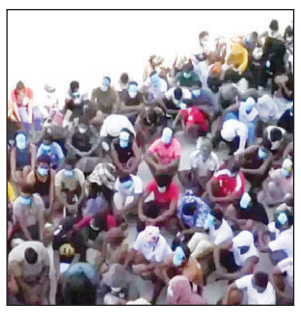

अधिकारियों के साथ मिलकर समन्वय किया। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार म्यांमार समेत विभिन्न दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में फर्जी नौकरी के प्रस्ताव के साथ भेजे गए भारतीय नागरिकों की रिहाई और स्वदेश वापसी के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मंत्रालय ने कहा कि फर्जी नौकरी के प्रस्ताव पर भेजे गए भारतीयों को वहां पहुंचने के बाद म्यांमार-थाईलैंड सीमा से लगे क्षेत्रों में संचालित घोटाला केंद्रों में साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया।

▶10 पर

खड़गे ने हरिवंश को ठोका तो सबने खड़गे को ठोक दिया

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपसभापति हरिवंश को कुछ ऐसा कह दिया, जिसे लेकर जमकर हंगामा हुआ। इसके लिए भाजपा ने उन पर जमकर निशाना साधा और माफी की मांग की। मामला बढ़ता देख मल्लिकार्जुन खड़गे ने माफी भी मांग ली। उन्होंने हाथ जोड़कर सफाई दी। उन्होंने आसन को संबोधित करते हुए कहा कि आपको नहीं, सरकार को ठोकेंगे। हम सरकार की बात कर रहे थे।

राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष कुछ बोलना चाह रहे थे। तभी उपसभापति ने उन्हें रोका। उपसभापति ने उनकी जगह कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह को बोलने को कहा। इस बीच मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी सीट से उठे और बोलना शुरू कर दिया। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने तानाशाही का आरोप लगा दिया।

▶10 पर

जम्मू-कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन आतंकी संगठन घोषित

जम्मू, 11 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आदेश पर गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है।

इस संगठन को अगले पांच वर्षों तक के लिए तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। गृह मंत्रालय का कहना है कि जम्मू और कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन अवैध गतिविधियों में लिप्त संगठन है।

यह देश की एकता, संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरा है।

गृह मंत्रालय ने जारी किए गए

पांच साल के लिए संगठन पर प्रतिबंध लागू

एक आदेश में कहा कि जेकेआईएम देश के खिलाफ कार्य कर रहा है और इसके कार्यों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो रहा है। इसके तहत संगठन की सभी गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है और इसके सदस्य या सहयोगी किसी भी प्रकार की सक्रियता में लिप्त पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस फैसले के बाद, जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में सुरक्षा बलों को संगठन के खिलाफ अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया है। गृह मंत्रालय के इस निर्णय को देशभर में सुरक्षा मामलों के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए आवश्यक कदम है।

।। श्री जयमल्लाय नमः ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय गुरु पार्श्व-पदम ।।
श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ
हलसूरु, बेंगलूरु
फाल्गुनी होली चातुर्मास
गुरुवार दि. 13.3.2025
।। जय जिनेन्द्र ।।
सादर जय जिनेन्द्र! हलसूरु, बेंगलूरु संघ के असीम पुण्योदय से, संघ को जयगच्छाधिपति, वचन सिद्ध साधक, बारहवें पट्टधर संयम शिरोमणी आचार्य भगवंत 1008 पूज्य श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा., अणुप्पेहा ध्यान प्रणेता प्रवचन प्रभावक डॉ. पू. श्री पदमचन्द्रजी म.सा., मौन साधक तपस्वी पू. श्री जयधुरंधरमुनिजी म.सा., विद्याभिलाषी पू. श्री जयकलशमुनिजी म.सा., तत्व रसिक पू. श्री जयपुरंदरमुनिजी म.सा. ठाणा 5 के फाल्गुनी होली चातुर्मास का अत्युत्तम लाभ मिला है।
सकल संघ में अपार हर्ष उमंग उत्साह उल्लास की लहर है।
सादर आमंत्रण
हलसुरु श्री संघ, बहुत ही प्रमोद भाव से समस्त संघ, श्रावक श्राविकाजी, आप सभी को पूज्य आचार्य भगवंत एवं अणगार भगवंतों के अनमोल सानिध्य में गुरुवार दि. 13.3.2025 को पर्व आराधन हेतु, गुरु दर्शन, सेवा, जिनवाणी श्रवण, अनुमोदना हेतु आमंत्रित करता है। आप सपरिवार पधारकर संघ एवं जिनशासन की शोभा बढ़ावें।
* कार्यक्रम की संक्षिप्त झलक *
प्रातः ठीक 8 बजे : मुमुक्षु श्री दिलीपकुमारजी धोका का भव्य वरघोडा (ऑसबोर्न रोड़ जैन मंदिर से आयोजन स्थल तक)
प्रातः 9 बजे से : गुरु भगवन्तों के प्रवचन (कृपया सामायिक साधन लेकर पधारें)
विभिन्न संघों से आगामी चातुर्मास के लिये विनती, मुमुक्षु अभिनंदन
सत्कार भोजन
आयोजन स्थल : श्री मुदलियार संघ कन्वेंशन हाल
ऑसबोर्न रोड़ जैन मंदिर के पास, हलसुर लेक के पास, शांतिसागर होटल के पीछे
निवेदक : श्री श्वे. स्था. जैन श्रावक संघ, हलसूरु, बेंगलूरु
अध्यक्ष : धनपतराज बोहरा 94482 64745 मंत्री : अभयकुमार बांठिया 93412 18945 कार्यकारिणी एवं सकल संघ
* महिला मंडल * श्री जैन युवक संघ * नवकार बहु मंडल * बालक बालिका मंडल
आपका हार्दिक स्वागत करते हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने 4 साल में 17000 स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का किया वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा प्रकल्प शिक्षा सब के लिए के अंतर्गत लगातार दो शनिवार को बेंगलूरु से 150 किमी दूर स्थित कोलार जिले के बंगारपेट तालुक के करीब 50 सरकारी स्कूलों के 1100 बच्चों और केजीएफ तालुक के करीब 50 सरकारी स्कूल के 1100 बच्चों समेत दोनों जिलों में मिलकर करीब 100 सरकारी स्कूलों के 2200 बच्चों में स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री का वितरण किया। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए और शिक्षा सब को मिले, इसके लिए मायूम बेंगलूरु शाखा पिछले 4 साल से बेंगलूरु से दूर जाकर शिक्षा ऑन व्हील कार्यक्रम के अंतर्गत छोटे छोटे तालुक के गांव और कस्बों के सरकारी स्कूलों के बच्चों में स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण करते आ रहे है।

अब तक कर्नाटक के अलग अलग जिलों और तालुक में जाकर 800 सरकारी स्कूल के

17000 स्कूली बच्चों को यह स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री दिया गया है। इस अवसर पर मायूम बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, कर्नाटक प्रांतीय उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, शाखा के सलाहकार सदस्य पवन राजलीवाल, शाखा के सदस्य कन्हैया अग्रवाल, निकेश अग्रवाल, गौरव रुंगटा, उमाशंकर गुप्ता के साथ अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

शिक्षा के इस प्रकल्प को राष्ट्र भर में बढ़ावा देने के लिए, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच से जोन 5 के 2025-27 के नव निवर्तमान उपाध्यक्ष साकेत रिठौलिया उपस्थित रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के लिए सभी संभव मदद करने का भरोसा दिलाया। इस कार्यक्रम को बेंगलूरु समाज में बढ़ावा देने के लिए फेडरेशन ऑफ कर्नाटका ट्रेडर एसोसिएशन के अध्यक्ष और संस्थापक प्रकाश मंडोत उपस्थित रहे। उन्होंने मारवाड़ी युवा मंच के शिक्षा के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्यक्रम करने के उद्देश्य को कन्नड़ भाषा में उन सरकारी स्कूली बच्चों को समझाया। इस बैग वितरण कार्यक्रम की सराहना और सहयोग करते हुए, स्थानिक लोगों और सरकारी स्कूलों के अधिकारियों ने भी आगे बढ़कर हिस्सा लिया और मायूम की टीम का आभार जताया। शिक्षा सब के लिए कार्यक्रम की कल्पना 4 साल पहले शाखा के पूर्व अध्यक्ष बिकास पोद्दार ने 2020-21 में की थी। तब पहला कार्यक्रम होसकोटे तालुक में हुआ था, जहां 2500 स्कूल बैग का वितरण किया गया था। फिर उसके बाद अगले साल 2021-22 में दूसरा कार्यक्रम 2000 स्कूल बैग वितरण, सकलेशपुर तालुक से किया गया। उन्होंने कहा था यह शिक्षा का प्रकल्प ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले ग्रामीण बच्चों के लिए तैयार किया गया है।

सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

यह कार्यक्रम हर साल आगे बढ़ता रहेगा और इसके लिए मैं हमेशा सहयोग और सेवा देने के लिए तैयार रहूंगा। तभी से यह कार्यक्रम मायूम बेंगलूरु शाखा के लिए सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण कार्यक्रम बन गया। उसके बाद हर साल यह कार्यक्रम धीरे धीरे स्कूल बैग वितरण की संख्या के साथ आगे बढ़ता गया। इसी विचारों के साथ और अपने शाखा के पूर्व अध्यक्षों के सपनो को पूरा करने के लिए वर्तमान शाखा अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने पूरी टीम के साथ मिलकर शिक्षा सब के लिए को आगे बढ़ाते हुए 2024-25 में 6500 स्कूल बैग वितरण का यह कार्यक्रम, दावणगेरे में 2000 बैग और कोलार में 4500 बैग के साथ पूरा किया। मायूम कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल ने मायूम बेंगलूरु शाखा का मनोबल बढ़ाते हुए और शाखा सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा शिक्षा के इस कार्य के लिए शाखा को प्रांत से जो भी सहयोग और मदद लगेगी, उसके लिए प्रांतीय कार्यकारणी टीम हमेशा तत्पर है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एण्ड डेंटल केयर श्रीरामपुरम में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अष्ट दिवसीय फीट वुमेन सप्ताह-एटीडीसी क्वींस प्रोफाइल रियायती दर पर महिलाओं हेतु स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत संपूर्ण रक्त जांच, थाइरॉएड प्रोफाइल, कोलेस्ट्रॉल, कैल्शियम, मधुमेह, आयरन जैसे विभिन्न 44 रक्त जांच समावेश किए गए। वुमेन सप्ताह के तहत 42 महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच करवाई एवं रियायती दर पर थाइरॉएड फंक्शन टेस्ट जिसका 32 महिलाओं ने लाभ लिया, कुल 74 महिलाएं लाभान्वित हुई। स्थानीय महिलाओं ने मानव सेवा के इस महान उपक्रम की खूब खुब सराहना करते हुए एटीडीसी के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर को अर्थ सहयोग के रूप में हंसराज, अशोक कुमार, रवि, अजिंक्या, अनिमेष, शौर्य, वीर चौधरी परिवार ने अपनी स्वीकृति प्रदान की थी। शिविर में एटीडीसी स्टाफ दीपाश्री, स्मिता, स्नेहा, श्यामला, दीपा एवं स्त्री विशेषज्ञ डॉ. मंजुला गौड़ा का सम्पूर्ण सहयोग रहा।

बाबा श्याम के दरबार में मची होली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

फाल्गुण एकादशी के पावन अवसर पर श्री श्याम भक्त मंडल के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के हॉल में सायं 5.30 बजे से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा श्याम के संग फुलों की होली भजन संध्या का आयोजन किया गया।

जहां फाल्गुण के रंग बाबा श्याम के संग जैसा नजारा देखने को मिला। इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया और पूजा अर्चना कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। पूरा सभागार भक्तों की अपार भीड़ से भरा हुआ था और सभी कतारबद्ध होकर अपने बाबा को निहार रहे थे। सभी भक्तों ने अखंड ज्योत के दर्शन किये। देर रात तक राजनांदगांव छत्तीसगढ़ से पधारे गायक निखिल व श्री श्याम ने अपनी प्रस्तुति से समा बांधा। आरती के साथ विश्राम हुआ।

विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय

युवा संवाद शिविर एवं होली मिलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु खंडेलवाल समाज (कर्नाटक), बेंगलूरु एवं श्री खंडेलवाल वैश्य जागृति संघ, वैशाली नगर, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में हरियाणा भवन, सरजापुर रोड में विवाह योग्य खंडेलवाल युवक-युवतियों के परिचय एवं युवा संवाद शिविर का भव्य आयोजन होली मिलन (फागोत्सव) के साथ सम्पन्न हुआ।

खंडेलवाल समाज बेंगलूरु के अध्यक्ष सुरेश चंद खंडेलवाल ने बताया कि इस गरिमामयी कार्यक्रम में 200 से अधिक समाजबंधु उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

शिविर संयोजक अशोक कट्टा एवं जी. पी. गुप्ता के अनुसार, 60 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया और आमने-सामने संवाद के माध्यम से एक-दूसरे को समझने का अवसर प्राप्त किया। इस दौरान दोनों पक्षों ने अपनी पसंद-नापसंद साझा की और वैचारिक आदान-प्रदान किया। जागृति संघ के महासचिव अनिल लोहिया ने बताया कि इस शिविर में कई पेशेवर एवं उच्च शिक्षा प्राप्त युवक-युवतियों ने भाग लिया। अभिभावकों ने भी योग्य वर-वधू की तलाश हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने यह भी बताया कि शेष बायोडाटा योग्य परिवारों तक पहुंचाए जाएंगे, जिससे विवाह संबंधी चर्चाओं को आगे बढ़ाया जा सके। बेंगलूरु समाज के संस्थापक संरक्षक जितेंद्र खण्डेलवाल व जगदीश खण्डेलवाल के अनुसार फागोत्सव के साथ कार्यक्रम का समापन सामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और आपसी मेल-जोल को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। बेंगलूरु समाज के महासचिव अमित खंडेलवाल ने बताया कि अखिलेश खंडेलवाल, अनुप खंडेलवाल, विकास खंडेलवाल, राजश्री खंडेलवाल, रवि खण्डेलवाल सहित कई अन्य सदस्यों ने समाजबंधुओं के सहयोग में सक्रिय भूमिका निभाई।

जो हमारे लिए बुरे हैं उनका भी बुरा नहीं करना हमें शक्तिमान बनाता है: डॉ. समकितमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित डॉ. समकितमुनि ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए बात अपनों की बात अपनों से प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत कहा कि संसार में तीन तरह के परिवार होते हैं। इन में कौनसा परिवार हमारे लिए योग्य है वह हमें जानना है। पहला परिवार जीव का हित करेगा, दूसरा जीव की हानि करेगा और तीसरा जीव का हित और अहित दोनों कर सकता है। यह परिवार सौभाग्य और दुर्भाग्य भी बन सकता है। परिवार हमारा कैसे हितैषी बन जाए या हमें हितैषी बना दे इसकी कला आनी जरूरी है। यह कला यदि आ गई तो आनन्द ही आनन्द है। जिस परिवार के सदस्यों में सरलता नम्रता है वह परिवार अंतरंग परिवार है। अनादिकाल से यह साथ में रहा है और साथ रहेगा। दूसरा परिवार जिसमें क्रोध, कपट, अभिमान है। वह परिवार हमारी

हानि ही करेगा। हमारा जीवन ऐसा हो जाए की दूसरा भी शांति से जीने लग जाए। हमें हमारी भावी पीढ़ी को शांति से जीना सिखाना होगा। हमें कषायों द्वारा आत्मा का नुकसान नहीं करना यह सिखाना है। जीते सभी है लेकिन शांति से सब नहीं जीते। हम स्वयं राग द्वेष की अग्नि में झुलस रहे है साथ ही साथ अपने बच्चों को भी झुलसा रहे है। हम खुद दूसरों से दुश्मनी रखते है और बच्चों को भी दूसरों से दुश्मनी रखवाते है। आर्तध्यान में बंधा हुआ आयुष्य हमें दुर्गति की ओर ले जाता है। हम हमारा ज्यादा समय आर्तध्यान में बिताते है। जो आज अच्छा मिला है वह कहीं खत्म ना हो जाए इसकी चिंता हमें रहती है। इष्ट का वियोग और अनिष्ट का संयोग ना बन जाए यही चिंता हमें रहती है। अगर यही हमारी जिंदगी है तो हम आर्तध्यानी है और दुर्गति के करीब है। जो हमारे लिए बुरे है उनका भी बुरा नहीं करना यह हमें शक्तिमान बनाता है। इंसान बन कर जो पशु जैसा व्यवहार करता है वह भविष्य में पशु ही बनता है। इस जन्म से ऐसा कुछ कर लो कि अनादिकाल की बिगड़ी सुधर जाए। मन बनाओ तो सब कुछ अपने आप बन जाएगा। अनादिकाल से यह संसार की यात्रा चल रही है। जब तक मौके का फायदा नहीं उठाओगे यह यात्रा यूही चलती रहेगी। मौके का फायदा जो उठाते हैं वह संसार में नहीं सिद्ध गति में होते हैं। असली धर्मात्मा बनने को जो अवसर मिला है उसका फायदा उठा लोगे तो यह जीवन सार्थक हो जाएगा। इसके पूर्व जयवंतमुनि ने स्तवन की प्रस्तुति दी और साध्वी सुप्रभा का भी सानिध्य रहा। इस अवसर पर पुणे, मैसूरु, रायचूर से श्रद्धालुगण, जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी तथा बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों के संघ संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. समकितमुनि का होली चातुर्मास 13 मार्च को राजाजीनगर संघ के तत्वावधान में 2-2 सामायिक एवं धर्म आराधना द्वारा अशोका कन्वेंशन हॉल राजाजीनगर में आयोजित होगा। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

श्री श्याम निस्वार्थ परिवार द्वारा निशान यात्रा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

फाल्गुण एकादशी के पावन अवसर पर श्री निस्वार्थ श्याम परिवार करने वाला श्याम कराने वाला श्याम के तत्वावधान में बन्नेरघट्टा रोड स्थित मुगबिका देवस्थान से खाटू श्याम मन्दिर तक विशाल निशान यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्व प्रथम प्रातः 7.30 बजे निशान पूजन व अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। उपस्थित भक्त भजनों की प्रस्तुति पर झूमते नाचते रहे। भक्तों ने गाजेबाजे के साथ भजन गाते हुए हाथों में निशान उठा कर पैदल चलकर श्याम मन्दिर में बाबा श्याम को निशान चढ़ाया। जय श्री श्याम के जयघोष के साथ रंग गुलाल व फूलों से भक्तजन श्याम रंग में रंग गए। 701 निशान बाबा श्याम को भक्तों ने अर्पित किए।

साध्वी श्री पावनप्रभाजी का राजाराजेश्वरी नगर में पावन प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी के विदूषी शिष्या साध्वी पावनप्रभा जी का मंगलवार प्रातः 6:35 बजे केंगेरी से विहार करते हुए श्रावक-समाज से सुसज्जित रैली के साथ 8:15 बजे आरआर नगर तेरापंथ भवन में पदार्पण हुआ। प्रवेश के अवसर पर गांधीनगर, राजाजीनगर, विजयनगर, हनुमंतनगर और राजाराजेश्वरी नगर की युवक परिषद आदि सभा संस्था महिला मंडल आदि ने बड़े उत्साह के साथ साध्वीश्री जी की अगवानी की। सामूहिक वंदनपाठ से स्वागत सम्मान का कार्यक्रम आरम्भ हुआ। मंगलाचरण तेरापंथी सभा एवं युवक परिषद द्वारा किया गया। तेरापंथी सभा की उपाध्यक्ष सरोज

आर. बैद ने साध्वीवृन्द का स्वागत करते हुए कहा कि होली के विभिन्न रंगों से भी अधिक प्रभावशाली आज हमारे यहाँ श्वेत वस्त्रधारी चारित्रात्माओं की आभा है। परमपूज्य गुरुदेव की महती कृपा से राजाराजेश्वरी नगर को पहली बार होली चातुर्मास का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला है। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, तेममं से सुमन पटावरी ने स्वागत वक्तव्य दिया। इस अवसर पर साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने अपने पावन उद्बोधन में कहा साउथ यात्रा में हम पहली बार आएं है। साउथ में श्रद्धा-भक्ति का दरिया लहरा रहा है। श्रावक और श्राविकाएँ जिम्मेदारी से रास्ते की सेवा का खूब लाभ उठाते है। ज्ञान एवं संयम के संतुलन पर प्रकाश डालते हुए कहा हमारे जीवन में ज्ञान का प्रकाश और संयम का ब्रेक होना चाहिए। जिससे हमारे जीवन में अच्छा विकास होता रहें। साध्वी आत्मयशाजी, सा. उन्नत्यशाजी, सा. रम्यप्रभाजी ने सुमधुर गीतिका के माध्यम से वातावरण को सुरमय बना दिया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया। मंगलपाठ के साथ कार्यक्रम सानन्द संपन्न हुआ।

सुभाष थेपडा अध्यक्ष व जीवन प्रकाश कोटड़ा सचिव बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नामदेव सेवा समाज का होली स्नेह मिलन समारोह कनकपुरा रोड स्थित होटल दी पार्क व्यु के सभागार में बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर ठंडई के साथ चंग की थाप पर उपस्थित समाज परिवारों ने होली गीत व धमाल की मस्ती पर झूमकर आनन्द लिया। इस मौके पर समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पद के लिए सुभाष थेपडा को जिम्मेदारी देते हुए नाम की घोषणा की गई।

बाद में नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी टीम का चयन किया। इसके तहत सचिव पद के लिए जीवन प्रकास कोटड़ा, उपाध्यक्ष सुरेश कोकचा, महेश पूर्वा को संयुक्त सचिव, सोनू गदेय को उपाध्यक्ष, मनोज मोयल को लेखा जोखा परीक्षक व सलाहकार के रूप में शिव कुमार पूर्वा, प्रेमचंद रुनवाल, उमेद पूर्वा और मनोज गादा को नियुक्त किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री सोनाणा खेतलाजी भक्त परिवार द्वारा विजयनगर स्थित राधे कृष्णा कल्याण मंडप में विशाल भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। राजस्थान के प्रसिद्ध भजन कलाकार ओम मुंडेल, रमेश माली एवं राधेश्याम माली ने भजनों की प्रस्तुति दी। जिससे माहौल भक्ति मय हो गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा भक्ति का फल भगवान ज्ञान का फल मुक्ति। सोनाणा खेतलाजी के परम भक्त रमेश कुमार भंडारी ने अतिथियों एवं कलाकारों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन मोहनलाल सीरवी ने किया।*

विभिन्न परिभाषाएं धर्म को बना देती हैं जटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में डॉ. मुनि पदमचंद्र ने कहा कि धर्म जटिल नहीं होता है। उनकी विभिन्न परिभाषाएं धर्म को जटिल बना देती हैं। धर्म आत्मा के सुख के लिए होता है। सुख और कठिनाई की प्रकृति ही अलग है। पदमचंद्र ने कहा कि तीर्थंकर पहले स्वयं साधना करते हैं फिर वही मार्ग सभी के लिए प्रशस्त करते हैं। जिन मार्ग में जात पात या अन्य कोई भेद नही होता है। हम पुण्य और पाप को सरसरी तौर पर नहीं बल्कि गहराई में जाकर आशय और संदर्भ समझें। एक ही कार्य के अलग अलग परिणाम हो सकते हैं। हम अपनी दृष्टि सकारात्मक रखें। पुण्य से पुण्य का संचय स्वाभाविक है किंतु कभी कभी पाप क्रिया करके भी हम पुण्य कर सकते हैं। हमारे भाव और हमारी प्रवृति शुभ अशुभ को स्पष्ट करती हैं। अनुकंपा दान में हमें पात्र देखने की जरूरत नही है। इससे पूर्व सुबह की कक्षा में डॉ. जयदुरंधर मुनि जी ने आगम के 5 समवाय पर चर्चा करते हुए कहा कि काल और स्वभाव का हमारे जीवन में बहुत महत्व होता है। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सभी का स्वागत किया।

बिना आग के धुआं कैसे हो सकता है?

विकास के अभाव में राज्य की स्थिति खराब : विजयेंद्र

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य ऐसी बुरी स्थिति में पहुंच गया है जहां कोई विकास नहीं हो रहा है। राज्य की जनता इस सरकार के कामकाज को देख रही है। उन्होंने मंगलवार को बालेहोन्नूर में श्री जगद्गुरु रेणुकाचार्य जयंती कार्यक्रम में भाग लेते हुए मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए 20 महीने हो गए हैं।

उन्होंने आपत्ति जताई कि स्थिति इतनी खराब हो गई है कि सड़कें, अस्पताल और यहां तक कि स्कूल के कमरे भी उपलब्ध नहीं हैं। सरकार के सत्ता में आने के बाद से विधायक असहाय हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री ने उनके निर्वाचन क्षेत्रों को धनराशि उपलब्ध नहीं कराई है।

उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने भी यह महसूस किया है कि ऐसी स्थिति है कि निर्वाचन क्षेत्र में घूमना असंभव है। रान्या राव की सोना तस्करी के पीछे कुछ मंत्रियों का हाथ होने की सूचना के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह मामला कई प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि आग के बिना धुआं नहीं होता। उन्होंने कहा कि इतना गंभीर मामला किसी के सहयोग के बिना संभव नहीं था। एक ओर जहां वह एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की बेटी हैं, वहीं दूसरी ओर मंत्री के समर्थन का मुद्दा भी काफी बहस का विषय रहा है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

बालेहोन्नूर के रंभापुरी श्री ने सभी अवसरों पर येदियुरप्पा के पक्ष में आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि वह इस पवित्र स्थान पर कार्यक्रम के लिए आए हैं और विजयेंद्र को जगद्गुरु से काफी उम्मीदें और इच्छाएं हैं। विजयेंद्र ने सवाल के जवाब में कहा कि जगद्गुरुओं ने संदेश दिया है कि सभी को एकजुट होना चाहिए। विश्व गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त करना हमारा सौभाग्य है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि वे राजनीति पर बात नहीं करते। केंद्रीय अधिकारी हर चीज पर नजर रख रहे हैं।

उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि जब सब कुछ तार्किक निष्कर्ष पर पहुंच रहा हो, तब सामुदायिक बैठकें आयोजित करना उचित नहीं है। यह कोई पाखंडपूर्ण बात नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेरे प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए इस तरह का जाति सम्मेलन आयोजित करने से पार्टी को किसी भी तरह से लाभ नहीं होगा।

सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र

कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के संकटग्रस्त लाल मिर्च किसानों की मदद करने का आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर राज्य में लाल मिर्च किसानों की सहायता के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत मूल्य कमी भुगतान (पीडीपी) योजना को लागू करने का आग्रह किया है। अपने पत्र में, मुख्यमंत्री ने लाखों लाल मिर्च किसानों, विशेष रूप से कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में, कीमतों में भारी गिरावट के कारण 'अभूतपूर्व संकट' का सामना करने पर दुख व्यक्त किया। सिद्धरामैया ने कहा कि भारत सरकार ने आंध्र प्रदेश में लाल मिर्च (गुंटूर किस्म) के लिए एमआईएस के तहत पीडीपी योजना को मंजूरी दी थी, जिसमें उत्पादन के 25 प्रतिशत तक कवरेज के साथ न्यूनतम हस्तक्षेप मूल्य (एमआईपी) 11,781 प्रति क्विंटल तय किया गया था। उन्होंने 10 मार्च को लिखे पत्र में कहा यह एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन कर्नाटक के लाल मिर्च किसानों के सामने आने वाली समस्या का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कर्नाटक में गुंटूर किस्म की लाल मिर्च (वर्षा आधारित) की उत्पादन लागत कर्नाटक कृषि मूल्य आयोग द्वारा 12,675 प्रति क्विंटल आंकी गई है। उन्होंने कहा हालांकि, किसानों को अपनी उपज 8,300 प्रति क्विंटल से भी कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे न केवल भारी वित्तीय नुकसान हो रहा है, बल्कि उनके अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देश के सबसे पिछड़े और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में से एक कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में हजारों छोटे और सीमांत किसान लाल मिर्च की खेती पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा उनकी दुर्दशा की निरंतर उपेक्षा से आर्थिक संकट और गहरा होगा और कई किसान कर्ज के संकट में फंस जाएंगे। इसलिए यह जरूरी है कि केंद्र सरकार बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत मूल्य कमी भुगतान योजना को कर्नाटक तक बढ़ाए, ताकि आंध्र प्रदेश के साथ समानता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने किसानों की बेहतर सेवा के लिए मौजूदा योजना में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें एमआईपी को बढ़ाकर 13,500 प्रति क्विंटल करना शामिल है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में बढ़ती इनपुट लागत और उत्पादन की काफी अधिक लागत को देखते हुए 11,781 प्रति क्विंटल का मौजूदा एमआईपी अपर्याप्त है। उन्होंने सार्थक राहत प्रदान करने के लिए कवरेज को कम से कम उत्पादन के 75 प्रतिशत तक बढ़ाने की भी मांग की। सिद्धरामैया ने केंद्र सरकार से पीडीपी का पूरा बोझ उठाने का भी आग्रह किया, जो मौजूदा योजना के अनुसार केंद्र और राज्य के बीच समान रूप से साझा किया जाता है। उन्होंने कहा, लाल मिर्च की कीमत काफी हद तक केंद्र सरकार की घरेलू और निर्यात नीतियों पर निर्भर करती है, जो सीधे बाजार की स्थिरता और किसानों की आय को प्रभावित करती है।

ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल लोगों के हित में है: मंत्री प्रियांक खड़गे

विरोध करना राज्य के लिए अच्छा नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा द्वारा ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल पारित किए जाने के बाद, राज्य मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि यह बिल बेंगलूरु के लोगों के हित में है। खड़गे ने कहा कि यह बिल शासन, प्रशासन, निवेश और रोजगार के हित में है। खड़गे ने बिल का विरोध करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि केवल विरोध के लिए विरोध करना राज्य के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा ऐसा लगता है कि भाजपा को प्रगति के लिए हमारे द्वारा प्रस्तावित हर चीज से समस्या है। उन्होंने स्टील फ्लाईओवर का विरोध किया, अब वे ट्रैफिक जाम की शिकायत करते हैं। हम सुरंगों का सुझाव दे रहे हैं। उन्हें इससे समस्या है। अगर उनके पास इसके लिए कोई बेहतर तरीका है तो हम उनकी बात सुनने के लिए तैयार हैं। लेकिन दुर्भाग्य से, केवल विरोध के लिए विरोध करना राज्य के लिए अच्छा नहीं है। कर्नाटक विधानसभा ने सोमवार को ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल पारित कर दिया। विधेयक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) का प्रस्ताव है। विधेयक में कहा गया है कि प्राधिकरण के पास शहर पर प्रशासनिक, योजना और कार्यकारी अधिकार होंगे। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पारित विधेयक का उद्देश्य राज्य की राजधानी को और मजबूत बनाना है। मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा हम बेंगलूरु को मजबूत बना रहे हैं। हम शहर के लिए उचित प्रशासन चाहते हैं। सीएम ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी का नेतृत्व करेंगे और हमारे पास और अधिक निगम बनाने के विकल्प होंगे। हमने 74वें और 75वें संशोधन को नहीं छेड़ा है। कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि लोगों के कल्याण के लिए विधेयक पारित किया गया है। जारकीहोली ने कहा यह लोगों के कल्याण के लिए किया गया है। कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने कहा कि सरकार का इरादा बेंगलूरु का विकास करना है। शहर को देश की सिलिकॉन वैली के रूप में बनाए रखना है, जहां सभी आईटी कंपनियां आती हैं। मुख्य उद्देश्य बेंगलूरु को बेहतर बनाना है। कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद ने कहा हमने बेंगलूरु में प्रशासनिक सुधार, सत्ता का विकेंद्रीकरण और चीजों को अधिक पारदर्शी बनाने तथा बेंगलूरु के नागरिकों को लाभ पहुंचाने के लिए यह विधेयक पारित किया है। भाजपा राजनीतिक कारणों से इस विधेयक का विरोध कर रही है। राज्यपाल निश्चित रूप से इस विधेयक में गुण देखेंगे।

सामूहिक बलात्कार मामले के मद्देनजर पुलिस ने होमस्टे और रिसॉर्ट पर छापे मारे

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।

विदेशी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार का मामला पूरे देश में चर्चा में आने के बाद कोप्पल जिला पुलिस विभाग ने सोमवार देर रात गंगावती तालुक के अनेगोंडी और कोप्पल तालुक के बासापुरा के आसपास के होमस्टे और रिसॉर्ट्स पर छापेमारी की।

जिला पुलिस अधीक्षक को इस बात की जानकारी दी गई है कि होमस्टे और रिसॉर्ट विदेशियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दे रहे हैं और वहां अवैध गतिविधियां चल रही हैं। हमले का नेतृत्व राम अरासिद्दी ने किया था। मालिकों को चेतावनी दी गई है कि यदि वे अवैध गतिविधियों में संलिप्त होंगे तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इसके लिए रजिस्टर बुक सहित विभिन्न दस्तावेजों की जांच की जाएगी तथा संपूर्ण निरीक्षण किया जाएगा। गंगावती में रिसॉर्ट मालिकों के साथ बैठक कर फार्म सी अनिवार्य रूप से भरवाया जाए तथा विदेशियों के बारे में

जानकारी उपलब्ध कराई जाए। एसपी ने चेतावनी दी थी कि लोगों को अनैतिक गतिविधियों से सावधान रहना चाहिए और रिसॉर्ट्स में मारिजुआना की आपूर्ति सहित किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोप्पल बलात्कार मामले ने हम्पी पर्यटन को गहरा झटका दिया है, और इस बीच, आरोप आ रहे हैं कि जिले के कई होमस्टे और रिसॉर्ट विदेशियों के मनोरंजन के नाम पर अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। ऐसे आरोप लगे हैं कि कुछ रिसॉर्ट और होमस्टे अवैध रूप से विदेशियों को मारिजुआना और शराब की आपूर्ति कर रहे हैं। इससे पहले पुलिस ने गंगावती शहर के पास एक इजरायली पर्यटक और एक भारतीय होमस्टे मालिक से जुड़े क्रूर सामूहिक बलात्कार मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान साईनगर के 27 वर्षीय शरणबसवा के रूप में हुई है, जिसे चेन्नई में पकड़ा गया, जहां वह अपराध के बाद भाग गया था। यह भयावह घटना 6 मार्च को हुई, जब 'हार्टलैंड होमस्टे' में ठहरे चार पर्यटक तुंगभद्रा नहर के पास तारों को देखने के लिए निकले। समूह में अमेरिका के 23 वर्षीय डेनियल, इजरायल की एक महिला पर्यटक, नासिक के पंकज राव अमृत राव पाटिल और ओडिशा के बेबाश शामिल थे।

हमलावरों ने पैसे मांगने की आड़ में पर्यटकों से संपर्क किया। जब पीड़ितों ने 20 रुपये की पेशकश की, तो हमलावरों ने और पैसे मांगे, जिससे विवाद हो गया। इसके बाद आरोपियों ने समूह पर हमला किया, डेनियल, पंकज और बेबाश को नहर में धकेल दिया और दो महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया। डेनियल और पंकज भागने में सफल रहे, जबकि बेबाश डूब गया। अगले दिन मल्लापुरा गांव में हाइडल पावर पार्क के पास उसका शव बरामद किया गया। पुलिस ने पहले दो अन्य आरोपियों, 22 वर्षीय मल्लेश (उर्फ हांडी मल्ला) और 21 वर्षीय चेतन साई सिलेक्यातर को गिरफ्तार किया था, जो दोनों साईनगर के रहने वाले थे। हमले के दौरान हमलावरों ने पर्यटकों पर पत्थरों से हमला किया और दो महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न किया। पीड़ितों ने बाद में सीआर-पीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के सामने अपना बयान दर्ज कराया। हमले के बाद पीड़ित अस्पताल में ठीक हो रहे हैं। मृतक पर्यटक, 40 वर्षीय बेबाश, पिछले शनिवार को तुंगभद्रा लेफ्ट कैनाल में पाया गया था। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारियों ने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हम्पी सहित पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं। इससे पहले रविवार को हम्पी में एक इजरायली नागरिक सहित दो महिलाओं के कथित बलात्कार के बाद, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा था कि राज्य सरकार इस घटना को बहुत गंभीरता से ले रही है और कई गिरफ्तारियाँ की गई हैं। परमेश्वर ने कहा हमने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है। हमने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा है। कई लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

सख्त कार्रवाई की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों का मुद्दा विधानसभा में गूंजा और इस पर गंभीर बहस हुई। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक मनप्पा डी. वज्जल के सवाल के जवाब में गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने बताया कि पिछले 20 सालों में राज्य में अवैध रूप से रह रहे 556 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से काम कर रहे विदेशी नागरिकों को निर्वासित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। मंत्री ने बताया कि बेंगलूरु शहर में 223, केजीएफ में 7, मेंगलूरु शहर में 41, रामनगर में 11, धारवाड़ में 2, विजयपुरा में 33, डी. कन्नड़ में 15, मैसूरु में 27, उत्तर कन्नड़ और रायचूर में 1-1, उडुपी में 10, शिवमोग्गा में 12, हासन में 3, चित्रदुर्ग में 10 और बेंगलूरु जिले में 60 विदेशियों की अवैध रूप से रहने के रूप में पहचान की गई है। पुलिस स्टेशन स्तर पर खुफिया कर्मियों और सीआरआई कर्मियों को अवैध रूप से रह रहे विदेशियों की पहचान करने के लिए विदेशियों की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। सभी संभागीय उपायुक्तों को कूड़ा बीनने वालों और उनके निवास स्थानों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी संभागीय उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे विदेशी नागरिकों के निवास स्थानों के निकट निरंतर निगरानी बनाए रखने के लिए रिजर्व बल और कार्मिक तैनात करें। यदि विदेशी नागरिक अवैध रूप से रहते हुए पाए जाते हैं, तो आरोपियों की सूचना संबंधित देशों और विदेश मंत्रालयों के माध्यम से विदेश मंत्रालय को दी जाती है। ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मामले दर्ज किये जा रहे हैं। यहां तक कि जो लोग अदालत में मामला सुलझ जाने के बाद संबंधित विभाग से निकास परमिट प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें भी कोरोनर डिटेंशन (एफडीसी) हिरासत में रखा जा रहा है। विदेशी नागरिकों को निर्वासित कर उनके देश वापस भेजा जा रहा है। अब तक कुल 193 अवैध विदेशी आप्रवासियों को निर्वासित किया जा चुका है। 212 विदेशियों को निर्वासित करने की प्रक्रिया चल रही है। 121 विदेशी न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने बताया कि चार विदेशी जमानत पर बाहर हैं।

अवैध गतिविधियों के कुल 141 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 323 मामले बेंगलूरु में दर्ज किए गए हैं, जिनमें अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक शामिल हैं, और 530 लोगों को आरोपी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक मादक पदार्थ, गांजा, अफीम, चरस की चोरी और तस्करी में संलिप्त रहे हैं और इस संबंध में 3 मामले दर्ज किए गए हैं तथा 6 आरोपी हैं। इस जवाब से निराश मनप्पा वज्जल ने कहा अखबारों में खबर आई है कि बीजापुर जिले में 15,000 विदेशी रह रहे हैं। इसे देखते हुए राज्य में लाखों लोग हो सकते हैं। उन्हें आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड दिए गए हैं। वे युवाओं को मारिजुआना और अफीम जैसे नशीले पदार्थों की पेशकश कर उन्हें गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर अपना समर्थन जताते हुए भाजपा विधायक सुनील कुमार ने कहा कि अवैध अप्रवासी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। कई बांग्लादेशी अवैध रूप से बस गए हैं और अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं। वे कॉफी बागानों और होटलों में काम कर रहे हैं। यह संभव है कि राज्य में लाखों लोग रहते हों। यह एक गंभीर मामला है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि अवैध अप्रवासी एक बड़ी समस्या है। बेंगलूरु में भी काफी परेशानी है। अफ्रीकी मूल के लोग पुलिस पर हमला करते हैं। वहां बांग्लादेशियों का एक बड़ा नेटवर्क है। यह एक गंभीर मामला था और उन्होंने स्पीकर से आधे घंटे की चर्चा की अनुमति देने का अनुरोध किया। तब स्पीकर यू.टी. खादर ने घोषणा की कि वे आधे घंटे की चर्चा की अनुमति देंगे।

इवान डिसूजा ने तट के लिए अलग समुद्री नीति की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खान एवं भू-विज्ञान मंत्री एस.एस. मल्लिकार्जुन ने विधान परिषद को बताया कि जिला समितियों के माध्यम से सिंचाई उपलब्ध कराने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं, ताकि निर्माण श्रमिकों और अन्य लोगों को असुविधा न हो। सदस्य इवान डिसूजा के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जिला समितियों के माध्यम से जरूरतमंदों को रेत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि किसी तकनीकी कारण से देरी हुई है तो समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। केडीपी बैठक के माध्यम से जिला प्रशासन को रेत की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और अधिक अवसर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि कहीं भी कोई कमी न रहे। इससे पहले बोलते हुए सदस्य इवान डिसूजा ने कहा कि रेत खनन से समुद्र तट के किनारे सैकड़ों एकड़ भूमि नष्ट हो रही है। क्षेत्र में पारंपरिक रेत खनन प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद प्रतिबंधित क्षेत्रों में रेत खनन जारी है। उन्होंने पहले रेत खनन के लिए सैंड बाजार नामक एक प्रणाली स्थापित की थी। उन्होंने उस प्रणाली को बंद कर दिया है। सीआरजेड सीमा के भीतर रेत खनन की अनुमति दी जानी चाहिए। इवान डिसूजा ने मांग की कि तट के लिए एक अलग रेत नीति तैयार की जाए।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

तटीय कर्नाटक में भीषण गर्मी बारिश की कोई संभावना नहीं

आईएमडी ने जारी की सलाह

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तटीय कर्नाटक भीषण गर्मी की चपेट में है, जिससे निवासियों को भीषण गर्मी झेलनी पड़ रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि आने वाले दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा सकता है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को संभावित खतरा हो सकता है। वर्तमान में, तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और 38 डिग्री सेल्सियस के बीच उतार-चढ़ाव कर रहा है, और इसमें और वृद्धि की उम्मीद है। पिछले सप्ताह, आईएमडी ने 11 से 15 मार्च के बीच हल्की बारिश का अनुमान लगाया था, जिससे कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, मौसम के मिजाज में बदलाव के कारण केवल छिटपुट बूंदाबांदी हुई –

11 मार्च को कोडागु में और 12 मार्च को सुल्लिया और सुब्रह्मण्य में बारिश दर्ज की गई। आईएमडी को अब 18 मार्च के बाद ही गरज के साथ बारिश की उम्मीद है।

तब तक, क्षेत्र में शुष्क मौसम, बढ़ती आर्द्रता और तेज हवाएं चलेंगी, जिससे विभाग ने स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए सावधानी बरतने का आग्रह किया है। बढ़ते तापमान के मद्देनजर, दक्षिण कन्नड़ जिले के स्कूलों और कॉलेजों ने परीक्षा कार्यक्रम में तेजी लाकर उन्हें तय समय से पहले खत्म कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य छात्रों को गर्मी से जुड़ी समस्याओं से बचाना और शैक्षणिक संस्थानों में पानी की कमी को रोकना है। लोक शिक्षा विभाग के उप निदेशक गोविंद मादिवाला के अनुसार वर्तमान में स्कूलों में पानी की कमी की कोई सूचना नहीं मिली है, ग्रामीण क्षेत्र पानी की आपूर्ति के लिए पंचायतों पर निर्भर हैं और शहरी क्षेत्रों में बिना किसी शिकायत के काम चल रहा है। पशुपालन विभाग ने पशुओं पर हीटस्ट्रोक के प्रभाव को कम करने के लिए डेयरी किसानों और पोल्ट्री व्यवसायों के लिए विशेष मानक संचालन प्रक्रिया (एसअ-ोपी) जारी की है। बढ़ते तापमान के कारण पोल्ट्री की मृत्यु दर में वृद्धि हुई है, और अधिकारी पक्षियों और अन्य खेत जानवरों को अत्यधिक गर्मी से बचाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। तापमान में अचानक वृद्धि के साथ, स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ बढ़ रही हैं। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे भरपूर पानी, नारियल पानी और छाछ का सेवन करके हाइड्रेटेड रहें। नवजात शिशुओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए अतिरिक्त देखभाल की जानी चाहिए। बाहरी कामों को दिन में जल्दी खत्म करने और दोपहर में धूप में निकलने की सलाह दी जाती है, खास तौर पर बच्चों और बुजुर्गों के लिए।

जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, पानी की खपत बढ़ती है, लेकिन संदूषण का जोखिम भी अधिक होता है। अल्वा के आयुर्वेद कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सतीश शंकर के अनुसार, बोरवेल सहित जल स्रोत कार्बनिक पदार्थों से दूषित हो सकते हैं, जिससे संभावित रूप से उल्टी और दस्त हो सकते हैं। निवासियों से आग्रह किया जाता है कि वे इस गर्मी के दौरान सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें और सलाह का पालन करें।

सांसद ने आईएसपीआरएल कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित

मानव संसाधन नीति का मुद्दा पेट्रोलियम मंत्रालय के समक्ष उठाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने सोमवार को दिल्ली में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव पंकज जैन से मुलाकात की और मेंगलूरु में भारतीय सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) सुविधा के कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित चिंताओं में तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। मंत्रालय को सौंपे गए पत्र में कैप्टन चौटा ने आईएसपीआरएल में संरचित मानव संसाधन (एचआर) नीति की कमी पर प्रकाश डाला, जिसके कारण पिछले आठ वर्षों से कर्मचारियों को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की चिंताओं, विशेष रूप से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संस्थानों में, को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार ने हमेशा लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दी है, जैसा कि जीएमपीएल मुद्दे के त्वरित

समाधान में देखा गया है। मुझे विश्वास है कि इस मुद्दे को भी जल्द से जल्द हल किया जाएगा। उठाई गई प्रमुख चिंताएँ आठ वर्षों से अधिक समय से, परियोजना विस्थापित परिवारों (पीडीएफ) के सदस्यों सहित आईएसपीआरएल कर्मचारियों को औपचारिक मानव संसाधन नीति की अनुपस्थिति के कारण कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कैप्टन चौटा के पत्र में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला गया हैं। तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कैप्टन चौटा ने पेट्रोलियम मंत्रालय से प्रभावित कर्मचारियों के लिए वेतन समानता, भत्ते और कैरियर में प्रगति के अवसर सहित अंतरिम राहत प्रदान करने का आग्रह किया।

कुमारस्वामी ने ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कर्नाटक सरकार द्वारा ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल पारित किए जाने की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वह बेंगलूरु को उसी तरह विभाजित कर रही है, जिस तरह से उसने पहले भारत को विभाजित किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुमारस्वामी ने कहा बांटने और चीजों को तोड़ने के मामले में कांग्रेस बेजोड़ है। 75 सालों से वह ऐसा करती आ रही

है। कांग्रेस की नीति ही फूट डालो और राज करो है। उन्होंने आगे कहा तब इसने अविभाजित भारत को विभाजित किया। अब यह बेंगलूरु शहर को विभाजित कर रही है। कुमारस्वामी ने आगे दावा किया कि बिल का असली उद्देश्य शासन को विकेंद्रीकृत करना नहीं है, बल्कि बेंगलूरु के संस्थापक नादप्रभु केम्पेगौड़ा की विरासत को कमजोर करना है। उन्होंने तर्क दिया इसका एकमात्र उद्देश्य बेंगलूरु शहर के संस्थापक नादप्रभु केम्पेगौड़ा की विरासत को पूरी तरह से नष्ट करना है। ग्रेटर बेंगलूरु सिर्फ एक नाम है। असली उद्देश्य केवल लूटना है। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का नाम स्पष्ट रूप से न लेते हुए, कुमारस्वामी की टिप्पणी स्पष्ट रूप से उन पर लक्षित थी, क्योंकि शिवकुमार इस विधेयक के पीछे एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं।

हरी सब्जियों की कीमतों में आई उल्लेखनीय कमी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गर्मियों के दौरान पानी की कमी और बिजली की समस्या के कारण सब्जियों की कीमतें आसमान छूना आम बात है। हरी सब्जियों की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आई है। थोक मूल्य पर, बीन्स को छोड़कर सभी सब्जियों की कीमत 40 रुपये है। इसे लगभग 50 रुपये के खुदरा मूल्य पर बेचा जा रहा है। सब्जियां उगाने के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है और बिजली कटौती से फसलें प्रभावित हो रही हैं। लेकिन इस बार ऐसी कोई समस्या नहीं थी। अधिकांश किसानों ने गर्मियों में अधिक कीमत मिलने की उम्मीद में बड़ी मात्रा में सब्जियां उगाई हैं, और सूर्य की रोशनी से सब्जियों को बीमारियों से बचाने के कारण

उपज में वृद्धि हुई है, जिससे बाजार में अधिक उत्पाद आए हैं, तथा मांग में कमी के कारण कीमतों में गिरावट आई है। फलियों को छोड़कर अन्य सब्जियों के दाम में कोई वृद्धि नहीं हुई है। पिछले सप्ताह बाजार में जो बीन्स 50 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, आज 65 रुपये किलो बिक रही है। अन्यथा बैंगन 30 रुपये प्रति किलो, शिमला मिर्च 40 रुपये, मूली 30 रुपये, टमाटर 20 रुपये, चुकंदर 30 रुपये, खीरा 30 रुपये, गाजर 70 रुपये, ग्राफ्टेड गाजर 30 रुपये, प्याज 40 रुपये आदि बिक रहा है। दो-तीन दिन पहले 40 रुपये में बिक रही हरी मटर अचानक 70 रुपये तक पहुंच गई है। सब्जियां बेंगलूरु से पड़ोसी राज्य तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश भेजी जा रही थीं। लेकिन उस क्षेत्र में उपज अधिक रही है, और चूंकि व्यापारी बेंगलूरु नहीं आए हैं, इसलिए मांग कम हो गई है। केवल गाजर ही आयातित है और इसे 60 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम बेचा जा रहा है। लॉटरी फसल के नाम से मशहूर लाल सुंदरी टमाटर की कीमत में काफी गिरावट आई है और यह 10 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। साग-सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी होनी चाहिए थी, क्योंकि चिलचिलाती धूप के कारण साग-सब्जियां बहुत जल्दी मुरझा रही हैं, लेकिन सभी साग-सब्जियों के दाम 10 से 20 रुपये के बीच हैं। केआर मार्केट के एक व्यापारी ने कहा कि उगादी त्योहार के बाद कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

गारंटी समितियों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नियुक्त करने में क्या गलत है? डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने विधानसभा में कहा कि जब तक राज्य सरकार है, तब तक 5 गारंटी योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी। प्रश्नोत्तर काल के दौरान हस्तक्षेप करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा तथा गृहणियों के लिए 2,000, युवाओं के लिए युवानिधि सहित 5 गारंटी योजनाएं 52 हजार करोड़ रुपये की लागत से लागू की हैं। यह जाँचने के लिए कि यह लाभार्थियों तक पहुँच रहा है या नहीं, कार्यकर्ताओं को भेजने में क्या गलत है? देश की जनता ने हमें 138 से अधिक विधायक सीटें देकर सशक्त किया है। हम विधायक की अध्यक्षता में समिति की मांग पर कैबिनेट बैठक में चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि तब तक कार्यकर्ता समिति में बने रहेंगे। देश में गारंटी के क्रियान्वयन को लेकर बहस चल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गारंटीशुदा क्रियान्वयन

संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि वे 5-गारंटी लागू करेंगे तो वे दिवालिया हो जायेंगे। यह महसूस करते हुए कि देश में मूल्य वृद्धि के कारण लोग परेशान हैं, हमने गारंटी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन का बचाव करते हुए कहा कि यह महाराष्ट्र और दिल्ली में भी शुरू किया गया है, जहां भाजपा सत्ता में है। इससे पहले शिवकुमार ने उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया है कि कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी मामले में दो मंत्रियों का संबंध है। उन्होंने इन खबरों को 'राजनीतिक गपशप' करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि केंद्रीय एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कोई मंत्री इसमें शामिल नहीं है, हमें कुछ नहीं पता। यह सब राजनीतिक गपशप है। जांच अधिकारी कानून के अनुसार जांच करेंगे। हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। केंद्र सरकार जांच कर रही है, उन्हें ही करने दीजिए।

सड़क हादसे में युवक की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कडाबा के सुब्रह्मण्य-उप्पिनंगडी राज्य राजमार्ग पर कैकम्बा के पास केएसआरटीसी बस और बाइक के बीच हुई टक्कर में एक दोपहिया सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिलिनेले गांव के चेरू निवासी स्वर्गीय विश्वनाथ के बेटे विनयस (23) के रूप में हुई है। यह दुर्घटना बिलिनेले गांव के

कोटेहोल के पास हुई, जब कडाबा की ओर जा रही एक बस कैकम्बा की ओर जा रहे एक दोपहिया वाहन से टकरा गई। विनयस को गंभीर चोटें आईं और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। उसके परिवार में उसकी मां और बहन हैं। उसके शव को कडाबा अस्पताल में रखा गया है। कडाबा पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया, निरीक्षण किया और मामला दर्ज कर लिया है।

फिल्मों से पहले लंबे विज्ञापनों के खिलाफ याचिका पर निर्देश नहीं दे सकते: कोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह यह निर्देश नहीं दे सकता कि सिनेमाघर कैसे चलाए जाएं। यह बात फिल्म स्क्रीनिंग से पहले लंबे समय तक विज्ञापन दिखाने के संबंध में निचली अदालत के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते हुए कही। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए कही। न्यायालय ने राज्य सरकार और शिकायतकर्ता अभिषेक एम आर को नोटिस जारी कर बेंगलूरु जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश पर रोक लगा दी। आयोग ने पीवीआर सिनेमा को याचिकाकर्ता को मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी ठहराया था। याचिकाकर्ता ने फिल्म स्क्रीनिंग में देरी करने वाले विज्ञापनों पर आपत्ति जताई थी। यह रोक 27 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई तक प्रभावी रहेगी। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु जिला उपभोक्ता आयोग के पास अधिकार क्षेत्र नहीं है और दावा किया कि इस मुद्दे पर शरारत करने वाले पहले से ही व्यवधान पैदा कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने हिंदी फिल्म सैम बहादुर के लिए 825.66 रुपये का भुगतान करके तीन टिकट खरीदे थे। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक चलने वाले विज्ञापनों के कारण उन्हें फिल्म की वास्तविक 2 घंटे 25 मिनट की अवधि से 25 मिनट अधिक बैठना पड़ा, जिसे वे एक असुविधा मानते हैं जिसकी भरपाई आर्थिक रूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि विज्ञापनों के कारण फिल्म के शुरू होने के समय में देरी करना पीवीआर सिनेमा द्वारा सेवा में कमी के समान है। उपभोक्ता आयोग ने सरकारी नियमों का हवाला दिया था, जिसमें राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा सार्वजनिक सेवा घोषणाओं और कल्याणकारी योजनाओं के विज्ञापनों के लिए अधिकतम 10 मिनट की अनुमति दी गई थी। इसने नोट किया कि सिनेमाघरों को टिकट पर उल्लिखित निर्धारित समय पर फिल्म शुरू करने के लिए बाध्य किया जाता है, जिसमें विज्ञापन पहले दिखाए जाते हैं। आयोग ने पीवीआर सिनेमा और पीवीआर आइनॉक्स लिमिटेड को याचिकाकर्ता को मानसिक पीड़ा के लिए 20,000 रुपये और मुकदमे के खर्च के रूप में 8,000 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। इसके अतिरिक्त, पीवीआर सिनेमा को उपभोक्ता कल्याण कोष में दंडात्मक हर्जाने के रूप में 1 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था।

रान्या राव मामला

सरकार ने डीजीपी की भूमिका और एयरपोर्ट पर अभिनेत्री द्वारा प्रोटोकॉल के दुरुपयोग की जांच के आदेश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर अभिनेत्री रान्या राव द्वारा प्रोटोकॉल उल्लंघन और उनके सौतेले पिता के. रामचंद्र राव, कर्नाटक राज्य पुलिस आवास निगम के पुलिस महानिदेशक की संभावित भूमिका की जांच के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी गौरव गुप्ता को नियुक्त किया है। एक अलग आदेश में, सरकार ने आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को पुलिस कर्मियों की ओर से संभावित लापरवाही और लापरवाही की जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है। आदेश में, सरकार ने गुप्ता, जो अतिरिक्त

मुख्य सचिव हैं, को जांच का नेतृत्व करने और एक सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। अभिनेत्री को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गिरफ्तार किया था, जब वह 3 मार्च को दुबई से उतरने के बाद केआईए में 12.5 करोड़ रुपये मूल्य की 14.2 किलोग्राम सोने की छड़ों के साथ पकड़ी गई थी। डीआरआई इनपुट के बाद, सीबीआई ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों वाले सोने की तस्करी के रैकेट की जांच के लिए मामला दर्ज किया। सरकारी आदेश में कहा गया है, मीडिया द्वारा यह बताया गया है कि रान्या राव को दुबई से बेंगलूरु में अवैध रूप से सोने की छड़ों की तस्करी करते समय डीआरआई के अधिकारियों ने पकड़ा था। जांच के दौरान, यह बताया गया है कि रान्या राव ने इस अवैध गतिविधि को अंजाम देने के लिए प्रोटोकॉल विशेषाधिकारों का दुरुपयोग किया। इसमें आगे कहा गया है कि मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि उन्होंने अपने पिता के नाम का उपयोग करके वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्रदान की गई हवाई अड्डे की प्रोटोकॉल सुविधाओं का इस्तेमाल किया और कथित तौर पर हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच को दरकिनार करने के लिए इन विशेषाधिकारों का इस्तेमाल किया। आदेश में कहा गया है, सरकार प्रोटोकॉल विशेषाधिकारों के दुरुपयोग के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों और कारकों की जांच करना आवश्यक समझती है, साथ ही इस मामले में डॉ. रामचंद्र राव की संलिप्तता की भी जांच करना जरूरी समझती है। सरकार के 10 मार्च के दो नए आदेशों के साथ, इस मामले ने और अधिक प्रमुखता हासिल कर ली है और शायद यह उन पहले कुछ मामलों में से एक है, जिसमें डीआरआई, सीबीआई, सीआईडी और एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी समानांतर रूप से जांच कर रहे हैं।

आतंकवाद तथा अलगाववाद के कारण पूर्वोत्तर विकास की दौड़ में चार दशक पीछे रह गया : शाह

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तमाम विशेषताओं से लैस होने के बावजूद पूर्वोत्तर में मतिभ्रम और विवाद पैदा कर आतंकवाद तथा अलगाववाद खड़ा किया गया जिससे यह क्षेत्र विकास की दृष्टि से चार दशक पीछे चला गया।

श्री शाह ने यहां छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत राजधानी आये पूर्वोत्तर के राज्यों के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर भारतीय संस्कृति का एक अमूल्य गहना है और यह संस्कृति को समृद्ध करने वाली विरासत से लैस है। उन्होंने कहा, नॉर्थईस्ट में पूरी दुनिया को पर्यटन की दृष्टि से आकर्षित करने की क्षमता है। साथ ही नॉर्थईस्ट में भारत के सबसे ज़्यादा आई क्यू वाले युवा हैं और सबसे मेहनती जनजातियां यहीं हैं। पूर्वोत्तर में 220 से अधिक जनजातीय समूह, 160 से अधिक जनजातियां, 200 से अधिक बोलियां और भाषाएं, 50 यूनिक प्रकार के त्यौहार और पूरी दुनिया में प्रसिद्ध 30 से अधिक नृत्य शैलियां हैं।

उन्होंने कहा कि कहा कि इतनी सारी विशेषताएं होने के बावजूद यह क्षेत्र विकास में पिछड़ गया क्योंकि एक समय था जब अलग-अलग प्रकार के मतिभ्रम और विवाद पैदा कर आतंकवाद और अलगाववाद को खड़ा किया गया। उन्होंने कहा , हिंसा, बंद, ड्रग्स, ब्लाकेड और प्रांतवाद ने हमारे नॉर्थईस्ट को टुकड़ों में बांट दिया। इसने हमारे उत्तरपूर्व को मानसिक रूप से न सिर्फ देश से बल्कि पूर्वोत्तर के राज्यों को भी एक दूसरे से अलग करने का काम किया। इसके परिणामस्वरूप

हमारा नॉर्थईस्ट विकास की दृष्टि से 40 साल तक पिछड़ता चला गया और इसमे सबसे बड़े बाधक आतंकवादी और अलगाववादी समूह बने।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब भी उनकी पार्टी की सरकार आई तो उसने पूर्वोत्तर को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि पहले इतने बड़े और पिछड़े भूभाग के लिए कोई अलग मंत्रालय नहीं था लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में इसकी स्थापना की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार के हर कार्यक्रम में 'नॉर्थईस्ट' को केंद्र बिंदु बनाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उसने पूर्वोत्तर और भारत के बाकी भागों के बीच की दूरी को कम कर दिया।

श्री शाह ने कहा , उत्तरपूर्व के हर राज्य की राजधानी 2027 तक रेल, हवाई मार्ग और सड़क नेटवर्क से जुड़ जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने न सिर्फ कनेक्टिविटी बढ़ाकर उत्तरपूर्व को भारत के अन्य हिस्सों से जोड़ा, बल्कि फिज़िकल दूरी के साथ-साथ दिलों की दूरियां मिटाने का काम भी किया। मोदी सरकार ने हर योजना के केन्द्र में पूर्वोत्तर को रखकर और एक के बाद एक वहां के हर उग्रवादी समूह से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुन, समझ और उनके साथ समझौते कर उन्हें मेनस्ट्रीम में लाने का काम किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तरपूर्व अभी शांति का अनुभव कर रहा है। वर्ष 2004 से 2014 के बीच नॉर्थईस्ट में 11 हज़ार हिंसा की घटनाएं हुईं जबकि 2014 से 2024 के बीच सगभग 70 प्रतिशत की कमी के साथ ये संख्या 3428 रह गई। सुरक्षाबलों की मृत्यु में 70 प्रतिशत और नागरिकों की मृत्यु में 89 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सभी उग्रवादी समूहों के साथ मोदी सरकार ने समझौते किए और लगभग 10,500 से ज़्यादा विद्रोही हथियार डालकर मेनस्ट्रीम में आए हैं। पिछले 10 वर्ष में सरकार ने विद्रोही समूहों के साथ 12 महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। सरकार ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के तहत पूर्वोत्तर की भाषाओं, बोलियों, संस्कृति, वेशभूषा, परंपरागत नृत्य और कलाओं को सम्मानित और संरक्षित किया तथा 10 हज़ार से ज्यादा लोगों से हथियार डलवाकर पूरे उत्तरपूर्व में शांति का माहौल खड़ा किया।

बीएलए ने 182 लोगों को बनाया बंधक, 11 सैन्यकर्मी हमले में मारे गये

इस्लामाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। बलूचिस्तान प्रांत को आजाद करने की मांग कर रहे अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान रेलवे की यात्री ट्रेन जाफर एक्सप्रेस पर मंगलवार को हमला कर उस पर कब्ज़ा करने के बाद 182 लोगों को बंधक बना लिया वहीं हमले में 11 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गये हैं।

बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच के मुताबिक उसके लड़ाकों का जाफर एक्सप्रेस पर पूरा नियंत्रण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंधकों में पाकिस्तानी सेना, पुलिस, आईएसआई और एटीएफ के सक्रिय-ड्यूटी कर्मी शामिल हैं, जो सभी छुट्टी पर यात्रा कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि आम यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और बलूच नागरिकों को रिहा कर दिया गया है और उन्हें सुरक्षित मार्ग से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया है।

बीएलए ने चेतावनी दी है कि यदि सैन्य हस्तक्षेप जारी रहा, तो सभी बंधकों को मार दिया जायेगा।

प्रवक्ता ने कहा कि ऑपरेशन का नेतृत्व मजीद ब्रिगेड, एसटीओएस, फतह स्काड और बीएलए की जिराब यूनिट द्वारा किया जा रहा है तथा किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णायक जवाब दिया जायेगा।

बीएलए के प्रवक्ता ने कहा है कि पाकिस्तानी सेना वहां बीएलए की यूनिटों के खिलाफ हेलीकाप्टर और ड्रोन से हवाई हमले कर रही है। यदि उसके लोगों पर वहां हवाई हमले तुरंत नहीं रोके गए तो पाकिस्तान को ट्रेन में बंधक बनाये गये लोगों से हाथ धोना पड़ेगा और इसके लिए वही जिम्मेदार होंगे।

उल्लेखनीय है कि बीएलए के लड़ाकों ने पाकिस्तान के खिलाफ एक रणनीतिक अभियान चलाया रखा है और इसी के तहत उनकी यूनिटों ने बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर स्टेशन जा रही यात्री ट्रेन जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया और ट्रेन को पटरी से उतारकर उस पर कब्ज़ा कर लिया है।

15 और अवैध मदरसे सील अब तक 31 पर जड़ा ताला

देहरादून, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार की अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। देहरादून के सहसपुर इलाके में एसडीएम के नेतृत्व में भारी फोर्स के साथ प्रशासनिक टीम ने आज 15 अवैध मदरसों को सील कर दिया। इनमें कुछ आलीशान इमारतें भी शामिल हैं, जहां से बिना मान्यता के अवैध मदरसे संचालित किए जा रहे थे। मुस्लिम संगठनों के विरोध पर प्रशासन ने साफ कहा है कि अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मान्यता प्राप्त मदरसों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

एसडीएम विनोद कुमार के नेतृत्व में थाना सहसपुर क्षेत्र अंतर्गत स्थित अवैध और अपंजीकृत एवं बिना मानकों के संचालित मदरसों को सील किया गया। मदरसा जामिया फातिमा तुजोहारा थापा गली सहसपुर में दो कमरों को सील किया गया। मदरसा सबिबूल रशाद द्वितीय शाखा ढाकी को सील किया गया। मदरसा जामिया हसनैन बिन

अली धोबी मोहल्ला खुसहालपुर एक कमरा सील किया गया। मदरसा हबीबियां लिल्बनात इस्लामनगर खुशहालपुर पूरा सील कर दिया गया। मदरसा इस्लामिया अरबिया फैज ए मसीह उल उम्मत खुशहालपुर का एक कमरा सील किया गया। मदरसा जामिया दारुल सलाम निकट आईटीआई जसोवाला का एक कमरा सील किया गया। मदरसा जामिया अनवारुल कुरान बैरागीवाला दो कमरा सील किया गया। मदरसा मिस्बाहुल उलूम धर्मावाला सहसपुर का दो कमरा सील किया गया। मदरसा दारुल उलूम मोहम्मदिया ग्राम रामगढ़ धर्मावाला पूरा सील किया गया। मदरसा दार-ए-अरकाम टिमली पूरा सील किया गया।

इसके अलावा देहरादून सदर और डोईवाला इलाके में पांच मदरसे सील किए गए, देहरादून प्रशासन ने अभी तक देहरादून में कुल 31 अवैध मदरसे और एक अवैध रूप से बनाई जा रही मस्जिद को सील किया है। दे-हरादून में कुल 60 अवैध मदरसे पुलिस सत्यापन में सामने आए हैं। जबकि पूरे राज्य में 500 से अधिक अवैध मदरसे चिन्हित हुए हैं।

राज्यसभा में रेलवे संशोधन विधेयक पास

विपक्ष ने आरोप लगाया, सत्ता पक्ष ने सफाई दी

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा ने रेलवे संशोधन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा पिछले साल दिसंबर में ही इसे पास कर चुकी है। इसका उद्देश्य रेलवे बोर्ड के कामकाज और स्वतंत्रता को बढ़ाना है। वहीं विपक्ष ने सरकार पर बिल के जरिए रेलवे बोर्ड पर नियंत्रण करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि वह संसदीय पैनल की जांच से बच रही है।

बिल के अनुसार, रेलवे बोर्ड को 1989 के रेलवे अधिनियम के अंतर्गत शामिल किए जाने से बोर्ड के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति, योग्यता, कार्यकाल और मानदंड केंद्र सरकार की जिम्मेदारी होगी। बिल में एक स्वतंत्र नियामक नियुक्त करने का प्रावधान भी शामिल है जो किराया निर्धारण जैसे मामलों की देखरेख करेगा और रेलवे की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करेगा। बिल पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे बोर्ड और रेलवे से जुड़े विधेयक को एकीकृत करने

से रेलवे का विकास और कार्यदक्षता बढ़ेगी। विधेयक के माध्यम से कानूनी ढांचे का सरलीकरण होगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ पर सदस्यों की चिंताओं पर वैष्णव ने कहा कि निष्पक्ष जांच की जा रही है। सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए कई उपाय लागू कर रही है। उन्होंने घटना के विवरण को छिपाने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे बंद किए जाने के आरोपों को खारिज किया और कहा कि उन्होंने खुद सीसीटीवी फुटेज देखी है। अगर किसी दुर्घटना में एक भी व्यक्ति की जान चली जाती है, तो यह बहुत दुखद है। इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। दुर्घटना के बाद निर्णय लिया गया है कि 60 स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा ताकि यात्रियों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित किया जा सके।

राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि जहां से मैं आता हूं, वहां श्रमशक्ति, श्रमजीवी, जनसाधारण जैसे ट्रेनों के नाम वहां की स्थिति को दर्शाते हैं। हमारे पास अब भी कोई वंदे भारत ट्रेन नहीं है। उन्होंने पूछा कि क्या रेलवे के लिए 100 प्रतिशत विद्युतीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर नियमित कुलियों की जगह आउटसोर्स कुलियों को तैनात कर दिया गया। उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि रेलवे अधिकारियों ने घटना का विवरण छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए थे। रेल मंत्री ने इसका खंडन किया तो कई विपक्षी सांसद सदन से बहिर्गमन कर गए।

कांग्रेस सांसद विवेक के. तन्खा ने कहा कि सरकार रेलवे बोर्ड का भी सरकारीकरण करने जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित कानून के तहत रेलवे बोर्ड की कोई स्वतंत्रता और संप्रभुता नहीं है।

इससे रेलवे बोर्ड की स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी और रेलवे बोर्ड की कार्यात्मक स्वायत्तता भी खत्म हो जाएगी। रेलवे बोर्ड को स्वायत्तता दिए जाने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि यदि आप रेलवे के आधुनिकीकरण के बारे में सोच रहे हैं तो यदि रेलवे बोर्ड स्वायत्त नहीं होगा तो भारत में आधुनिक रेलवे प्रणाली नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि यदि आप अपनी संस्थाओं को सशक्त नहीं बना रहे हैं, यदि आप अपनी संस्थाओं को निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं दे रहे हैं तो भारत विकसित देश नहीं बन पाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में हुई हालिया घटना सहित रेलवे स्टेशनों पर दुर्घटनाओं और भगदड़ की घटनाओं के लिए भी मंत्री से जवाबदेही की मांग की।

तृणमूल कांग्रेस सांसद सुष्मिता देव ने भी कहा कि क्या यह सही समय नहीं है कि रेल मंत्री पूरे (19)89 अधिनियम की समीक्षा करें, उसमें संशोधन करें और फिर उस विधेयक को जांच के लिए उचित समिति के पास भेजें? ऐसा क्यों है कि सरकार स्थायी समिति, प्रवर समिति से कतराती है? उन्होंने कहा कि केवल एक ही कारण हो सकता है कि ये समितियां मंत्री को वास्तविकता की जांच करने के लिए बाध्य करेंगी, ऐसी वास्तविकता जिससे वह सहज नहीं हैं।

त्रिपुरा में बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई

भारतीय दलाल समेत 29 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े

अगरतला, 11 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश से घुसपैठियों के भारत में अवैध तरीके से घुसने का मामला है कि थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां भारत सरकार लगातार अवैध बांग्लादेशियों को देश से बाहर करने का काम कर रही है तो वहीं दूसरी ओर ये घुसपैठिए भी लगातार देश में घुसने की फिराक में रहते हैं। ताजा मामला पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा से सामने आया है, जहां 4 दिन के अंदर ही बीएसएफ ने 29 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जो भारत की सीमा में घुसपैठ कर रहे थे।

6 मार्च से 10 मार्च के बीच की गई कार्रवाई में त्रिपुरा फ्रंटियर के बीएसएफ जवानों ने अलग-अलग मोर्चों से 29 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। इसके साथ ही भारत में इन घुसपैठियों के मददगार भारतीय दलाल और सात अन्य भारतीय नागरिकों को भी पकड़ा गया है। ये सभी घुसपैठिए जिला उत्तर त्रिपुरा के अंतर्गत रेलवे स्टेशन चुराईबारी और धर्मनगर, पुलिस स्टेशन एयरपोर्ट के अंतर्गत लंकामुरा,जिला पश्चिम त्रिपुरा के अंतर्गत रेलवे स्टेशन अगरतला, पुलिस स्टेशन आमटली के अंतर्गत निश्चिंतपुर,जिला दक्षिण त्रिपुरा के अंतर्गत पुलिस स्टेशन सबरूम के अंतर्गत सबरूम, पुलिस स्टेशन मोहनपुर के अंतर्गत हरनाखोला और त्रिपुरा के जिला गोमती के अंतर्गत एलके पारा इलाके से पकड़े गए हैं।

बीएसएफ ने बताया कि इसी दौरान उन्होंने तस्करी के कई प्रयासों को भी असफल किया है। मार्च 2025 के पहले ही सप्ताह में बीएसएफ बटालियनों ने स्थानीय लोगों की चिंताओं को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों से जुड़े गावों में 9 समन्वय बैठकें भी की हैं। इस दरम्यान जवानों ने 2.88 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ, पशु, चावल के साथ ही प्रतिबंधित सामानों की बड़ी खेप को भी जब्त किया है। इसमें 280.67 किलो गांजा भी शामिल है। इसके अलावा बीएसएफ लगातार अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करी समेत दूसरे अपराधों को रोकने के लिए अब तक 61 समन्वित गश्ती कर चुकी है। इस दौरान बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड के साथ भी सीमा समन्वय बैठकें की हैं।

असम में 2024 में 700 तस्कर गिरफ्तार

174 किलोग्राम हेरोइन जब्त

गुवाहाटी, 11 मार्च (एजेंसियां)। असम सरकार ने सोमावर को 2025-26 के लिए राज्य वार्षिक बजट पेश किया गया। इसमें मुख्य रूप से राज्य सरकार ने 2024 के दौरान राज्य में महत्वपूर्ण अपराधों पर कड़ी कार्रवाई की जानकारी दी। बजट पेश करते हुए असम वित्त मंत्री अजंता नियोग ने कहा कि साल 2024 में 700 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 174 किलोग्राम हेरोइन समेत 21,000 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है, जिससे संगठित अपराधों को करारा झटका लगा है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी असम की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

वित्त मंत्री नियोग ने बताया कि असम पुलिस ने 450 से अधिक मानव तस्करी के मामले दर्ज किए और लगभग 900 पीड़ितों को बचाया। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार की पहलों से महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सुधार की बात पर जोर दिया। मंत्री ने क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में असम की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो 2021 में 7वें स्थान से

बढ़कर 2023 में 14वें स्थान पर पहुंच गई है।

वित्त मंत्री ने निजुत मोइना योजना की बात की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक योजना शुरू की थी, जिसके तहत कक्षा 11 की छात्राओं को 1,000 रुपए, पहले साल के स्नातक छात्रों को 1,250 रुपए और पहले साल के स्नातकोत्तर और बीएड छात्रों को 10 महीने तक हर महीने 2,500 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है।

इस योजना के बारे में बजट भाषण में वित्त मंत्री अजंता नियोग ने कहा कि इस साल योजना का विस्तार किया जाएगा और अब यह योजना 4.3 लाख लड़कियों तक पहुंचेगी। इसका उद्देश्य लड़कियों को शिक्षा में मदद और प्रोत्साहन देना है। साथ ही वित्त मंत्री नियोग ने मुख्यमंत्री संतुष्ट मोइना योजना की सफलता के बारे में भी बताया। इस योजना के तहत 1.8 लाख लड़कियों को लाभ हुआ और 2025-26 में इस योजना को 4.3 लाख लड़कियों तक विस्तार दिया जाएगा। इसके साथ ही, लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 391 करोड़ रुपए का बजटीय आवंटन किया गया है।

इसके अलावा, असम सरकार ने उग्रवादियों के पुनर्वास और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण के लिए 98 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। बोडोलैंड क्षेत्र में उग्रवाद की समस्याओं को देखते हुए 30 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजटीय प्रावधान किया गया है। साथ ही बजट भाषण में वित्त मंत्री अजंता नियोग ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने सुरक्षा और पुलिस विभाग के बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए 100 नए पुलिस स्टेशन बनाए गए हैं। साथ ही 162 नए पुलिस स्टेशन पर काम जारी है। 2025-26 के लिए गृह विभाग को 8,291 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है।

आतंकी लंजर को लेकर नया खुलासा

माघी पूर्णिमा पर थी धमाके की तैयारी

मंझनपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। कोखराज कोतवाली के सकाढ़ा चौराहा से बृहस्पतिवार को यूपी एसटीएफ व पंजाब पुलिस के हत्थे चढ़ा आतंकी लजर मसीह वसंत पंचमी पर ही कौशाम्बी में अपना ठिकाना बना चुका था। वह माघी पूर्णिमा पर धमाके की तैयारी में था, लेकिन पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था के चलते उसकी साजिश नाकाम हो गई। यह हकीकत रविवार को तब सामने आई, जब एसटीएफ टीम कोखराज कोतवाली पहुंची। विवेचक से बंद कमरे में विभिन्न

बिंदुओं पर बातचीत करते हुए एसटीएफ के अफसर ने ब्रीफ भी किया। हालांकि, अधिकारिक तौर पर कोई भी कुछ बताने को तैयार नहीं है। आतंकी लजर मसीह के पकड़े जाने के बाद यूपी एसटीएफ ने उससे गहनता से पूछताछ की थी। महाकुंभ में विस्फोट को अंजाम देने के लिए आए इस आतंकी के मोबाइल पर कई संदिग्धों से कोड वर्ड में बातचीत की पुष्टि हुई। यही नहीं, आतंक फैलाने के लिए उसे आईएसआई की ओर से फंडिंग भी पहुंचाए जाने की बात सामने आई।

वहीं, रविवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे एसटीएफ टीम कोखराज कोतवाली पहुंची। करीब दो बजे तक विवेचक से टीम के अफसर ने बातचीत की। इसके बाद दबी जुबान से महकमे में इस बात की चर्चा है कि आतंकी लजर मसीह वसंत पंचमी में कौशाम्बी पहुंचकर ठहरा हुआ था। वह प्रयागराज जाकर माघी पूर्णिमा पर्व में धमाका करना चाहता था, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के चलते उसे रास्ता नहीं मिल सका। इस बीच उसने कई रात विक्षिप्त के रूप में हाईवे पर घूम कर बिताए।

खुफिया एजेंसियों की जांच में एक बात और भी सामने आ रही है कि आतंकी लजर मसीह ने जब से ईसाई धर्म अपनाया है, उसका जुड़ाव एक इंटरनेशनल संस्था से हो गया था। यह संस्था कई देशों में अपने धर्म का प्रचार करती है। लजर मसीह को भी संस्था की ओर से धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए फंडिंग मिलती थी। इसके लिए उत्तर प्रदेश में मौजूद संस्था का एजेंट उसे आर्थिक मदद पहुंचाता था।

माफियाराज ने प्रयागराज को रौंदा

महाकुंभ ने किया कायाकल्प, जितना हुआ दुष्प्रचार, उतनी बढ़ी भीड़ : सीएम

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ ने आस्था को आर्थिकी के साथ जोड़ने के बड़े अभियान को आगे बढ़ाया है। यह आयोजन प्रयागराज जैसे शहर के विकास को बढ़ाने में काफी सफल रहा। एक समय दुर्दांत माफिया पूरे प्रयागराज को रौंद रहा था। आज महाकुंभ से उसका कायाकल्प हो गया। विकास के अनेक कार्य हुए। महाकुंभ के कारण यह प्राचीन व पौराणिक नगरी आज नए कलेवर में दिखाई दे रही है।

सीएम मंगलवार को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक निजी चैनल द्वारा आयोजित महाकुंभ के सफाई कर्मियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगी ने सफाई कर्मियों पर पुष्पवर्षा भी की। उनको नींव का पत्थर और स्वच्छ कुंभ के संदेश को साकार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि कार्य संपन्न होने के बाद अक्सर हर व्यक्ति आगे की सोचने लगता है। नींव पर बनी इमारत में सब रहते हैं, लेकिन पत्थर भुला दिए जाते हैं। उनके महत्व को विस्मृत कर दिया जाता है।

महाकुंभ की नींव' को जिन स्वच्छता कर्मियों ने सुदृढ़ करने का प्रयास किया, जिनकी बदौलत यह दिव्य-भव्य हो पाया। कोई भी आयोजन सफलता की ऊंचाई पर तब पहुंचता है, जब सब लोग सामूहिक भाव के साथ मिलकर प्रयास करते हैं। सामूहिक प्रयास का परिणाम सफलता होती है। इसको जब सकारात्मक भाव के साथ देखते हैं तो समाज के लिए वह प्रेरणा बन जाती है। प्रयागराज में भी ऐसा ही हुआ। बुजुर्ग माता-पिता को स्नान कराने के लिए यूएस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूके समेत तमाम देशों से लोगों के फोन आए। जो भी महाकुंभ में आया, उसने सफाई व सुरक्षा कर्मियों की प्रशंसा अवश्य की।

सीएम ने कहा कि जो लोग जितना दुष्प्रचार-अफवाह फैलाते थे, उन्हें जवाब देने के लिए जनता उतनी ही मजबूती से प्रयागराज आती रही। बहुत लोग जनता से नकारात्मक बयान दिलाने का प्रयास करते थे। एक यूट्यूबर ने कर्नाटक के श्रद्धालु से पूछा कि कितना पैदल चले। उसने उत्तर दिया, पांच किमी.। प्रश्न करने वाले ने कहा कि सरकार को व्यवस्था देनी चाहिए थी। श्रद्धालु ने कहा कि पैदल मैं चल रहा हूं, परेशानी तुम्हें क्यों हो रही है। भगवान के धाम तो पैदल ही जाना चाहिए। यह हमारे लिए साधना है।

सीएम ने कहा कि सनातन धर्म का भाव ही कृतज्ञता का होता है। किसी ने यह नहीं बोला कि यह सरकारी आयोजन है। सबने अपना आयोजन माना। जो भी आया, वह आशीर्वाद देकर गया। यह मानवता का अब तक का सबसे बड़ा समागम था, जिसने देश-दुनिया को बहुत कुछ संदेश दिया है। इतने बड़े आयोजन भी हो सकते हैं। क्राउड मैनेजमेंट का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया जा सकता है। आस्था को आजीविका के साथ भी बदला जा सकता है। ढेर सारे लोगों के जीवन में परिवर्तन भी लाया जा सकता है।

शीर्ष अफसरों से परेशान जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर की संदिग्ध मौत

नोएडा, 11 मार्च (एजेंसियां)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग में उपायुक्त संजय सिंह की संदिग्ध मौत हो गई। उनकी पत्नी का कहना है कि शीर्ष अफसरों ने उनके पति को परेशान कर रखा था। नोएडा में एक अपार्टमेंट की 15वीं मंजिल से नीचे गिरने से संजय सिंह की मौत हुई। कुछ लोग इसे हत्या बता रहे हैं तो कुछ इसे आत्महत्या बता रहे हैं। मौत के कारणों की पुलिस छानबीन कर रही है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इनकी पत्नी अपर्णा सिंह ने कहा कि उनके पति व्यवस्था के शिकार हो गए।

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि मूल रूप से मऊ के रहने वाले संजय सिंह (59) नोएडा सेक्टर-75 की एपेक्स एथेना सोसाइटी में तीसरी मंजिल पर परिवार के साथ रहते थे। वह

गाजियाबाद में तैनात थे। सोमवार सुबह उन्हें दफ्तर जाना था। घर पर पत्नी अपर्णा थीं। दोनों बेटे बाहर थे। करीब 11 बजे वे बालकनी से कूद गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि संजय सिंह की मौत 15वीं मंजिल से गिरने से हुई। जबकि पुलिस के बयान का बेतुकापन यह है कि संजय सिंह तीसरी मंजिल से कूदे।

17 साल तक छिपे रहे बांग्लादेशी घुसपैठिए

अलीगढ़ में परिवार सहित शिकंजे में

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ में चार बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए हैं। जिले की टप्पल पुलिस ने जट्टारी चौकी अंतर्गत नई बस्ती से एक महिला समेत चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये लोग एक ही परिवार के हैं और 17 साल से यहां पर अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस अधीक्षक (देहात) अमृत जैन ने सोमवार को बताया कि मूल रूप से बांग्लादेश के बागडंडा निवासी मकसूद खान उसकी पत्नी साहिना, बेटे मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद साबिर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में इन लोगों ने स्वीकार किया कि वे जट्टारी स्थित नया बस्ती में अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक 17 साल पहले वर्ष 2008 में ये बांग्लादेशी घुसपैठिए आगरा रेलवे स्टेशन से सियालदह ट्रेन से बेना पुल बॉर्डर होते हुए बस से अलीगढ़ पहुंचे थे। वे कबाड़ बीनने का काम कर रहे थे। नई बस्ती के पते से उन्होंने अपने बेटों के आधार कार्ड बनवाए और तीन मोबाइल सिम भी खरीदे।

जहरीला इंजेक्शन देकर भाजपा नेता को मार डाला

संभल, 11 मार्च (एजेंसियां)। संभल के दबथरा हिमंचल गांव में सोमवार की दोपहर करीब एक बजे मेहमान बनकर आए बाइक सवार तीन लोगों ने भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रधान पति गुलफाम सिंह यादव (66) की पेट में जहरीला इंजेक्शन देकर कर हत्या कर दी। पुलिस को मौके से हत्यारों का हेलमेट और सिरिंज की निडिल मिली है। फोरेंसिक टीम ने नमूने लिए हैं।

गुलफाम सिंह ने कई वर्ष पहले लेखपाल का पद त्याग कर पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव के मुकाबले पर वर्ष 2004 में गुन्नौर विधानसभा से भाजपा से चुनाव लड़ा था। वह भाजपा में संभल विधानसभा क्षेत्र प्रभारी के पद पर थे। सोमवार दोपहर करीब एक बजे गुलफाम सिंह पशुओं की देखभाल के लिए घेर में आराम कर रहे थे। उसी समय बाइक से तीन लोग पहुंचे और उनसे दुआ सलाम करने के बाद कुर्सी पर बैठ गए। गुलफाम ने तीनों का हालचाल लिया और पानी भी पिलाया।

इसके बाद गुलफाम सिंह चारपाई पर लेट गए। तभी एक युवक ने इंजेक्शन निकाल कर उनके पेट पर घोंप दिया। इसके बाद तीनों भाग निकले। जल्दबाजी में हत्यारोपी अपना हेलमेट मौके पर ही छोड़ गए। हमलावर घर के बाहर इंजेक्शन की सिरिंज का निडिल कवर फेंक गए।

हमलावरों के जाने के बाद गुलफाम सिंह ने घेर से बाहर आकर आंगनबाड़ी केंद्र पर कार्य कर रहे मजदूरों को जानकारी दी। मजदूरों ने भाजपा नेता को निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। चिकित्सक ने अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन उन्हें अलीगढ़ अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज से पहले ही उनकी मौत हो गई।

गुलफाम सिंह यादव का बड़ा पुत्र दिव्य प्रकाश पूर्व में भाजपा से ब्लाक प्रमुख रह चुका है। वहीं, पत्नी जावित्री देवी लगातार तीन बार प्रधान रह चुकी हैं। वर्तमान में भी प्रधान हैं। प्रधान पति गुलफाम सिंह का अलीगढ़ में पोस्टमार्टम कराया गया। हत्यारों की तलाश में सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पुलिस को कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। जल्दी ही वारदात के खुलासे की उम्मीद है।

योगी सरकार की नई पहल

अब चिप युक्त स्मार्ट कार्ड में मिलेगी वाहन पंजीयन बुक

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार लगातार डिजिटल यूपी मिशन को गति दे रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में अब मोटर वाहनों की पंजीयन पुस्तिका चिप युक्त स्मार्ट कार्ड के रूप में जारी की जाएगी। इस फैसले से वाहन स्वामियों को अपने दस्तावेज संभालने में सहूलियत मिलेगी और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता आएगी।

स्मार्ट कार्ड आरसी से वाहन स्वामियों को कई लाभ मिलेंगे। आरसी के गीले होने, कटने-फटने की समस्या समाप्त होगी। डुप्लीकेसी रोकने के लिए माइक्रो चिप में डेटा सुरक्षित रहेगा। उच्च गुणवत्ता वाली टिकाऊ आरसी मिलेगी, जिससे दीर्घकालिक उपयोग संभव होगा। पुलिस एवं परिवहन अधिकारियों के लिए जांच प्रक्रिया होगी आसान। डिजिटलाइजेशन से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि स्मार्ट कार्ड आरसी में दो प्रकार के डेटा संग्रहित होंगे। पहला, भौतिक रूप से दिखने वाला भाग और दूसरा कार्ड रीडर मशीन से पढ़ा जाने वाला भाग। भौतिक भाग में वाहन का पंजीयन नंबर, तिथि और वैधता, चेचिस नंबर, इंजन नंबर, स्वामी का नाम और पता, ईंधन का प्रकार, प्रदूषण मानक, वाहन का मॉडल और रंग, सीटिंग, स्टैंडिंग और स्लीपिंग क्षमता, वजन क्षमता, हॉर्स पावर, व्हील बेस और फाइनेंसर का नाम होगा। मशीन से पढ़े जाने वाले भाग में पंजीयन और वाहन स्वामी की पूरी जानकारी, चालान, परमिट और फाइनेंसर से संबंधित डेटा, ट्रेलर/सेमी ट्रेलर अटैच होने की दशा में विवरण, आर्टीकुलेटेड वाहन व रिट्रोफिटमेंट से जुड़ी जानकारी रहेगी।

योगी सरकार के इस निर्णय से परिवहन विभाग और पुलिस की जांच प्रक्रिया को डिजिटल रूप से मजबूत किया जाएगा। कार्ड रीडर के जरिए मौके पर ही आरसी की सत्यता जांची जा सकेगी। कोई भी फर्जीवाड़ा या डुप्लीकेट आरसी बनाना असंभव होगा। डिजिटलीकृत प्रक्रिया से वाहन स्वामियों को लंबी सरकारी प्रक्रियाओं से राहत मिलेगी।

अमेरिका में दवाओं की सप्लाई करने वाले दो तस्करों को ईडी ने किया गिरफ्तार, 23 करोड़ का किया खेल

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मेसर्स हत्श टेलीकम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के संचालकों शांतनु गुप्ता और अब्दुल वहाब यासिर को मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में सोमवार को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। राजधानी स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत ने दोनों को 2 दिन के लिए ईडी की रिमांड पर भेजा है।

बता दें कि अमेरिका में साइकोट्रोपिक पदार्थों की तस्करी के मामले में आरोपी शांतनु गुप्ता, अब्दुल वहाब यासिर और अन्य शामिल आरोपियों के खिलाफ राजधानी स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने केस दर्ज किया था। जिसके आधार पर ईडी ने भी वर्ष 2021 में मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया था। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपी अमेरिकी नागरिकों को प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति कर रहे थे। वह call-centreindia.com वेबसाइट से अमेरिकी नागरिकों का डाटा हासिल करते थे। जिसके बाद स्काइप एप के जरिये कॉल करते थे। ग्राहकों से ऑर्डर और अग्रिम भुगतान प्राप्त करने के बाद भारतीय डाक के माध्यम से अमेरिका के पते पर प्रतिबंधित दवाएं भेजते थे।

वर्ष 2012 से 2017 की अवधि के दौरान उन्होंने मेसर्स हत्श टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड सहित अपनी विभिन्न कंपनियों के 43 बैंक खातों में 23.67 करोड़ रुपये दवाओं को भेजकर हासिल किए। ईडी ने जांच के बाद आरोपियों की लखनऊ, बाराबंकी और उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर की 3.22 करोड़ रुपये कीमत की चल-अचल संपत्तियों को 20 अक्तूबर 2023 को जब्त किया था।

कंपनी के निदेशक शांतनु गुप्ता, शशांक गुप्ता, अब्दुल वहाब यासिर, मोहित हलदर, पुनीत दुबे व अन्य वर्ष 2013 से 2017 के मध्य लखनऊ में एक कॉल सेंटर के माध्यम से नशीले पदार्थों का कारोबार चला रहे थे। उन्होंने नौ फर्जी कंपनियां भी बनाई थी और साफ्टवेयर का कारोबार करने का झांसा दे रहे थे। अमेरिका से ऑर्डर मिलने के बाद सागर अस्थाना और पुनीत दुबे डाक के माध्यम से ग्राहकों को पार्सल भेजते थे। कंपनियों के बैंक खातों में ग्राहकों द्वारा भेजी रकम को तुरंत निकाल लिया जाता था।

मेसर्स एपिटोम टेलीकम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स हत्श टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स जिओ पार्डी टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स मॉर्फियस टेलीकॉम प्रा. लिमिटेड, मैसर्स स्काई ड्रीम्स टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई हाई टेलीकम्युनिकेशन, मेसर्स सीजी टेलीकॉलर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स वाईएस टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स 99 स्टाइल रिटेल प्राइवेट लिमिटेड।

टोल प्लाजा पर भाजपा के पूर्व सांसद के समर्थकों की दबंगई, कर्मचारी को बेरहमी से पीटा

बरेली, 11 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के फरीदपुर टोल प्लाजा पर आंवला से भाजपा के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप के काफिले को रोकने पर उनके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। समर्थकों ने टोलकर्मी को बेरहमी से पीटा। टोलकर्मी के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप का काफिला मंगलवार दोपहर करीब 12:45 बजे बरेली से फरीदपुर जा रहा था। काफिले में धर्मेंद्र कश्यप के साथ उनके तमाम समर्थक थे। काफिले की गाड़ियां टोल प्लाजा फरीदपुर पर पहुंचीं। गाड़ियां वीआईपी लाइन से निकलने लगी। उस लाइन पर तैनात टोलकर्मी नवाबगंज निवासी श्रेयांश उपाध्याय ने गाड़ी रोककर जानकारी करने का प्रयास किया। इस पर पूर्व सांसद के समर्थक भड़क गए। गाड़ी से उतरे समर्थकों ने टोलकर्मी से गाली गलौज की।

विरोध करने पर पूर्व सांसद सहित उनके काफिले में शामिल उनके तमाम समर्थक भी कार से उतरकर टोलकर्मी के पास पहुंच गए। समर्थकों ने टोलकर्मी की चोटी पकड़कर बेरहमी से पीटा। पूर्व सांसद की मौजूदगी में टोल पर समर्थकों ने हंगामा किया। साथ में चल रहे असलाहधारी एक व्यक्ति ने टोलकर्मी पर राइफल की बट से हमला कर दिया। फरीदपुर टोल प्रबंधक संजीव गुप्ता ने बताया कि वह टोल पर मौजूद नहीं थे। उन्हें घटना की जानकारी मिली है। वह अभी बाहर हैं। टोल पर पहुंचने पर उच्च अधिकारियों से बात कर मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी।

पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप ने बताया कि फरीदपुर टोल पर हमारे किसी व्यक्ति का कोई कहासुनी-झगड़ा नहीं हुआ। हमारी गाड़ी टोल से गुजर चुकी थी। पीछे किसी दूसरे वाहन वाले ने मेरी गाड़ी के पीछे अपना वाहन निकालना चाहा, इसको लेकर टोल कर्मी और गाड़ी वाले के बीच काहसुनी हो गई। टोल पर झगड़ा होता देख मैं और मेरा गनर गाड़ी से उतरकर विवाद शांति करने पहुंच गए। हमारा किसी टोल कर्मी से कोई विवाद नहीं हुआ।

नहीं जब्त होगी अबू आजमी की बेनामी संपत्ति

निर्णायक प्राधिकारी ने खारिज किया आयकर विभाग का आदेश

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सपा अध्यक्ष एवं विधायक अबू आजमी की वाराणसी स्थित बेनामी संपत्तियों को आयकर विभाग द्वारा जब्त करने के आदेश को नई दिल्ली के निर्णायक प्राधिकारी ने खारिज कर दिया है। इन संपत्तियों को आयकर विभाग ने करीब दो वर्ष पहले वाराणसी के विनायक ग्रुप के ठिकानों पर छापों में मिले पुख्ता सुबूतों के बाद जब्त किया था। निर्णायक प्राधिकारी के आदेश से हतप्रभ आयकर विभाग के अधिकारी अब अपीलीय न्यायाधिकरण में चुनौती देने की तैयारी में हैं। वहीं अबू आजमी के साझीदारों से जुड़ी फाइलों को भी दोबारा खंगाला जाएगा, ताकि बाकी बेनामी संपत्तियों पर भी कार्रवाई की जा सके।

बता दें कि आयकर विभाग ने 15 नवंबर 2022 को वाराणसी के विनायक निर्माण ग्रुप के वाराणसी, मुंबई, इंदौर, दिल्ली और कानपुर के ठिकानों पर छापा मारा था। छापे में मिले दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि विनायक ग्रुप में अबू आजमी ने करीब 300 करोड़ रुपये की काली

कमाई को खपाया है। हालांकि अबू आजमी विनायक ग्रुप से कोई कारोबारी संबंध नहीं होने का दावा करते रहे। जांच में उनकी संलिप्तता के ठोस प्रमाण मिलने पर आयकर विभाग ने विनायक ग्रुप के संचालकों और अबू आजमी की तमाम संपत्तियों को बेनामी संपत्ति एक्ट के तहत जब्त कर लिया था, जिनमें विनायक ग्रुप द्वारा बनाए गए वरुणा गार्डन प्रोजेक्ट में अबू आजमी के बेनामी 40 फ्लैट भी शामिल थे।

इसके अलावा विनायक प्लाजा मल्टी स्टोरी कांप्लेक्स के दो फ्लोर और बैंक खातों में जमा 4.78 करोड़ रुपये की धनराशि को भी बेनामी पाते हुए जब्त किया गया था। आयकर विभाग के तीनों आदेश में अबू आजमी को ही लाभार्थी बताया गया था। हालांकि 40 फ्लैट जब्त करने के प्रकरण में विनायक ग्रुप ने हाईकोर्ट की शरण ले ली थी। वहीं बाकी संपत्तियां जब्त करने का आदेश निर्णायक प्राधिकारी की मंजूरी के लिए भेजा गया था।

आयकर विभाग को जांच में वरुणा गार्डन का फर्जी पूर्णता प्रमाण पत्र भी मिला था, जिसके बाद आयकर विभाग ने वाराणसी विकास प्राधिकरण को सूचित किया। आयकर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर प्राधिकरण की ओर से विनायक ग्रुप के संचालकों पर मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। वहीं ईडी ने भी विनायक ग्रुप और अबू आजमी के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करके जांच शुरू की थी। हालांकि, बैंक में जमा करीब 4 करोड़ की धनराशि को जब्त करने के बाद जांच ठंडे बस्ते में चली गई।

संपादकीय

चैंपियंस ऑफ चैंपियन

क्रिकेट की टीम इंडिया एक बार फिर चैंपियन बनी है। वह तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली इकलौती टीम है। यह जीत भी विश्व चैंपियन के बराबर है, क्योंकि टीम इंडिया ने आईसीसी टूर्नामेंट में खिताबी जीत हासिल की है। जून, 2024 में टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप जीता था। उसके करीब 9 माह बाद फिर हम विश्व चैंपियन बने हैं। दोनों ही बार टीम 'अजेय' रही है। टीम 2023 के एकदिनी विश्व कप में भी 'अजेय' रहकर फाइनल में पहुंची थी। दुर्भाग्य से फाइनल में हम ऑस्ट्रेलिया से पराजित हो गए थे। टीम इंडिया न तो प्रतिशोध लेती है और न ही पुराने स्कोर तय करती है। वह पेशेवर और रचनात्मक क्रिकेट खेलते हुए आज एकदिनी और टी-20 क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ टीम है। भारत के रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली एकदिनी क्रिकेट के विश्व में, क्रमशः नंबर 2, 3, 4 स्थान के खिलाड़ी हैं। आईसीसी के एकदिनी टूर्नामेंट में रोहित ने कुल 68 छक्के मारे हैं और वह सिरमौर बने हुए हैं। क्रिकेट में वह कुल 345 छक्के उछाल चुके हैं। पाकिस्तान के शाहिद आफरीदी ही उनसे कुछ आगे हैं। रोहित और विराट ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने क्रमशः 11,000 और 14,000 से अधिक रन एकदिनी क्रिकेट में बनाए हैं और अब भी वे खेल रहे हैं। सिर्फ सचिन तेंदुलकर का 18,000 से ज्यादा रनों का पहाड़ विराट को पार करना है। अलबत्ता वह सचिन के रिकॉर्ड लगातार तोड़ते जा रहे हैं। इन दोनों खिलाडियों ने ही आईसीसी टूर्नामेंट के 9 फाइनल खेल कर भी विश्व कीर्तिमान रचा है। बेशक दोनों बल्लेबाज बीते कुछ मैचों के दौरान नाकाम रहे थे, लिहाजा सांसदों तक ने सवाल उठाने शुरू कर दिए थे कि आखिर उन्हें कब तक मौके दिए जाते रहेंगे? चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल ने साबित कर दिया कि रोहित हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में एक हैं और विराट कोहली ने फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। विराट ने इस प्रतियोगिता में एक शतक समेत 200 से अधिक रन बनाए। वह 7 बार आईसीसी टूर्नामेंट में 'प्लेयर ऑफ दि मैच' का अवार्ड भी हासिल कर चुके हैं। सचिन 10 ऐसे अवार्ड और रोहित 8 अवार्डों के साथ उनसे आगे हैं। करीब 36 साल की उम्र में विराट की मैदान पर फिटनेस और फुर्ती अतुलनीय है। यकीनन यह रोहित शर्मा की टीम इंडिया की शानदार, असाधारण जीत है। भारत की झोली में 7 आईसीसी खिताब हैं। बेशक यह दुर्लभ जीत है, जो 12 साल के लंबे इंतजार के बाद हासिल हुई है। अब विश्व क्रिकेट की इबारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या वेस्टइंडीज की टीमें नहीं, टीम इंडिया लिखती है। चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान चार स्पिनर गेंदबाज खिलाने का प्रयोग भी 'विश्व विजयी' रहा। नए दौर की चौकड़ी-वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रवीन्द्र जडेजा और अक्षर पटेल-ने 1960 और 80 के दशक की प्रसन्ना, बेदी, चंद्रशेखर, वेंकटराघवन नामक प्रहारक और कुल 853 विकेट लेने वाली चौकड़ी की यादें ताजा कर दीं। फाइनल मैच में वह टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ, जब कुलदीप ने 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' रचिन रवीन्द्रन और महान बल्लेबाज केन विलियम्सन की लगातार दो ओवर में गिल्लियां बिखेर दीं। बहरहाल टीम इंडिया के लिए श्रेयस अय्यर मध्यक्रम की बल्लेबाजी के नए 'राष्ट्रीय नायक' बन कर उभरे हैं। उनके साथ अक्षर पटेल ने खूबसूरत पारियां खेल कर मैच बचाया भी और उसे जीता भी है। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने यह भी भविष्यवाणी की थी कि मैच बीच में जाकर फंस सकता है। ऐसा हुआ भी, जब टीम इंडिया के 3 शीर्ष बल्लेबाज 17 रनों के अंतराल पर आउट हो गए। इस अग्नि-परीक्षा में भी टीम इंडिया सफल रही और मैच जीत कर खिताब भी झोली में लिया। बहरहाल टीम इंडिया के लिए यह संक्रमण-काल है, जब शीर्ष खिलाड़ी पुराने हो चुके हैं और नए खिलाड़ियों को आजमाया जा रहा है। वे कसौटी पर चैंपियन की तरह खरे उतर रहे हैं। इस जीत का देश ने पूरी रात जश्न मनाया। गावस्कर और कपिल देव सरीखे विश्व चैंपियन खिलाड़ियों ने भी भंगड़ा-सा किया।

टीम इंडिया न तो प्रतिशोध लेती है और न ही पुराने स्कोर तय करती है। वह पेशेवर और रचनात्मक क्रिकेट खेलते हुए आज एकदिनी और टी-20 क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ टीम है। भारत के रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली एकदिनी क्रिकेट के विश्व में, क्रमशः नंबर 2, 3, 4 स्थान के खिलाड़ी हैं। आईसीसी के एकदिनी टूर्नामेंट में रोहित ने कुल 68 छक्के मारे हैं और वह सिरमौर बने हुए हैं। क्रिकेट में वह कुल 345 छक्के उछाल चुके हैं। पाकिस्तान के शाहिद आफरीदी ही उनसे कुछ आगे हैं। रोहित और विराट ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने क्रमशः 11,000 और 14,000 से अधिक रन एकदिनी क्रिकेट में बनाए हैं और अब भी वे खेल रहे हैं। सिर्फ सचिन तेंदुलकर का 18,000 से ज्यादा रनों का पहाड़ विराट को पार करना है। अलबत्ता वह सचिन के रिकॉर्ड लगातार तोड़ते जा रहे हैं। इन दोनों खिलाडियों ने ही आईसीसी टूर्नामेंट के 9 फाइनल खेल कर भी विश्व कीर्तिमान रचा है।

रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

ललित गर्ग

देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दर्शाती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं।

आज रसोई पर संकट मंडरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दर्शाती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। 'नेचर फूड' पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे। अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूड्स की ही बड़ी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रतिव्यक्ति सालाना

बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी। सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फूड और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना बड़ा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी। इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंकड़ों को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है। स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है। इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर्डर करें और खा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकर खाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से जुड़ता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के डिब्बाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकर्ताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है। आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूड्स की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइड इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूडल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं। प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टडी में बताया गया कि पैकेटबंद फूड्स में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है।

दृष्टि कोण

खत्म हो रही है मुक्त व्यापार की प्रासंगिकता

अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के कई देशों से आयात पर उच्च टैरिफ (जवाबी आधार पर) लगाने की अपनी मंशा की घोषणा करके द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी वैश्विक मुक्त व्यापार प्रणाली पर सीधा हमला बोल दिया है। 1990 के दशक से, एक दृष्टिकोण जोर पकड़ रहा था कि उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण की नीति ही दुनिया के लिए, खासकर विकासशील देशों के लिए आगे बढने का एकमात्र रास्ता है। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'टैरिफ युद्ध' की घोषणा के साथ परिदृश्य अचानक बदल गया है। यह उल्लेखनीय है कि यह अमेरिका और उसके सहयोगी ही थे जिन्होंने दुनिया को मुक्त व्यापार की ओर धकेला था, खासकर विश्व व्यापार संगठन के गठन के साथ, जिसने नियम आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली की शुरुआत की। विश्व व्यापार संगठन के अस्तित्व में आने के साथ, टैरिफ धीरे-धीरे कम हो गए और गैर-टैरिफ बाधाओं की संख्या और तीव्रता भी कम हो गई। मुक्त व्यापार के समर्थक व्यापार नीति पर चर्चा में हावी हो गए, क्योंकि वे विश्व व्यापार संगठन के बाद के दौर में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भरोसा कर रहे थे, जिसने उनके अनुसार विकासशील देशों को उच्च विकास दर हासिल करने में मदद की थी। डोनाल्ड ट्रम्प ने सबसे पहले विश्व व्यापार संगठन व्यापार प्रणाली की अवहेलना शुरू की। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने विश्व व्यापार संगठन विवाद निपटान पैनलों के न्यायाधीशों के नामांकन को अवरुद्ध कर दिया। इसने विश्व व्यापार संगठन में विवाद निपटान तंत्र को लगभग पंगु बना दिया, जो नियम आधारित व्यापार प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण है। अब अपने दूसरे कार्यकाल में, डोनाल्ड ट्रम्प एकतरफा टैरिफ तय करके विश्व व्यापार संगठन के मूल नियम को ही पलट रहे हैं। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि विश्व व्यापार संगठन में, संयुक्त राज्य अमेरिका को देश विशिष्ट टैरिफ लगाने का एक विशेष अधिकार है। कभी मुक्त व्यापार और नियम आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली का सबसे बड़ा समर्थक रहे अमेरिका को डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अचानक एहसास हुआ है कि दशकों तक उसने बाकी दुनिया को जितना बेचा, उससे कहीं ज्यादा खरीदा, जिसके कारण अमेरिका को भारी घाटा हो रहा है। 2014 में अमेरिका का व्यापार घाटा 918.4 अरब अमेरिकी डॉलर का था। अब डोनाल्ड ट्रंप इस स्थिति को उलटना चाहते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का तर्क बहुत सरल है कि यदि अन्य देश अमेरिकी निर्यात पर उच्च टैरिफ लगा रहे हैं, तो अमेरिका भी उच्च टैरिफ लगाएगा, जिसे वे जवाबी टैरिफ कहते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप की इस कार्रवाई से विश्व अब उच्च टैरिफ की ओर आगे बढ़ेगा। यह डब्ल्यूटीओ व्यापार प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, देखने में, ट्रंप का तर्क वैध लगता है, कि वे जवाबी आधार पर उच्च टैरिफ लगा रहे हैं, क्योंकि अन्य देश अमेरिकी निर्यात पर उच्च टैरिफ लगा रहे हैं, लेकिन वास्तव में, ऐसा नहीं है। 1987-88 में गैट वार्ताओं में जो नए मुद्दे जोड़े गए, उनमें मुख्य रूप से ट्रिप्स (व्यापार संबंधी बौद्धिक संपदा अधिकार), ट्रिम्स (व्यापार संबंधी निवेश उपाय), कृषि और सेवा समझौते शामिल थे। विकासशील देश नए मुद्दों को लेकर बहुत चिंतित थे, क्योंकि वे स्वास्थ्य सुरक्षा, घरेलू उद्योग, कृषि और सबसे बढक़र संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाले थे, और वे वास्तव में विकसित देशों के पक्ष में डिजाइन किए गए थे। यह वह समय भी था जब भारत और अन्य विकासशील देश अपने-अपने घरेलू उद्योग की रक्षा के लिए उच्च टैरिफ लगा रहे थे, और गैर-टैरिफ बाधाएं भी लगा रहे थे। सौदे को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए, विकासशील देशों को गैट में नए मुद्दों को स्वीकार करते हुए ट्रिप्स, ट्रिम्स, कृषि और सेवाओं पर समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए विकसित देशों की तुलना में उच्च टैरिफ लगाने की छूट की पेशकश की गई थी। डब्ल्यूटीओ प्रणाली से अमेरिका और अन्य विकसित देशों को बहुत लाभ हुआ, क्योंकि इसने मजबूत पेटेंट व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे उनकी फार्मा और अन्य कंपनियों को ज्यादा रॉयल्टी मिलने लगी, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के निवेश के लिए विकासशील देशों के दरवाजे खुले और भारत सहित अन्य विकासशील देशों में अमेरिका के कृषि उत्पादों के लिए बाजार खुल गए। लेकिन विश्व व्यापार संगठन में चीन के प्रवेश के बाद उसकी आक्रामक विदेश व्यापार नीति ने न केवल भारत बल्कि अमेरिका और यूरोप के विनिर्माण को भी बहुत बड़ा झटका दिया।

कुछ अलग

एक महाकुंभी से मुलाकात

फिर भी अभी मैंने हार नहीं मानी थी। बात आगे बढ़ाने के लिए मैं पुनः बोला, 'झुन्नू जी, इस महाकुंभ के मेला क्षेत्र में पहुंचना और वहां से निकलना आसान नहीं। इसके लिए आवश्यक है कि आप अति-अति विशिष्ट व्यक्ति या वीवीआइपी हों। केवल विशिष्ट या वीआइपी होने भर से काम नहीं चलेगा। मंत्री, जज, आईएएस-आईपीएस, सेना या अर्धसैनिक बल के अधिकारी होने से इतना तय हो जाता है कि आप कम से कम गंगा में गिरते सीधे सीवेज की मार से बाहर रहेंगे। मेला क्षेत्र में आपका भव्य शिविर होना चाहिए। जूना या निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर की तरह या शंकराचार्यों के शिविरों की तरह शिविर अकड़ में खड़ा होना चाहिए हो या फिर शिविर रामानंदाचार्यों जैसा झन्नाटेदार होना चाहिए। हाथ भर के जगद्गुरु या धर्माधिकारी होने भर से काम नहीं चलेगा।' झुन्नू जी कहने लगे, 'देखो जी, शास्त्रों में स्पष्ट वर्णन है कि आदमी को अपने पिछले कर्मों के आधार पर ही वर्तमान जन्म मिलता है। अगर आप साधारण श्रेणी में आते हैं तो यह आपके पिछले जन्मों का पाप है। आम जनता के लिए पुरातन काल से ही कुंभ और माघ मेलों में धक्के खाने की परंपरा रही है। यूं भी आम आदमी की किस्मत में धक्कों के अलावा लिखा ही क्या होता है। बस में धक्के, ट्रेन में धक्के यहां तक कि हवाई अड्डे पर भी धक्के, अस्पताल में धक्के, दफ्तरों में धक्के, हर जगह धक्के ही धक्के। हर आदमी पुतिन, ट्रंप, मस्क, अडानी, अंबानी, शाह या मोदी तो नहीं हो सकता। साल 1989 के कुंभ की मौनी अमावस्या पर मैं अपनी दादी को लेकर आया था। उनके उम्र भर के पापों से मुक्ति दिलवाने के लिए। हमें तब भी ख़ूब पैदल चलना पड़ा था। हमने तो गंगा के किनारे ही डुबकी लगा कर 'हर-हर गंगे' कर ली थी। पर अब फितूर है संगम में ही डुबकी लगाने का, तो खाओ धक्के। धक्का-मुक्की में भगदड़ होने पर अगर मोक्ष मिल जाए तो कहना ही क्या। स्वर्ग का सीधा टिकट, पुण्यात्माओं को ही नसीब होता है। अख़बार में रिपोर्ट छपी थी कि केवल 27 दिन में सवा करोड़ वाहन महाकुंभ पहुंचे। मीडिया द्वारा महाकुंभ का चौबीस गुणा सात धंतारा बजाने से श्रद्धालुओं की में दिनोंदिन बढ़ोतरी होती रही। सोशल मीडिया इनफ्लुएंशर्स ने गोदी मीडिया को भी पीछे छोड़ दिया। रही-सही क़सर माइक लेकर घूमने वाले चैनलिया पत्रकारों और प्रिंट मीडिया ने पूरी कर दी। धड़ाधड़ ब्रेकिंग, धड़ाधड़। कोई लुटिन्यस से आया मंत्री था तो कोई आइटियन बाबा या नागा साधु, कोई बंजारन या कोई विदेशी। मीलों चलने के बाद पसीने में नहाए आम आदमी के चेहरे पर मीडिया वह आध्यात्मिक तेज देख लेता है जो उसे किसी वीवीआईपी के मुखमंडल पर नज़र नहीं आता।' वह सांस लेने के लिए रुके तो मैंने चर्चा का रथ आगे बढ़ाया, 'कुछ भी कहिए मेला तो आस्थावानों का है। जनश्रुति है कि संगम की रेती चारों पदार्थ देने वाली है। भले अपना सिर कुतर्क की रेती में डूबा हो, पर संगम की रेती धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष देने वाली है। पर मेरी समझ में यह नहीं आता कि लोग इतने पाप करते ही क्यों हैं कि गंगा में नहाने की नौबत आए। शरीर का मैल तो घर के बाथरूम में भी साफ़ हो जाता है।

देश दुनिया से

समावेशी समाज : परंपरा व आज की सच्चाई

भारतीय परंपराओं और रीति-रिवाजों ने हमेशा समावेशिता के महत्व पर जोर दिया है। संयुक्त परिवार प्रणाली, एक समावेशी समाज का एक सूक्ष्म जगत है, जहां लिंग की परवाह किए बिना प्रत्येक सदस्य की भूमिका होती है। नवरात्रि जैसे त्यौहार दिव्य स्त्री का जश्न मनाते हैं, जबकि करवा चौथ और तीज जैसे अनुष्ठान पुरुषों और महिलाओं के बीच आपसी सम्मान और साझेदारी को उजागर करते हैं। ग्रामीण भारत में, महिलाएं पारंपरिक रूप से कृषि से लेकर हस्तशिल्प तक ज्ञान की संरक्षक रही हैं। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) आंदोलन, जो एक जमीनी स्तर की पहल के रूप में शुरू हुआ, ने लाखों महिलाओं को उद्यमी और निर्णय लेने वाले बनने के लिए सशक्त बनाया है। इस पारंपरिक समावेशिता को आधुनिक प्रथाओं में समेकित रूप से एकीकृत किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि महिलाएं सामाजिक प्रगति के केंद्र में बनी रहें। भारत में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक, महिलाएं बौद्धिक, राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों में सबसे आगे रही हैं। लीलावती : एक प्रसिद्ध गणितज्ञ, बीजगणित और अंकगणित में लीलावती का योगदान भास्कराचार्य के काम, लीलावती गणतम में अमर है। उनकी विरासत प्राचीन भारत की बौद्धिक समावेशिता का एक उदाहरण है। मालवा की रानी, अहिल्याबाई, एक दूरदर्शी शासक थीं, जिन्होंने सामाजिक कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास और धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया। उनका शासनकाल समावेशी शासन का एक चमकदार उदाहरण है। रानी लक्ष्मीबाई : झांसी की निडर रानी, रानी लक्ष्मीबाई साहस का प्रतीक हैं। ब्रिटिश शासन के खिलाफ 1857 के विद्रोह के दौरान उनका नेतृत्व भारत की नियति को आकार देने में महिलाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। ये ऐतिहासिक आंकड़े भारतीय समाज के समावेशी लोकाचार का उदाहरण हैं, जहां महिलाएं नेता, विद्वान और चेंजमेकर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक समावेशी समाज का जश्न- लिंग विभाजन के मिथकों को तोडऩा अनिवार्य है। जैसा कि दुनिया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाती है, एक समावेशी समाज के सार पर प्रतिबिंबित करना अनिवार्य है, जहां पुरुष और महिलाएं सह-अस्तित्व, सहयोग और एक साथ पनपते हैं। उदारवादी पारिस्थितिकी तंत्र अक्सर लिंग विभाजन की एक कथा का झूठे प्रचार करता है, अधिप्रचार उन समस्त सूचनाओं को कहते हैं जो कोई व्यक्ति या संस्था किसी बड़े जन समुदाय की राय और व्यवहार को प्रभावित करने के लिये संचारित करती है। समाजों को स्वाभाविक रूप से पितृसत्तात्मक और दमनकारी के रूप में चित्रित करता है। हालांकि, इतिहास, प्राचीन शास्त्रों और समकालीन प्रथाओं पर करीब से नजर डालने से एक अलग सच्चाई सामने आती है : समावेशिता सभ्यताओं की आधारशिला रही है, खासकर भारत में। भारतीय शास्त्रों ने हमेशा दिव्य स्त्री का जश्न मनाया है, मर्दाना और स्त्री ऊर्जा के बीच संतुलन पर जोर दिया है। महिषासुर मर्दिनी स्तोत्रम, देवी दुर्गा को समर्पित एक भजन, इस समावेशिता का उदाहरण है। कविता 'अयि गिरिनन्दिनि नन्दितमेदिनि विश्वविनोदिनि नन्दिनुते' (अयी गिरिनंदिनी नंदितामेदिनी विश्वविनोदिनी नंदीनुते) देवी की स्तुति करती है जो दुनिया में खुशी लाती है और लिंग के बावजूद सभी प्राणियों का उत्थान करती है। यह भजन लौकिक संतुलन और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में स्त्री शक्ति के महत्व को रेखांकित करता है। इसी तरह, वेद और उपनिषद महिला विद्वानों और द्रष्टाओं के संदर्भों से भरे हुए हैं। गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा जैसी महिलाओं को न केवल उनकी बुद्धिमत्ता के लिए सम्मानित किया गया, बल्कि दार्शनिक और आध्यात्मिक प्रवचन को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऋग्वेद में विश्ववर, अपाला और रोमाशा जैसी महिलाओं का उल्लेख है जिन्होंने भजनों की रचना की और समाज की आध्यात्मिक और बौद्धिक संपदा में योगदान दिया। अर्धनारीश्वर की अवधारणा, जहां शिव और शक्ति को एक के रूप में चित्रित किया गया है, मर्दाना और स्त्री ऊर्जा की अविभाज्य प्रकृति का प्रतीक है। यह प्राचीन दर्शन इस विचार को पुष्ट करता है कि समावेशिता एक आधुनिक आदर्श नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना में सन्निहित एक कालातीत सत्य है। प्राचीन ग्रंथों में महिलाओं की श्रद्धा से लेकर आधुनिक भारत के सशक्तिकरण की पहल तक, समावेशिता की कथा हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने में गहराई से निहित है। इस लेख का उद्देश्य प्राचीन शास्त्रों, ऐतिहासिक रोल मॉडल और समकालीन पहलों द्वारा समर्थित भारतीय समाज के समावेशी लोकाचार को उजागर करके लिंग विभाजन के नकली प्रचार को खत्म करना है। यह वैश्विक समाजों से समानताएं भी खींचता है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि समावेशिता एक आधुनिक निर्माण नहीं बल्कि एक कालातीत परंपरा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का विषय है- 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता सशक्तिकरण।' इस वर्ष का यह विषय सभी के लिए समान अधिकार, शक्ति और अवसर प्रदान करने तथा एक समावेशी भविष्य के लिए कार्य करने का आह्वान करता है जहां कोई भी पीछे न छूटे। इस दृष्टिकोण का मुख्य लक्ष्य अगली पीढ़ी यानी युवाओं, विशेष रूप से युवा महिलाओं और किशोरियों को स्थायी परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में सशक्त बनाना है। वर्ष 2025 एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि यह बीजिंग घोषणापत्र और कार्रवाई मंच की 30वीं वर्षगांठ है। खासकर भारत में सरकार विभिन्न नीतियों, योजनाओं और विधायी उपायों के माध्यम से समावेशी समाज और समावेशी लोकाचार की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। देश महिला विकास की ओर परिवर्तन का गवाह बन रहा है।

आप का नजरिया

चामुंडा क़े दयनीय दर्शन

योजनाओं परियोजनाओं के बही खातों में रिसाव की राजनीति ने मंजर और मंदिर दोनों पर रहम न किया। राजनीति मंदिरों की दहलीज को भी छील देती है और इसके आईनों में श्रद्धा की तौहीन देखनी है, तो चामुंडा मंदिर की घंटियों की शिकायत सुन लें। श्रद्धा के एक बड़े और पाक परिसर को किसकी दया चाहिए, यहां बजट और प्रबंधन दोनों कसूरवार हैं। एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना के तहत चामुंडा मंदिर में घोषणाओं का दरबार और एतबार सजा था। एक मास्टर प्लान बना और इसके तहत नक्शे पर संभावनाओं के कई अक्स उभरे, लेकिन आज ये सभी तितर बितर हैं। चामुंडा परिसर में फैली अव्यवस्था का आलम यह कि सारे गार्डन उजड़ गए। प्रशासन की देखरेख में हर दिन कोई न कोई वीआईपी दर्शन कराए जाते हैं, लेकिन चामुंडा मंदिर के अपने दर्शन दयनीय हो चुके हैं। बेशक कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी बनाने के संकल्प परिक्रमा कर रहे हैं, लेकिन चामुंडा मंदिर की ओर एडीबी मुडक़र नहीं देख रहा। तत्कालीन वीरभद्र सिंह सरकार तो चामुंडा से हिमानी चामुंडा तक रोप-वे परियोजना तक पहुंच गई थी, लेकिन बीच में जयराम सरकार चुपचाप निकल गई और अब वर्तमान सरकार की कसौटियों में भी इस स्थान के गुंबद पर अंधेरा है। मान लें कि बड़ी परियोजनाओं की सूची में अब चामुंडा शरीक नहीं हो सकता, लेकिन प्रबंधन तो सही हो सकता है। मंदिर परिसर में साफ सफाई की दुर्दशा का हाल देख कर तरस आता है। गार्डन एरिया का घास बर्बादी के अलावा झाडियों को निमंत्रण दे चुका है यानी पर्यटक अगर इनकी ओर आएं तो निराशा होगी। यह कौनसी पर्यटन राजधानी है, जिसे सहेजने-संवारने में मंदिर अधिकारी या जिला प्रशासन असमर्थ है। अगर मंदिरों की सफाई, इनके सौंदर्यीकरण में उगे पौधों या गार्डन की घास तक की रखवाली नहीं हो सकती, तो सरकार के अधीन यह परचम निराशाजनक है। कांगड़ा, ज्वालामुखी व दियोटसिद्ध मंदिरों की स्थिति भी इससे कहीं ज्यादा बेहतर नहीं है। आश्चर्य तो यह कि मंदिर आय से अगर परिसर का रखरखाव ही नहीं हो सकता, तो यह प्रशासनिक लापरवाही है। पर्यटन राजधानी का मतलब चंद इमारतें नहीं और न ही अधोसंरचना को चबूतरों पर सजाना है, बल्कि पर्यटक के सामने हिमाचल की पेशकश को सुधारना है। करीब अस्सी प्रतिशत पर्यटक हिमाचल में किसी न किसी धार्मिक रास्ते से ही आते हैं, लेकिन मंदिर व्यवस्था के नाम पर कोई सुखद उदाहरण नहीं। चामुंडा में संभावनाओं का परिदृश्य बेहतर हो सकता है बशर्ते मूल परियोजना को बजट का सहारा मिले, लेकिन इससे भी पहले प्रशासनिक व्यवस्था को सलीका सिखाना होगा। जवाबदेही की कमी का हर कारण चामुडा मंदिर परिसर की उखड़ती टाइलों, उजड़ती घास, गंदगी, अव्यवस्था और वीआईपी श्रद्धा में मिलेगा। आश्चर्य यह कि मंदिर आय से श्रद्धा के सरोकारों का धन्यवाद भी ज्ञापित नहीं हो रहा। मंदिर आय पर निगाह रखने वाली सियासत ने अवांछित खर्चों की सूची लंबी कर ली है, लेकिन परिसर की पवित्रता क्षीण हो गई। चामंडा मंदिर की आय यूं तो अपनी आव भगत में तो वीआईपी लोगों के चरण स्पर्श करती है, लेकिन अपने ही परिसर का रखरखाव नहीं कर पाती। ऐसे में तमाम बड़े मंदिरों के प्रबंधन की आचार संहिता आवश्यक है।

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति दुर्तेते मनीला एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मनीला, 11 मार्च (एजेंसियां)। फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुर्तेते को मनीला एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी मानवता के खिलाफ अपराधों के एक मामले के सिलसिले में की गई है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसीस) के आदेश के बाद फिलीपींस की पुलिस ने मंगलवार को मनीला के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुर्तेते को हिरासत में लिया।

पूर्व राष्ट्रपति दुर्तेते की गिरफ्तारी की पुष्टि फिलीपींस सरकार ने की है। जानकारी के

अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश पर की गई गिरफ्तारी

अनुसार, आईसीसी ने दुर्तेते के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जिसके बाद उन्हें हांगकांग से लौटने पर गिरफ्तार कर लिया गया।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का मुख्यालय नीदरलैंड की राजधानी हेग में स्थित है। इस न्यायालय की स्थापना 2002 में की गई थी और इसे विशेष रूप से नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों की जांच करने तथा अभियोग चलाने का अधिकार प्राप्त है।

क्या हैं आरोप

दुर्तेते के खिलाफ यह मामला उनके कार्यकाल के दौरान अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाई गई सख्त नीति से जुड़ा हुआ है। उनके कार्यकाल में कथित रूप से हजारों संदिग्ध नशा तस्करों और उपभोक्ताओं को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के कथित तौर पर मारा गया था। इस नीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय संगठनों और मानवाधिकार समूहों ने कड़ी आलोचना की थी।

सरकार की प्रतिक्रिया

फिलीपींस के वर्तमान राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दुर्तेते को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश के तहत गिरफ्तार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

10 साल के बेटे की छाती पर चढ़ गई 154 किलो की मां, 5 मिनट में हो गई मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में एक मां की हैवानियत ने सभी को चौंका दिया है। 154 किलो की मां ने अपने 10 साल के बेटे को जमीन पर पटका और छाती पर चढ़ गई। जिससे 5 मिनट के भीतर ही बेटे का दम घुट गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। खबर है कि महिला फॉस्टर यानी बच्चे की पालक मां थी। वहीं, महिला ने भी बच्चे के ऊपर बैठने की बात स्वीकार की है। घटना 25 अप्रैल 2023 की है। तब पुलिस को विल्सन के घर पर स्टीवन मिला था। तब वह बेहोश था। जांच में अधिकारियों को उसकी गर्दन और सीने पर चोट के निशान मिले। लड़के ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, विल्सन ने जांच अधिकारियों को बताया है कि लड़का घर से भाग कर पड़ोसी के पास पहुंच गया था।उसका दावा है कि जब लड़के को वापस लाया गया, तब भी वह बुरा बर्ताव कर रहा था और घर छोड़ने की कोशिश कर रहा था। महिला ने स्वीकार किया है कि वह लड़के पर करीब 5 मिनट तक बैठी रहीं। उस दौरान उन्हें लगा कि लड़का नाटक कर रहा है, लेकिन जब उसने जवाब नहीं दिया तो महिला ने सीपीआर की कोशिश की और पुलिस को खबर की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 10 साल के बच्चे की पहचान डकोटा लिवाई स्टीवन्स के तौर पर हुई है। वह इंडियाना का रहने वाला था। वहीं, महिला की पहचान 48 साल की जेनिफर ली विल्सन बताई जा रही है, जिसका वजन करीब 154 किलो है। वह कथित तौर पर बच्चे पर यह सोचकर बैठ गई थीं कि वह परेशानी में होने का नाटक कर रहा है। विल्सन को 6 साल की जेल हुई है।महिला ने कोर्ट को बताया है कि वह सिर्फ लड़के को घर छोड़ने से जाने से रोकना चाहती थीं। ऑटोप्सी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि स्टीवन की मौत मैकेनिकल एस्फिक्सिया से हुई है और मौत के तरीके को हत्या माना गया है। उसे फेफड़ों और लिवर पर गंभीर चोटें आई थीं।

6.97 मिलियन डॉलर की संपत्ति के मालिक हैं कनाडा के अलगे पीएम मार्क कार्नी

ओटावा। कनाडा के अगले पीएम कार्नी की अनुमानित संपत्ति 6.97 मिलियन डॉलर बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वित्त क्षेत्र में रहने के दौरान उन्होंने अधिकांश संपत्ति बनाई है। वह 13 साल गोल्डमैन सैक्स में रहे। इसके बाद ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पीएच डी करने के बाद उन्होंने इन्वेस्टमेंट बैंक में अपनी करियर शुरू किया, जहां बॉस्टन, लंदन, न्यूयॉर्क, टोक्यो और टोरंटो में काम किया। बता दें कि मार्क कार्नी के रूप में कनाडा को अगला प्रधानमंत्री मिलने वाला है। रविवार को लिबरल पार्टी के चुनाव में कार्नी ने कई धुरंधरों को पछाड़कर जीत दर्ज की है। हालांकि, लंबे समय से ही कनाडा में राजनीतिक रूप से नौसिखिए माने जाने वाले कार्नी के नाम की चर्चाएं जोरों पर थीं। चुनाव में दूसरे स्थान पर पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड रहीं। वह सोवरिन रिस्क के उप प्रमुख और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के मैनेजिंग डायरेक्टर भी रह चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 1998 में रूसी आर्थिक संकट और 2008 के आर्थिक संकट के दौरान प्राइवेट कैपिटल और मुद्रा बाजार में उनका अनुभव काफी प्रभावी साबित हुआ। उन्होंने कहा था, जब मैंने गोल्डमैन सैक्स के लिए काम किया था, तब वो वैश्विक वित्त में सबसे टॉक्सिक ब्रांड नहीं, बल्कि सबसे अच्छा ब्रांड था। कार्नी ने साल 1988 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स में बैचलर्स डिग्री हासिल की है। साथ ही ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डॉक्टोरल डिग्री ली है। खास बात है कि वह कार्नी की स्पोर्ट्स में भी दिलचस्पी है। वह हार्वर्ड के लिए बैकअप गोली के तौर पर आइस हॉकी खेल चुके हैं।

रुस से डरे यूक्रेन ने खरीद डाले सबसे ज्यादा हथियार, भारत को पछाड़

वॉशिंगटन। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की ताजा रिपोर्ट में

रक्षा क्षेत्र को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सिप्री की नई रिपोर्ट हैरान करने वाली है। क्योंकि 2010 से 2019 की तुलना में वैश्विक हथियार बाजार स्थिर हो गया है। लेकिन हथियार बाजार में कुछ दिलचस्प बदलाव दिखाई दिए हैं। जब आप लिस्ट में अलग अलग देशों पर गौर करते हैं तब हथियार खरीदने के मामले में यूक्रेन को भारत से आगे पाएंगे। दरअसल रूस के खिलाफ चल रहे जंग ने यूक्रेन को हथियार खरीदने पर मजबूर किया है, लेकिन वे भारत से आगे निकल जाएगा, ऐसा किसी ने सोचा नहीं था। सिप्री की रिपोर्ट से साफ होता हैं कि भारी हथियारों की खरीद में यूक्रेन दुनिया में सबसे आगे रहा है।

पूर्व राजा की सक्रियता बढ़ने को लेकर माओवादी ने बुलाई आपात बैठक, प्रचण्ड का संसद में विशेष संबोधन

काठमांडू, 11 मार्च (एजेंसियां)।

प्रमुख विपक्षी दल माओवादी ने अपने पार्टी संगठन विस्तार को लेकर चलाए जा रहे सारे राजनीतिक अभियान को तत्काल स्थगित कर पार्टी की आपात बैठक बुलाई है। तराई मधेश में जागरण अभियान चला रहे प्रचण्ड काठमांडू पहुंच चुके हैं और पूर्व राजा की बढ़ती सक्रियता को लेकर वे मंगलवार को संसद में संबोधन करने वाले हैं। साथ ही विपक्षी गठबंधन की बैठक भी बुलाई गई है।

माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह की बढ़ती सक्रियता को लोकतंत्र, गणतंत्र, संघीयता और धर्मनिरपेक्षता के लिए खतरा बताते हुए सोमवार से पार्टी के सभी राजनीतिक कार्यक्रमों को स्थगित करने का निर्देश दिया है। प्रचण्ड ने पार्टी के सभी नेताओं को सोमवार को ही काठमांडू आने का फरमान जारी करते हुए आपात बैठक बुलाई है।

माओवादी पार्टी के प्रवक्ता अग्नि सापकोटा ने कहा कि राजा के समर्थकों का इतनी बड़ी संख्या में सड़कों पर आना देश के लोकतंत्र, गणतंत्र, संघीयता और धर्मनिरपेक्षता पर बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष प्रचण्ड द्वारा इस बात पर चिंता जाहिर की गई कि माओवादी द्वारा दस वर्षों तक किए गए सशस्त्र संघर्ष के बाद प्राप्त उपलब्धि खतरे में है। माओवादी पार्टी ने इसके लिए प्रधानमंत्री केपी ओली और वर्तमान सत्ता गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि जनता के पक्ष में कोई काम नहीं करने के कारण जनता ने अपने आक्रोश को अभिव्यक्त किया है।

माओवादी प्रवक्ता ने बताया कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को लेकर पार्टी अध्यक्ष प्रचण्ड का मंगलवार को संसद के प्रतिनिधि सभा में संबोधन करने का कार्यक्रम है। संसद की बैठक से वो देश में बदले राजनीतिक परिस्थिति पर अपनी बात रखते हुए गणतंत्र, संघीयता और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए सर्वदलीय सरकार गठन का प्रस्ताव रखने वाले हैं। इसके साथ ही माओवादी के तरफ से मंगलवार को ही विपक्षी दलों के गठबंधन की बैठक भी बुलाई गई है।

राज कुमार सिंह बने ग्वाटेमाला में भारत के नए राजदूत

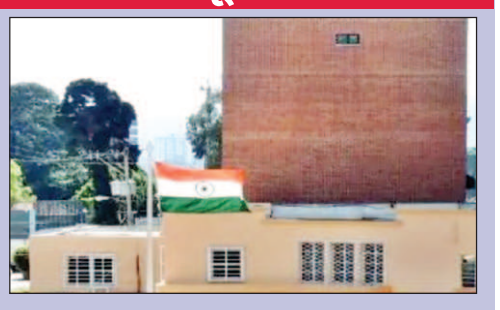

ग्वाटेमाला सिटी। भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के वरिष्ठ अधिकारी राज कुमार सिंह को ग्वाटेमाला में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। वह 1996 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं और जल्द ही अपना नया कार्यभार संभालेंगे। भारत और ग्वाटेमाला के बीच राजनयिक संबंधों की शुरुआत 1970 के दशक में हुई थी। दोनों देशों के बीच व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कूटनीतिक सहयोग लगातार बढ़ रहा है। सिंह की नियुक्ति से इन संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। ग्वाटेमाला मध्य अमेरिका में स्थित एक महत्वपूर्ण देश है। इसकी सीमाएँ उत्तर-पश्चिम में मेक्सिको, दक्षिण-पश्चिम में प्रशांत महासागर, उत्तर-पूर्व में बेलीज, पूर्व में कैरेबियन सागर और दक्षिण-पूर्व में होंडुरास व अल साल्वाडोर से लगती हैं। इसकी राजधानी ग्वाटेमाला सिटी है। यह देश अपनी अमीर जैव विविधता, पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज कुमार सिंह की नियुक्ति से भारत और ग्वाटेमाला के बीच कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों को नई दिशा मिलने की संभावना है।

बुजुर्गों की पेंशन पर मस्क लगाएंगे ब्रेक, बोले- मरे हुए भी ले रहे फायदा

वाशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। अरबपति एलन मस्क ने जहां हजारों लोगों को नौकरी से निकालने का फरमान जारी कर लोगों को चिंता में डाल दिया वहीं अब उनकी नजर बुजुर्गों की पेंशन पर टिकी हुई है। मस्क ने कहा कि इस अभियान में पहले नंबर पर टारगेट पर वे लोग हैं जो कि गलत तरीके से फायदा ले रहे हैं। अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी हेड एलन मस्क का टारगेट 500 से 700 अरब डॉलर की कटौती करने का है।

मस्क ने कहा, सबसे ज्यादा फालतू का खर्च तो पात्रता के नाम पर हो रहा है। बहुत सारे लोगों को फ्री में ही भुगतान किया जा रहा है।बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने खर्च में कटौती करने के लिए कर्मचारियों की संख्या में कटौती करना शुरू कर दिया है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप का भी अप्रोच यही है कि वह कई विभागों को ही खत्म कर देना चाहते हैं। ट्रंप ने यूएसएआईडी को बंद कर दिया और इसके बाद शिक्षा विभाग को भी बंद करने का ऐलान कर दिया है। मस्क ने कहा कि बहुत सारे लोगों को बेवजह ही फायदा मिल रहा है। सोशल सिक्योरिटी इंस्पेक्टर जनरल के आंकड़ों के मुताबिक 71.8 अरब डॉलर का पेमेंट 2015 से 2022 के दौरान किया गया जिसकी कोई वजह नहीं है।

मस्क ने कहा कि 2 करोड़ लोग ऐसे हैं जो कि वास्तव में मर चुके हैं लेकिन सोशल सिक्योरिटी के डेटाबेस पर उपलब्ध हैं। हालांकि एजेंसी के लीडर ने इस दावे को खारिज किया है। सोशल सिक्योरिटी के कार्यकारी आयुक्त ली डुडेक ने कहा कि जिनकी मौत हो गई है उनके परिवार को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। एलन मस्क ने साफ तौर पर कहा है कि रिटायर हुए लोगों को मिलने वाले फायदे पर उनको आपत्ति है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया है कि सोशल सिक्योरिटी डिपार्टमेंट को इस अभियान से दूर रखा जाएगा।

चोर घर में आराम से समय बिताने के लिए चुराता था चाभियां

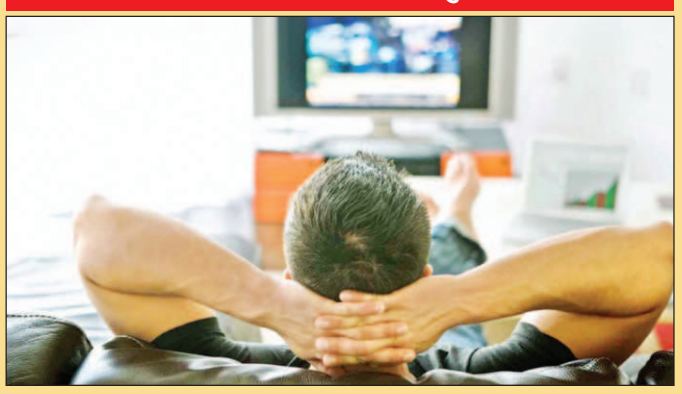

जापान की राजधानी टोक्यो के रहने वाले 34 वर्षीय रयोता मियाहारा ने एक बेहद अनोखा अपराध किया। वह लोगों के घरों की चाभियों की डिटेल्स चुराकर ऑनलाइन उनकी डुप्लीकेट चाभी मंगा लेता था। इसके बाद, जब भी उसे मन करता, वह उन घरों में चुपके से घुस जाता, लेकिन चोरी करने के बजाय वहां आराम से समय बिताता था। मियाहारा ने ऐसा ही अपने साथ काम करने वाली एक महिला कर्मचारी के घर के साथ किया। उसने चुपके से उसके पर्स से चाभी की डिटेल्स निकाल लीं और उसकी डुप्लीकेट चाभी बनवा ली। इसके बाद वह 2 महीनों में कुल 10 बार उसके घर में घुसा और उसे इस बात की भनक तक नहीं लगी।

दक्षिण अफ्रीका में दर्दनाक हादसा, हाइवे पर पलटी बस, 12 की मौत घायल हुए 45 लोग

जोहान्सबग, 11 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग शहर में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां हाइवे पर एक बस के पलट जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 45 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे आपातकालीन दल ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

शहर के एकुरहुलेनी आपातकालीन प्रबंधन के प्रवक्ता विलियम नथलाडी ने बताया कि आपातकालीन दल बस को सीधा करने की कोशिश में जुटे हैं ताकि यह देखा जा सके कि क्या कोई और पीड़ित बस के नीचे फंसा हुआ है। दुर्घटना जोहान्सबर्ग के मुख्य ओआर टैम्बो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक राजमार्ग पर हुई है।

बस जोहान्सबर्ग के पूर्व में स्थित टाउनशिप कैटलहोंग से लोगों को ले जा रही थी। दुर्घटना स्थल से 9 पुरुषों और 3 महिलाओं के शव बरामद किए गए हैं।

नथलाडी ने कहा कि अस्पताल ले जाए गए लोगों में ड्राइवर भी शामिल था।

दुर्घटना में कोई अन्य वाहन शामिल नहीं था और अधिकारी अभी तक कारण का पता नहीं लगा पाए हैं।

पुलिस जांच कर रही है।

हमास पर ट्रंप की हरकत से भड़का इजराइल, अमेरिका ने कहा- अपना एजेंट मत समझना

वॉशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)।

गाजा में इजरायल और हमास के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सीजफायर के दूसरे चरण के आसार भी नजर नहीं आ रहे। अमेरिका के बंधक मामलों के विशेष दूत एडम बोहलर ने हमास से गुप्त वार्ता करने पर इज़रायल की नाराजगी को खारिज करते हुए कहा कि हम इज़राइल के एजेंट नहीं हैं। बोहलर ने खुलासा किया कि ये सीधे वार्तालाप अमेरिकी बंधकों की रिहाई के लिए किए गए थे, हालांकि उनका अंतिम लक्ष्य सभी बंधकों की रिहाई था। उन्होंने कहा, हम दो हफ्तों तक बस इंतजार करने को तैयार नहीं थे। इस बीच रमजान के पाक महीने में इजरायल ने पहले गाजावासियों के लिए राहत-सामग्री वाले ट्रक रोके अब बिजली सप्लाई भी काट दी है। इजरायल के इस कदम की चहुंओर आलोचना हो रही है। इस बीच गाजा युद्धविराम को लेकर अमेरिका और हमास प्रतिनिधियों के बीच गुप्त वार्ता हुई। इस सीक्रेट मीटिंग पर इजरायल भड़क गया है। इजरायल का आरोप है कि मीटिंग में उसे भी सम्मिलित किया जाना चाहिए था। इजरायल की आलोचना से बौखलाए अमेरिका ने दो टूक शब्दों में इजरायल को कहा कि वह उसका एजेंट नहीं है। इज़रायली अधिकारियों ने अमेरिका के

इस कदम पर नाराजगी जताई, खासकर जब बोहलर ने कहा कि हमास ने पांच से दस साल की युद्धविराम योजना और खुद को निरस्त्र करने का प्रस्ताव दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें दोबारा हमास अधिकारियों से मिलने का मौका मिलेगा, तो उन्होंने हल्के अंदाज में कहा, आप कभी नहीं जानते। कभी-कभी आप इलाके में होते हैं और मिलने चले जाते हैं।

भारी बर्फबारी के कारण दर्जनों पर्यटक बर्फीली सीढ़ियों से गिरे

बीजिंग। चीन में एक ऐसा ही खौफनाक हादसा सामने आया, जब भारी बर्फबारी के कारण दर्जनों पर्यटक बर्फीली सीढ़ियों पर फिसलते हुए नीचे गिर गए। घटना के वायरल वीडियो में दिख रहा है कि पर्यटक एक ऊंची ट्रेल पर चढ़ रहे थे, लेकिन बर्फ की मोटी परत के कारण सीढ़ियां खतरनाक स्लाइड में बदल गईं। जैसे ही लोग आगे बढ़े, वे अपना संतुलन खो बैठे और एक के बाद एक गिरने लगे। कुछ लोग सिर के बल नीचे लुढ़कते दिखे, तो कुछ ने खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन बर्फ इतनी फिसलन भरी थी कि किसी का भी कंट्रोल नहीं रहा। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि हादसे में कुछ लोग घायल हुए हैं, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। सभी घायलों को तुरंत चिकित्सा सुविधा दी गई। प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेल को अस्थायी रूप से बंद कर दिया और वहां चेतावनी बोर्ड लगा दिए हैं ताकि आगे कोई हादसा न हो। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कई लोग इसे खतरनाक बता रहे हैं, तो कुछ मजाकिया कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, फ्री में एडवेंचर पार्क मिल गया! तो दूसरे ने मजाकिया अंदाज में कहा, लगता है, टूरिस्ट स्कीइंग करने आए थे।ऐसा ही एक मामला हाल ही में भारत के जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में भी देखा गया था। वहां अचानक आए बर्फीले तूफान के कारण पर्यटकों को सुरक्षित जगहों पर भागना पड़ा था। हालांकि, उस घटना में भी किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई थी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे संभावित खतरों को समझें और अपनी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें।

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के खिताबी मुकाबले में हरियाणा और झारखंड आमने-सामने

पंचकूला,11 मार्च (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला 12 मार्च को शाम पंचकूला के ताऊ देवी लाल हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां गत विजेता हॉकी हरियाणा की टीम हॉकी झारखंड से भिड़ेगी।

हरियाणा की शानदार फॉर्म, सेमीफाइनल में दिखाया दम – गत विजेता हॉकी हरियाणा ने टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और चार मैचों में सिर्फ एक गोल ही गंवाया है। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत हॉकी कर्नाटक को 5-1 से हराकर की थी, इसके बाद हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा पर 3-0 की जीत दर्ज की।

क्वार्टर फाइनल में हॉकी पंजाब के खिलाफ 1-0 से करीबी जीत के बाद सेमीफाइनल में हरियाणा की टीम ने हॉकी मिजोरम को 4-0 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। कप्तान रानी अब तक टूर्नामेंट में तीन गोल कर चुकी हैं और टीम को खिताब बचाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

झारखंड की संघर्षपूर्ण राह, सेमीफाइनल में शूटआउट से फाइनल में पहुंची – हॉकी झारखंड ने भी दमदार शुरुआत की थी और पहले मुकाबले में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 9-2 से हराकर धमाकेदार एंट्री की। इसके बाद उन्होंने हॉकी मिजोरम और हॉकी मध्य प्रदेश को 3-1 से हराया। सेमीफाइनल में हॉकी महाराष्ट्र के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में कोई भी टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर सकी। मैच शूटआउट में पहुंचा, जहां हॉकी झारखंड ने 3-2 से जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस जीत में गोलकीपर अंजलि भींजिया ने अहम भूमिका निभाई और महाराष्ट्र के तीन खिलाड़ियों के प्रयासों को नाकाम कर दिया। अलबेला रानी टोप्पो अब तक चार गोल कर चुकी हैं और फाइनल में अपनी गोल संख्या बढ़ाने के इरादे से उतरेंगी।

कोचों की प्रतिक्रिया – हॉकी हरियाणा के कोच आज़ाद मलिक ने कहा, टूर्नामेंट की शुरुआत में कुछ चुनौतियां थीं, लेकिन टीम ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाया। हमारा लक्ष्य आक्रामक हॉकी खेलना है।

न्यूज़ ब्रीफ

एशियन चैंपियंस लीगः अल नास्र ने एस्तेग़लाल को 3-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

नई दिल्ली। रियाद के अल अव्वल स्टेडियम में खेले गए एशियन चैंपियंस लीग के एलीट राउंड ऑफ 16 के

दूसरे चरण में अल नास्र ने एस्तेग़लाल को 3-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले में टीम के नए खिलाड़ी झॉन डुरान ने दो गोल किए, जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी के जरिए स्कोर किया। पहले चरण के गोलरहित ड्रॉ के बाद, सऊदी प्रो लीग क्लब ने कुल 3-0 के एग्रीगेट स्कोर से क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अल नास्र ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और झॉन डुरान, रोनाल्डो और सादियो माने की तिकड़ी ने शुरुआती गोल के लिए दबाव बनाया। पहला गोल एस्तेग़लाल के गोलकीपर होसैन होसैनी की गलती से आया, जब उनका गलत पास सीधे डुरान के पास पहुंच गया। डुरान ने डिफेंडर को पछाड़ते हुए शानदार चिप शॉट से गेंद को नेट में डाल दिया। 30वें मिनट से पहले ही अल नास्र ने अपनी बढ़त को दोगुना कर लिया। रोनाल्डो ने एस्तेग़लाल के बॉक्स में एक भटके हुए पास का पीछा किया और बैकहील पास से गेंद माने के लिए सेट की, जिन्हें डिफेंडर ने गिरा दिया। कप्तान रोनाल्डो ने पेनल्टी को पैनेंका स्टाइल में नेट के बीचोंबीच डालते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में एस्तेग़लाल के मेहरान अहमदी को रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे उनकी टीम को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। दूसरे हाफ में मेजबान टीम ने कई मौके बनाए और तेज़ पासिंग के जरिए तीसरे गोल की तलाश की। आखिरकार, 84वें मिनट में डुरान ने काउंटर अटैक पर शानदार शॉट लगाते हुए गेंद को बाएं कोने में डालकर अपनी टीम की जीत को पक्का किया। भले ही एस्तेग़लाल ने कुछ मौकों पर वापसी की कोशिश की, लेकिन अल नास्र ने मुकाबले को आसानी से अपने नाम कर लिया और एशियन चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ ने बदला नाम अब 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' के रूप में पहचाना जाएगा

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन- सीजीएफ) ने सोमवार को अपने नाम में बदलाव करते हुए इसे 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' करने की घोषणा की। यह बदलाव संगठन को एक खेल महासंघ से एक खेल आंदोलन में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह घोषणा राष्ट्रमंडल दिवस (10 मार्च) के अवसर पर की गई। महासंघ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, राष्ट्रमंडल दिवस 2025 से, राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के रूप में जाना जाएगा। यह नया नाम संगठन के खेल महासंघ से एक खेल आंदोलन बनने के सफर को दर्शाता है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) केटी सैडलियर ने कहा, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट नाम हमारे उद्देश्य को और मजबूत और एकीकृत तरीके से प्रस्तुत करता है, जिससे हमारी पहचान अधिक प्रभावशाली और व्यापक होगी। हालांकि, कानूनी तौर पर संगठन का नाम 'कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन' बना रहेगा।

आईसीसी ने अपनी टीम का कप्तान सेंटनर को बनाया, रोहित को नहीं मिली जगह

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपनी टीम का कप्तान मिचेल सैंटनर को बनाया है। आईसीसी के इस फैसले पर हैरानी भी जताई जा रही है क्योंकि सेंटनर की कप्तान में न्यूजीलैंड को दो बार रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने हराया है। सैंटनर की टीम एक बार लीग मैच में और एक बार फाइनल में रोहित की भारतीय टीम से हारी। ऐसे में माना जा रहा था कि आईसीसी टीम की कप्तान रोहित को मिलेगी। जिस टूर्नामेंट में किसी टीम ने 3 से ज्यादा मुकाबले नहीं जीते, उस टूर्नामेंट में रोहित ने सभी पांच मैच जीते। रोहित फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी थे। भले ही उन्होंने 200 से कम रन इन पांच मैचों में बनाए पर जिस तरह से उन्होंने टीम का नेतृत्व किया, उस वजह से उनको टीम ऑफ द टूर्नामेंट के लिए चुना जाना चाहिए था और कप्तानी दी जानी चाहिए। ऐसे में कहा जा रहा है कि उन्हें किसी भी हाल में जगह मिलनी चाहिये थी पर नहीं मिली। आईसीसी पहले भी ऐसे ही फैसले करती रही है।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप 2025 : चुनौतियों से जूझते भारतीय शटलरों के लिए कठिन परीक्षा

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए इस बार का ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप बेहद कठिन साबित हो सकता है। चोटों, फिटनेस समस्याओं और खराब फॉर्म के कारण भारतीय शटलरों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) की ऐतिहासिक जीत के बाद से अब तक कोई भी भारतीय खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित खिताब को नहीं जीत पाया है।

हालांकि, पीवी सिंधु, साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत जैसे दिग्गजों ने विश्व स्तर पर कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन ऑल इंग्लैंड ओपन का ताज अब भी भारतीयों की पहुंच से दूर बना हुआ है।

चोटों और खराब फॉर्म ने बढ़ाई मुश्किलें – इस साल भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पी. वी. सिंधु चोट से उबरकर वापसी कर रही हैं। एच. एस. प्रणय चिकनगुनिया के कारण लय में नहीं हैं। लक्ष्य सेन खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी हाल ही में अपने पिता को खोने के बाद मानसिक रूप से कठिन दौर से गुजर रहे हैं।

सिंधु दो बार की ओलंपिक पदक विजेता हैं, लेकिन हमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पिछले महीने एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप से बाहर हो गई थीं। अब वह पूरी तरह से फिट हैं और कोरियाई खिलाड़ी गा उन किम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

दूसरे दौर में उनका मुकाबला चीन की हान यूए से हो सकता है, जबकि क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुंजुंग बड़ी चुनौती पेश कर सकती हैं।

लक्ष्य सेन के लिए कठिन ड्रा – लक्ष्य सेन, जो पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, इस बार खराब फॉर्म में हैं। 23 वर्षीय लक्ष्य जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। अगर वह यह मुकाबला जीतते हैं, तो दूसरे दौर में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ सकते हैं। एच. एस. प्रणय, जो वर्ल्ड नंबर 30 पर फिसल चुके हैं, पहले दौर में फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे।

पुरुष डबल्स में भारत की उम्मीदें – एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज और चिराग शेट्टी भारत की सबसे बड़ी उम्मीद होंगे। यह जोड़ी डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टेगार्ड के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। महिला डबल्स में भारत की मजबूत चुनौती महिला डबल्स में वर्ल्ड नंबर 9 ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे की शुओ युन सुंग और चिएन हुई यू की जोड़ी से भिड़ेंगी।

अश्विनी पोनप्पा और तनिशा क्रास्टो का सामना ताइपे की पेई शान हसी और एन-त्जू हंग से होगा। अन्य मुकाबलों में मालविका बंसोड़ सिंगापुर की जिया मिन यो से भिड़ेंगी।

आईपीएल 2025:लखनऊ सुपर जायंट्स को झटका, पहले हाफ में नहीं खेल पाएंगे मयंक यादव

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल 2025 के पहले चरण से बाहर हो गए हैं।

मयंक फिलहाल लम्बर स्ट्रेस इंजरी (पीठ की चोट) से उबर रहे हैं और उन्होंने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी अभ्यास फिर से शुरू किया है। वह पिछले साल अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद चोटिल हो गए थे और तब से रिहैब प्रक्रिया में हैं।

अभी तक उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। हालांकि, अगर वह सभी फिटनेस मानकों को पूरा करते हैं और अपनी गेंदबाजी का वर्कलोड बढ़ा पाते हैं, तो वह आईपीएल के दूसरे चरण में खेल सकते हैं। मयंक की गैरमौजूदगी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए बड़ा झटका है, जिन्होंने उन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

यह मयंक के लिए वित्तीय रूप से बड़ी छलांग थी, क्योंकि आईपीएल 2024 में उन्हें महज 20 लाख रुपये में बतौर अनकैप्ड तेज गेंदबाज खरीदा गया था।मयंक की इतनी ऊंची कीमत का मुख्य कारण उनकी तेज गति से गेंदबाजी करने की क्षमता है। वह लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं, जिसकी बदौलत उन्होंने अपने पहले दो आईपीएल मैचों में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता था। उनके इसी प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने उन्हें भारत के तेज गेंदबाजों के विशेष पूल में शामिल किया था।

मयंक का आईपीएल 2024 भी चोटों से प्रभावित रहा था, जहां वह केवल चार मैच ही खेल पाए थे। अंतिम दो मुकाबलों में साइड स्ट्रेन की समस्या के चलते उन्हें बाहर होना पड़ा था। रिहैब के दौरान उन्हें एक और नई चोट लग गई, जिससे उनकी वापसी में देरी हुई। हालांकि, उन्होंने आखिरकार बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला, लेकिन वहां भी फिर से चोटिल हो गए और दोबारा रिहैब के लिए लौटना पड़ा। बीसीसीआई ने मयंक की मौजूदा चोट के बारे में आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बताया है, लेकिन यह समझा जाता है कि उनके पीठ के निचले हिस्से (बाईं ओर) में स्ट्रेस इंजरी है। फरवरी में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर ख़ान, जो अब लखनऊ के टीम डायरेक्टर हैं, ने कहा था कि फ्रेंचाइज़ी बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ मिलकर मयंक की वापसी का रोडमैप तैयार कर रही है। हालांकि, ज़हीर ने यह भी स्पष्ट किया था कि वे मयंक को 100प्रतिशत नहीं बल्कि 150प्रतिशत फिट देखकर ही मैदान पर वापसी कराना चाहेंगे। उन्होंने कहा था, हम मयंक को जितना जल्दी हो सके खेलते हुए देखना चाहते हैं, लेकिन हम उन्हें तब ही खिलाएंगे जब वह पूरी तरह से फिट होंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम में खेलेगी।

डबल्यूपीएल मुकाबले में अमेली केर विकेट लेने पर उत्साहित होती हुई

मुम्बई में डबल्यूपीएल मुकाबले में अमेली केर गुजरात जायंट्स और मुम्बई इंडियंस मुकाबले में तीन विकेट लेने पर उत्साहित होती हुई।

वीएस जग्गी सहित कई हस्तियों को मिला डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय समर्पण पुरस्कार

नई दिल्ली,11 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के सभागार में छठे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय समर्पण पुरस्कार 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा, खेल, कला और समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाली कई प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया। खेल, शिक्षा और समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान को मिला सम्मान इस वर्ष पुरस्कार पाने वालों में कई प्रतिष्ठित नाम शामिल रहे।

प्रो. अजय कुमार अरोड़ा (प्राचार्य, रामजस कॉलेज), डॉ. विकास गुप्ता (रजिस्ट्रार, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह (प्राचार्य, जेपीएस हिंदू कॉलेज, अमरोहा), विधायक अजय महावर (गोंडा विधानसभा क्षेत्र), वीएस जग्गी (एसोसिएट प्रोफेसर, श्याम लाल कॉलेज) को खेलों में योगदान के लिए, डॉ. सुनील विश्वकर्मा को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में तथा उमेश जोशी को स्व-नियोजित पेशेवर के रूप में सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों के विचार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पवन जिंदल (क्षेत्रीय संघचालक, उत्तर क्षेत्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने समर्पण और सेवा भाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सच्ची सेवा का मूल्यांकन दूसरों की सराहना से नहीं, बल्कि व्यक्ति के निरंतर प्रयासों से होता है। सम्मानित अतिथि रवि शेखर ने कहा कि एक बुरा कर्म सैकड़ों अच्छे कर्मों पर भारी पड़ सकता है, इसलिए सही दिशा में काम करना जरूरी है।

आयोजन समिति और जूरी सदस्यों की भूमिका कार्यक्रम का संचालन प्रो. हेमचंद जैन (प्राचार्य, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज) ने किया और सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। आयोजन समिति में प्रो. सुनीता अरोड़ा, प्रीति गोयल, डॉ. अनेक गोयल, सुधा पांडे, पवन त्यागी, डॉ. रेखा, अनिल, डॉ. रुपेश, विकास मित्तल शामिल थे। पुरस्कार विजेताओं का चयन विवेक चौहान, सुधांशु सुतर, कुसुम, अकरम शाह और डॉ. जतिंदर सिंह की जूरी ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुस्तक विमोचन समारोह की शुरुआत में दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर लेखक संतोष मिश्रा की पुस्तक संघः सेवा, समृद्धि और समाज का भी उल्लेख किया गया। यह पुस्तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की उत्पत्ति, विचारधारा, कार्यप्रणाली और समाज में उसकी भूमिका पर गहन प्रकाश डालती है। समारोह के सफल आयोजन ने शिक्षा, खेल और समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को प्रोत्साहित करने की इस परंपरा को और मजबूती दी।

चोटों के कारण न्यूजीलैंड महिला टीम को बड़ा झटका, श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से तीन खिलाड़ी बाहर

वेलिंगटन,11 मार्च (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम को आगामी तीन मैचों की टी-20 सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर इसाबेला गेज, तेज गेंदबाज हेले जेन्सन और बल्लेबाज बेला जेम्स चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर हो गई हैं।

इनकी जगह विकेटकीपर-बल्लेबाज पॉली इंग्लिस, बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग और ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर को टीम में शामिल किया गया है।

श्रीलंका महिला टीम इन दिनों न्यूजीलैंड दौरे पर है, जहां वह वनडे और टी-20 सीरीज खेल रही है। न्यूजीलैंड ने पहले ही वनडे सीरीज को 2-0 से

क्लीन स्वीप कर लिया था। वनडे सीरीज में पॉली इंग्लिस और ब्री इलिंग ने डेब्यू किया था, जबकि फ्लोरा डेवोनशायर को अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका नहीं मिला है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक, हेले जेन्सन और बेला जेम्स पहले ही वनडे सीरीज से बाहर हो चुकी थीं और अब तक फिट नहीं हो पाई हैं।

टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने एक बयान में कहा, हम सभी इसाबेला, हेले और बेला के लिए दुखी हैं। यह टीम और खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक है, लेकिन हम जानते हैं कि ये तीनों मजबूती से वापसी करेंगी।

बेन सॉयर ने पॉली इंग्लिस और ब्री इलिंग की वनडे सीरीज में प्रभावशाली शुरुआत की तारीफ की। उन्होंने कहा, दोनों ने बेहतरीन इरादे और खेल की शानदार समझ दिखाई। मुझे भरोसा है कि वे टी-20 में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी। फ्लोरा डेवोनशायर घरेलू स्तर पर बेहतरीन ऑलराउंडर साबित हुई हैं और हमारी टीम के लिए एक शानदार विकल्प हो सकती हैं।

तीन मैचों की टी-20 सीरीज 14 मार्च से शुरू होगी। दूसरा मैच 16 मार्च को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा, जबकि तीसरा और अंतिम मुकाबला 18 मार्च को डुनेडिन में आयोजित होगा।

न्यूजीलैंड टीमः

सुजी बेट्स (कप्तान), रोजमेरी माएर, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, मैडी ग्रीन, ब्रूक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस (विकेटकीपर), फ्रैन जोनास, जेस केर, एम्मा मैकलेओड, जॉर्जिया प्लिमर, इज़ी शार्प।

श्रीलंका टीमः

चमारी अटापट्टू (कप्तान), निलाक्षिका सिल्वा, कवीशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, इनोशी प्रियदर्शनी, विश्मी गुणरत्ने, अचिनी कुलसूरिया, सुगांदिका कुमारी, हर्षिता समरविक्रमा, मनुदी ननायक्कारा, सचिनी निसानसला, उदेशिका प्रबोधनी, अनुश्का संजीवनी (विकेटकीपर), कौशिनी नुथ्यांगना, रश्मिका सेववंडी, चेतना विमुक्ति।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,830 रुपये से लेकर 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये से लेकर 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 98,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मजबूती का रुख बना नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने पाकिस्तान के राजदूत को एयरपोर्ट से ही वापस लौटाया

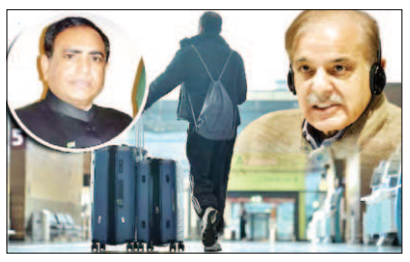

इस्लामाबाद। तुर्कमेनिस्तान में नियुक्त पाकिस्तान के राजदूत अहसन वागन को अमेरिका में पहुंचते ही एंट्री रोक दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी इमीग्रेशन सिस्टम में विवादास्पद वीजा रेफ्रेंस के कारण वागन को देश में प्रवेश नहीं करने दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक वागन के पास सभी आवश्यक दस्तावेज थे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस घटना पर आश्चर्य और असंतोष व्यक्त किया है। वे मानते हैं कि इस विवाद ने व्याख्या प्रक्रिया में समस्या को दर्शाया है। यह विवाद उच्च स्तरीय राजनयिकों और सरकारी अधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। अमेरिकन इमीग्रेशन ने अचानक विजिटिंग दूत के एंट्री को रोका है, जिससे दोनों देशों के राजनयिक संबंधों में आने वाली चुनौतियों को दिखाया गया है। वागन की वापसी एक चिंताजनक घटना है और इसने भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए सवाल उठाए हैं।

आटे की कीमतों में कमी की संभावना दाल-रोटी होगी सस्ती!

नई दिल्ली। देश में बुआई क्षेत्र बढ़ने और मौसम के अनुकूल रहने से रबी सीजन 2024-25 में गेहूं और चने के उत्पादन में बढ़ोतरी की उम्मीद है।गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन में 11.54 करोड़ टन तक की उम्मीद जताई जा रही है। इसके साथ ही चने की उम्मीद भी 1.15 करोड़ टन है, जो पिछले साल के उत्पादन से अधिक है। गेहूं की मुद्रास्फीति में भी वृद्धि का सूचना मिली है। इससे आटे की कीमतों में कमी की संभावना है। सरकार को भंडार भरने में मदद भी मिलेगी। लेकिन कम भंडार की वजह से बाजार में गेहूं की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। सरसों के उत्पादन में थोड़ी कमी की सूचना भी है, जिससे खरीफ और रबी सीजन के कुल खाद्यान्न उत्पादन में भी हलचल है। केंद्र सरकार ने गेहूं के 3.2 करोड़ टन की खरीद का लक्ष्य रखा है।

अनुपम रसायन को मिला विदेशी कंपनी से 922 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। इस सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन अनुपम रसायन के शेयर में तेजी देखने को मिली। शेयर की कीमत में 2.90 फीसदी की वृद्धि हुई और उसने 810.55 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंचा। इस तेजी की पीछे कंपनी ने कोरिया की बड़ी कंपनी के साथ की एक 10 साल की समझौते की घोषणा की है। इस समझौते की कुल कीमत 106 मिलियन डॉलर (922 करोड़ रुपए) है। अनुपम रसायन के एक प्रमुख अधिकारी ने इस समझौते को कैमिकल कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। इसके तहत, कंपनी एक विशेष केमिकल की सप्लाई करेगी जिसे एविएशन और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में उपयोग किया जाएगा। इस केमिकल की डिलीवरी वित्तवर्ष 26 से शुरू होगी और दक्षिण कोरिया में नई पहचान बनाने में मदद करेगी। अनुपम रसयान के 71 ग्राहकों में से 31 भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मल्टीनेशनल कंपनियां शामिल हैं। कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता 30,000 मीट्रिक टन है और इसका बाजार मूल्य बीएसई पर 8,679.63 करोड़ रुपए है।

भारतीय रेलवे 17 मार्च को घोषित करेगी दूसरा डिविडेंड

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईआरएफसी) ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए दूसरी अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। कंपनी ने रिकॉर्ड डेट की भी घोषणा की है, जिसे 21 मार्च 2025 तक रखा गया है। आईआरएफसी के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि दूसरी अंतरिम डिविडेंड पर बोर्ड की मीटिंग 17 मार्च को होगी। कंपनी ने पहले 0.80 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दिया था। आईआरएफसी ने 31 मार्च 2024 तक 26,600 करोड़ रुपए का राजस्व और 6,400 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ कमाया। यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी सरकारी एनबीएफसी बन गई है। हालांकि आईआरएफसी के शेयरों में हाल ही में गिरावट आई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खुद तो...

राहुल गांधी ने यह आत्म समीक्षा करने की जरूरत नहीं समझी कि 2009 में 206 सीटें हासिल करने वाली कांग्रेस 99 सीटों पर कैसे आ गई। इसके बजाय राहुल गांधी ने 2014 को मापदंड बनाया और क्रमशः 44, फिर 52 और 99 को प्रगति समझने की मनोवैज्ञानिक प्रसन्नता की दुनिया में डूबते उतराते रहे। उन्होंने अपने ही मापदंड को सामने रख कर यह भी नहीं देखा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 464 सीटों पर चुनाव लड़ा और 178 सीटों पर जमानत जब्त करा लिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 421 सीटों पर चुनाव लड़ी और 148 सीटों पर जमानत भी नहीं बचा पाई। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 99 सीटें पाकर उसे पचा नहीं पा रही, जबकि उसी चुनाव में 50 सीटों पर कांग्रेस की जमानत जब्त हो गई।

2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का उम्मीद से अच्छा प्रदर्शन के बाद कांग्रेस पार्टी ने फिर से पुरानी नीति अपनाते हुए बिना किसी मशविरा के राहुल गांधी को विपक्ष का नेता मनोनीत कर दिया। उसके बाद कांग्रेस पार्टी का विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन फिर से निम्न होता चला गया। आखिरी विधानसभा चुनाव दिल्ली में कांग्रेस पार्टी अपना खाता तक खोलने में भी नाकाम रही। यह लगातार तीसरा अवसर है, जब दिल्ली विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपना खाता तक नहीं खोल सकी। अभी कुल पांच प्रदेशों पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, नागालैंड और सिक्किम की विधानसभा में कांग्रेस पार्टी का एक भी प्रतिनिधित्व नहीं है।

ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ विधानसभा के चुनावों में वरन लोकसभा के चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी अपना जनाधार दिनो दिन बड़े पैमाने पर खोती जा रही है। आश्चर्य यह है कि कांग्रेस पार्टी अपने खोते जनाधार को वापस प्राप्त करने वास्ते कोई भी सकारात्मक प्रयास नहीं कर रही। कांग्रेस पार्टी के सहयोगी दल अब कांग्रेस पार्टी को गठबंधन के तहत सीट देने से बचना चाह रही हैं।

इतना ही नहीं अगर कांग्रेस पार्टी के सीटवार प्रदर्शन पर गौर करें तो पाएंगे कि कांग्रेस पार्टी का जमीनी प्रदर्शन काफी कमजोर और दयनीय होता जा रहा है। पहले कांग्रेस पार्टी का फैलाव पूरे देश में देखा जा सकता था, मगर 2014 से कांग्रेस पार्टी एक क्षेत्रीय दल की तरह बनती जा रही है। कांग्रेस पार्टी के इस गिरते प्रदर्शन के कारण अब इसके सहयोगी कम से कम सीट देकर कांग्रेस पार्टी से समझौता करना चाहती है।

लघु भारत ...

पीएम मोदी ने मॉरीशस रवाना होने से पहले जारी एक बयान में कहा था, मैं अपने सागर विजन के तहत अपने लोगों की प्रगति और समृद्धि के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और विकास के लिए अपनी स्थायी मित्रता को मजबूत करने तथा अपने सभी पहलुओं में अपनी साझेदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से मॉरीशस नेतृत्व के साथ जुड़ने के अवसर की प्रतीक्षा में हूं। सागर से आशय सेक्युरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन (क्षेत्र में सबके लिये सुरक्षा और विकास) से है। भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी, भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत और भारतीय वायु सेना की आकाश गंगा स्काईडाइविंग टीम (मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस) समारोह में भाग लेगी।

पीएम मोदी ने कहा, हिंद महासागर में मॉरीशस एक करीबी समुद्री पड़ोसी, एक प्रमुख साझेदार और अफ्रीकी महाद्वीप का प्रवेश द्वार है। हम इतिहास, भूगोल और संस्कृति से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। गहरा आपसी विश्वास, लोकतंत्र के मूल्यों में साझा विश्वास और अपनी विविधता पर गर्व हमारी ताकत है। पीएम मोदी ने इसके पहले 2015 में मॉरीशस का दौरा किया था। 27 साल पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर मोदी पहली बार मॉरीशस गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉरीशस यात्रा को कारोबारी व रणनीतिक कारणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कर अपनी 27 साल पहले मॉरीशस यात्रा की यादें साझा की हैं। पीएम मोदी तब भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हुआ करते थे और पार्टी की ओर से अंतरराष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में हिस्सा लेने मॉरीशस के मोका गए थे।

पीएम मोदी ने कहा, भारत और मॉरीशस के बीच इतिहास, वंश, संस्कृति, भाषा और हिंद महासागर का गहरा संबंध है। 1998 में जब वहां गया तो मिनी इंडिया में घर वापसी जैसा महसूस हुआ। एक सदी से भी पहले हमारे पूर्वज वहां मजदूर के तौर पर गए थे और अपने साथ तुलसीदास की श्रीरामचरितमानस, हनुमान चालीसा और हिंदी भाषा लेकर गए थे। एक और रिश्ता है, 27 साल पहले नरेंद्र मोदी की पहली मॉरीशस यात्रा। पीएम मोदी 2 से 8 अक्टूबर 1998 के बीच मॉरीशस के मोका में अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्फ्रेंस में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने तब वहां अपने वक्तव्य में भगवान श्रीराम के सार्वभौमिक मूल्यों के बारे में बात की और बताया कि कैसे रामायण भारत और मॉरीशस को एक शाश्वत सभ्यतागत रूप से जोड़ने वाले सेतु के रूप में काम करती है। उस यात्रा में मुरली मनोहर जोशी से भी उनकी मुलाकात हुई थी।

मॉरीशस में 12 मार्च को राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। भारत और मॉरीशस के बीच समुद्री सुरक्षा, विकास, क्षमता निर्माण में करीबी सहयोग है और लोगों के आपसी संबंधों काफी मजबूत हैं। यह नजदीकी खासकर उन विकास परियोजनाओं में दिखती है, जो भारत की मदद से मॉरीशस में बनाई गई हैं। भारत मॉरीशस का एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार है। 2023-24 में मॉरीशस, सिंगापुर के बाद भारत में विदेशी निवेश का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। दोनों देशों ने फरवरी 2021 में एक व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौते (सीईसीपीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के बीच 15 वर्षों की वार्ता के बाद हुआ था। यह भारत और किसी अफ्रीकी देशे के बीच पहला व्यापारिक समझौता था।

देश की...

देशभर की जेलों लगभग 75 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं, जबकि सजायाफ्ता कैदियों की संख्या की महज 25 फीसदी है। इतना ही नहीं, जम्मू कश्मीर, दिल्ली और बिहार की जेलों में सजायाफ्ता की तुलना में विचाराधीन कैदियों की संख्या राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देशभर की जेलों में कुल कैदियों की संख्या 5 लाख 5870 है और इनमें से 75.46 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं। इसमें कहा गया है कि जम्मू कश्मीर की जेलों में कुल कैदियों का 97.5 फीसदी विचाराधीन कैदी है, जबकि दिल्ली में 88.5 फीसदी और बिहार में 86.5 फीसदी विचाराधीन कैदियों की संख्या है। नालसा की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में यूटीआरसी की सिफारिश पर देशभर की जेलों से 25982 विचाराधीन कैदियों को रिहा किया गया है जो कि जेलों में बंद कुल कैदियों का 5 फीसदी है। साथ ही कहा है कि 2019 की तुलना में 2024 में 108 फीसदी अधिक कैदियों को समिति की सिफारिश पर रिहा गया है। 2019 में समिति की सिफारिश पर 12487 विचाराधीन कैदियों को रिहा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में समिति ने कुल 53954 कैदियों को रिहा करने की सिफारिश की थी और इनमें से 25982 विचाराधीन कैदियों को रिहा किया है। इतना ही नहीं, इनमें से 6 हजार से अधिक कैदी पिछले 3 माह के भीतर रिहा किए गए।

जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखने एवह अमानवीय व्यवहार से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर देश के सभी जिलों में विचाराधीन कैदी समीक्षा समिति (यूटीआरसी) का गठन किया गया। इस समिति में संबंधित जिले के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष होते हैं, जबकि जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और जेलों के प्रभारी अधिकारी सदस्य होते हैं। देश के 705 जिलों में यूटीआरसी है।

देश की जेलों में कुल 4,34,302 विचाराधीन कैदी हैं। जिसमें सबसे ज्यादा तादाद उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश की जेलों में 94,131 विचाराधीन कैदी बंद पड़े हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार का नंबर है। बिहार में विचाराधीन कैदियों की संख्या 57,537 है। उत्तर प्रदेश और बिहार के बाद देश भर में महाराष्ट्र तीसरे नंबर पर है। महाराष्ट्र में 32,883 विचाराधीन कैदी बंद है। इसके बाद क्रमशः मध्य प्रदेश में 26,877, पंजाब में 24,198, पश्चिम बंगाल में 23,706, हरियाणा में 19,279, राजस्थान में 19,233, दिल्ली में 16,759, ओडिशा में 16,058, झारखंड में 14,786 विचाराधीन कैदी हैं। विचाराधीन कैदियों की सबसे कम संख्या लक्षद्वीप में है। लक्षद्वीप केवल 6 विचाराधीन कैदी जेल में बंद हैं। इसके बाद लद्दाख में 26, दादर और नगर हवेली और दमन दीव में 162, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 173, अरुणाचल प्रदेश में 184, सिक्किम में 268, नागालैंड में 302, गोवा में 572, मणिपुर में 592 विचाराधीन कैदी जेल में बंद हैं

सुप्रीम कोर्ट देशभर की जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों की रिहाई को लेकर यूपी समेत बाकी राज्यों की जमकर फटकार लगा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कैदियों की रिहाई को लेकर राज्यों के लचर रवैये पर गहरी नाराजगी जताई थी। यूपी की जेलों में ऐसे करीब 1000 से भी ज्यादा विचाराधीन कैदी हैं, जो सजा की सीमा पार कर चुकने के बाद भी जेल में बंद हैं।

थाईलैंड...

सरकार इस तरह के रैकेट के बारे में समय-समय पर परामर्श और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से चेतावनी जारी करती रहती है। भारतीय नागरिकों को एक बार फिर सलाह दी जाती है कि वे किसी नौकरी की पेशकश स्वीकार करने से पहले विदेश स्थित मिशनों के माध्यम से विदेशी नियोक्ताओं की साख और भर्ती करने वाले एजेंटों और कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच कर लें।

खड़गे ने हरिवंश ...

उन्होंने सीधे आसन की ओर इशारा करते हुए कहा कि तानाशाही चल रही है। मैं बोलना चाहता हूं। इसकी तैयारी भी की है और आपको ठीक से ठोकेंगे। इस पर उपसभापति ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आप सत्ता पक्ष से बहस करिए। इस बीच हंगामा शुरू हो गया। इस बीच खड़गे ने यूटर्न लेते हुए कहा कि सरकार को ठोकेंगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने खड़गे के बयान को सदन का अपमान करार दिया।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने मामले में खड़गे को खूब खरी खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुख की बात है कि विपक्ष के नेता ने ऐसी भाषा इस्तेमाल की। ऐसे शब्दों का इस्तेमाल आसन के लिए किया। वह अनुभवी हैं और लंबे समय तक संसदीय सदस्य के रूप में काम किया। उन्होंने राज्य में भी काम किया है और राष्ट्रीय राजनीति में भी काम किया है। उन्होंने जिस भाषा का उपयोग किया है, वह सदन का अपमान है, आसन का अपमान है। यह निंदनीय है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। आसन के लिए इस्तेमाल शब्द माफी योग्य नहीं है। यह अस्वीकार्य है। फिर भी कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिए। अपने शब्दों को वापस लेना चाहिए। इसे कार्यवाही से हटा देना चाहिए।

राजशाही वापस...

प्रधानमंत्री केपी ओली ने हाल ही में कहा था कि कुछ लोग इन दिनों राजतंत्र या राजशाही की बहाली के नारे लगा रहे हैं लेकिन ऐसा होना संभव नहीं है।

नेपाल दुनिया का आखिरी हिंदू राजतंत्र था। यहां के राजा महाशिवरात्रि के मौके पर सेना का निरीक्षण करते थे और इंद्र जात्रा उत्सव के दौरान संरक्षक देवी कुमारी का आशीर्वाद लेते थे। 2006 में हुए जन आंदोलन के बाद नेपाल में राजशाही का अंत हो गया था। नेपाल 240 सालों तक एक हिंदू राष्ट्र रहा लेकिन 2008 में इसे लोकतांत्रिक देश घोषित कर दिया गया। लेकिन अब नेपाल के लोग फिर से राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की पुनरस्थापना की मांग कर रहे हैं।

नेपाल में 2008 में राजशाही का दौर खत्म हो गया था और उसके बाद से यहां पर 13 अलग-अलग सरकारें आ चुकी हैं। नेपाल में कई लोगों का मानना है कि यहां लोकतंत्र का मौजूदा शासन फेल हो गया है और भ्रष्टाचार, आर्थिक तंगी और राजनीतिक अस्थिरता के हालात हैं। इस वजह से लोग इस पड़ोसी मुल्क में राजशाही की वापसी चाहते हैं। कई ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने कुछ साल पहले राजशाही का विरोध किया था लेकिन अब उन्हें ऐसा लगता है कि ज्ञानेंद्र शाह को एक बार फिर देश की कमान संभालनी चाहिए। काठमांडू के हालात देखकर ऐसा लगता है कि ज्ञानेंद्र शाह को बड़ा समर्थन मिल रहा है लेकिन नेपाल में राजशाही का वापस लौटना इतना आसान नहीं है क्योंकि अब यह एक लोकतांत्रिक मुल्क बन चुका है और मुख्यधारा के राजनीतिक दल नहीं चाहते कि नेपाल में राजशाही बहाल हो।नेपाल पहले कई छोटी-छोटी रियासतों में बंटा था लेकिन 1768 में राजा पृथ्वी नारायण शाह ने इन्हें एकजुट कर नेपाल की स्थापना की। 1800 तक नेपाल पर रीजेंट्स और स्वयंभू प्रधानमंत्रियों का शासन रहा लेकिन वे हमेशा शाह वंश के नाम पर ही सत्ता चलाते रहे। 1950 में राजा त्रिभुवन शाह खुद को राजनीतिक भूमिका में ले आए। इसके बाद से ही नेपाल में शाह वंश के राजाओं का शासन रहा जो 2006 में हुए आंदोलन के बाद खत्म हो गया था। नेपाल में जब भी हिंदू राजतंत्र या हिंदू राजशाही की बात आती है तो राजा त्रिभुवन शाह के बेटे महेंद्र शाह का नाम जरूर सामने आता है। महेंद्र शाह ने न सिर्फ नेपाल का आधुनिकीकरण किया बल्कि हिंदू राजतंत्र के विचार को भी मजबूत किया। महेंद्र शाह ने नेपाल को राष्ट्रवाद के सूत्र के तहत एकजुट करने की कोशिश की, उनके राष्ट्रवाद का सूत्र था एक राजा, एक देश, एक भाषा।

1990 में नेपाल में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए और इसके तहत राजा बीरेंद्र शाह ने नेपाल को राजतंत्र से संवैधानिक राजतंत्र बनाने पर सहमति जताई और कहा कि देश की संसद को सत्ता साझा करने की इजाजत दी जाएगी। लेकिन इस समझौते के बावजूद नेपाल में असंतोष का स्वर बना रहा। 90 के दशक में नेपाल में माओवादी विद्रोह हुआ। माओवादी विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक पुष्प कमल दहल प्रचंड भी थे जो बाद में नेपाल के प्रधानमंत्री बने।जून, 2001 को नेपाल में एक दुखद घटना घटी। काठमांडू स्थित नारायणहिती राजमहल में राजा बीरेंद्र, रानी ऐश्वर्या और शाही परिवार के आठ अन्य सदस्यों की हत्या कर दी गई। क्राउन प्रिंस दीपेंद्र ने पूरे परिवार की हत्या करने के बाद खुद को गोली मार ली थी। वह अपनी होने वाली पत्नी के चयन से नाराज थे और नशे में धुत्त होकर उन्होंने इस नरसंहार को अंजाम दिया था। मरने से पहले कुछ समय के लिए जब दीपेंद्र कोमा में थे तो वह राजा बने लेकिन उनकी मौत के बाद ज्ञानेंद्र शाह को 2002 में राजा घोषित किया गया। 2005 में राजा ज्ञानेंद्र शाह ने नेपाल में सरकार और संसद को भंग कर दिया था और कई राजनेताओं और पत्रकारों को जेल में डाल दिया था। इसके साथ ही उन्होंने नेपाल में आपातकाल भी लागू कर दिया था। उनके इस तानाशाही रवैये के खिलाफ लोगों ने विद्रोह कर दिया था और 2006 में हुए बड़े जन आंदोलन के बाद राजा का शासन इस मुल्क से खत्म हो गया।

राजा ज्ञानेंद्र शाह को जनता के दबाव के आगे झुकना पड़ा और 2007 में संसद को फिर से बहाल कर दिया गया। 28 मई, 2008 को नेपाल को लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित कर दिया गया और राजा ने राजमहल को खाली कर दिया। अब राजमहल को म्यूजियम में बदल दिया गया है। देखना होगा कि क्या नेपाल में फिर से राजशाही बहाल होगी?

हिंदू राष्ट्र...

यह बयान अपने आप में विरोधाभासी है, क्योंकि वामपंथी शासन पर अक्सर लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को दबाने के आरोप लगते रहे हैं। जानकारों का मानना है कि यह लोकतंत्र की बात केवल जनता के गुस्से को शांत करने और अपनी सत्ता को बचाने की रणनीति हो सकती है।

इस बीच इन प्रदर्शनों से डरे नेपाल के वामपंथी नेताओं ने एक बैठक की। इस बैठक में सभी वामपंथी नेताओं ने तय किया कि राजशाही को देश में लौटने नहीं दे सकते हैं। इसके लिए हम सभी को देश के जिलों को छोड़कर केंद्र यानि कि काठमांडू की राजनीति में एक्टिव होना होगा। वामपंथियों की इस हताशा और निराशा को समझना तो इस बात को समझना होगा कि नेपाल में भले ही वामपंथियों का शासन है, लेकिन वहां की आम जनता अभी भी लोकतंत्र को मानती है। इसका नजारा उस वक्त देखने को मिला जब रविवार को नेपाल के 77 वर्षीय पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पोखरा काठमांडू वापस लौटे तो देश की जनता ने एयरपोर्ट पर जबर्दस्त स्वागत किया। इस दौरान उत्साहित भीड़ ने राजमहल खाली करो, राजा आओ देश बचाओ और हिंदू राष्ट्र की मांग की।

नेपाल एक ऐसा देश है, जो कि 2008 तक नेपाल एक हिंदू राष्ट्र था। लेकिन, अब नेपाल हिंदू राष्ट्र नहीं रहा। 16 साल के बाद एक बार फिर से हिंदू राष्ट्र की मांग की जा रही है।

लोकतंत्र बहाली की मांग ने देश की वामपंथी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। उल्लेखनीय है कि यह आंदोलन नेपाल की राजनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। यदि यह मांग और तेज होती है, तो वामपंथी दलों के सामने सत्ता बचाने की बड़ी चुनौती होगी। दूसरी ओर, भारत जैसे पड़ोसी देश भी इस स्थिति पर नजर रखे हुए हैं, क्योंकि नेपाल का यह बदलाव क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

क्या नेपाल फिर से हिंदू राष्ट्र बनेगा या राजशाही की वापसी होगी? यह सवाल अभी अनुत्तरित है, लेकिन सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब इस बात का संकेत दे रहा है कि नेपाल एक बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ा है।

13 को होलिका दहन और 14 को धुलंडी

रंगों का त्योहार होली हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि के दिन बाद मनाया जाता है। होली के एक दिन पहले पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन किया जाता है। इस बार होलिका दहन 13 मार्च 2025 को है फिर उसके एक दिन बाद 14 मार्च को होली खेली जाएगी। हिंदू धर्म में होली का त्योहार विशेष महत्व रखता है। होली के एक दिन पहले होलिका दहन होती है। जिसमें लोग बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। होली के दिन सभी मिलकर एक दूसरे को रंग, अबीर और गुलाल लगाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार होलिका दहन के लिए 47 मिनट का ही समय रहेगा। इसकी वजह उस दिन भद्रा प्रातः 10:36 से आरंभ होकर मध्य रात्रि 11:27 तक भूमि लोक की रहेगी। जो की सर्वथा त्याज्य है। अतः होलिका दहन भद्रा के पश्चात मध्य रात्रि 11:28 से मध्य रात्रि 12:15 के मध्य होगा।

होली के एक दिन पहले पूर्णिमा की तिथि में होलिका दहन किया जाता है। वहीं पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 13 मार्च को सुबह 10:36 बजे शुरू होगी, जो अगले दिन दोपहर 12:15 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदयात की मान्यता से पूर्णिमा दूसरे दिन 14 मार्च को है, लेकिन इस दिन पूर्णिमा का मान तीन प्रहर से कम होगा। इसलिए होलिका दहन 13 मार्च को ही करना बेहतर है। शास्त्रीय मत भी है कि पूर्णिमा तिथि का मान तीन प्रहर से कम होने पर पहले दिन का मान निकालकर होलिका दहन करना चाहिए। इस वर्ष होली का त्योहार 14 मार्च को मनाया जाएगा। जबकि इसके एक दिन पहले 13 मार्च को होलिका दहन है। होली उत्सव से आठ दिन पहले होलाष्टक लगेगा। होलाष्टक 6 मार्च से लग जाएगा।

होलिका दहन तिथि

पूर्णिमा तिथि आरंभ: 13 मार्च , गुरुवार, प्रातः 10:36 से

पूर्णिमा तिथि समाप्त : 14 मार्च, शुक्रवार, दोपहर 12:15 तक

होलिका दहन पर भद्रा का साया

13 मार्च को पूर्णिमा तिथि सुबह 10:36 बजे शुरू होगी, जो अगले दिन दोपहर 12:15 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदयात की मान्यता से पूर्णिमा दूसरे दिन 14 मार्च को है, लेकिन इस दिन पूर्णिमा का मान तीन प्रहर से कम होगा। इसलिए होलिका दहन 13 मार्च को ही करना बेहतर है। शास्त्रीय मत भी है कि पूर्णिमा तिथि का मान तीन प्रहर से कम होने पर पहले दिन का मान निकालकर होलिका दहन करना चाहिए। 13 मार्च को होलिका दहन भद्रा के बाद होगा। भद्रा 13 मार्च को सुबह 10:36 से रात्रि 11:27 बजे तक रहेगी। ऐसे में रात 11:28 से लेकर 12:15 बजे के बीच होलिका दहन करना श्रेष्ठ रहेगा। तर्क ये भी है कि 13 मार्च को प्रदोषकाल में भद्रा होने से होलिका दहन नहीं होगा। होलाष्टक होलिका दहन के बाद खत्म माना जाता है, लेकिन इस बार यह दूसरे दिन 12:24 बजे के बाद खत्म होगा। पूर्णिमा व्रत 14 मार्च को होगा। इसी दिन धुलंडी मनाई जाएगी।

यथा भद्रायां हे न कर्तव्ये श्रावणी (रक्षाबंधन)
फाल्गुनी (होलिकादहन) तथा।
श्रावणी नृपतिं हन्ति ग्राम दहति फाल्गुनी ।।
(मुहर्त्तचिंतामणि)

भद्रा समाप्ति के बाद होलिका दहन मुहूर्त

होलिका दहन भद्रा के पश्चात मध्य रात्रि 11:28 से मध्य रात्रि 12:15 के मध्य होगा। इस बार होलिका दहन के लिए 47 मिनट का ही समय रहेगा। इसकी वजह उस दिन भद्रा प्रातः 10:36 से आरंभ होकर मध्य रात्रि 11:27 तक भूमि लोक की रहेगी। जो की सर्वथा त्याज्य है।

नहीं होते भद्रा में शुभ कार्य

पुराणों के अनुसार भद्रा सूर्य की पुत्री और शनिदेव की बहन है। भद्रा क्रोधी स्वभाव की मानी गई हैं। उनके स्वभाव को नियंत्रित करने भगवान ब्रह्मा ने उन्हें कालगणना या पंचांग के एक प्रमुख अंग विष्टिकरण में स्थान दिया है। पंचांग के 5 प्रमुख अंग तिथि, वार, योग, नक्षत्र और करण होते हैं। करण की संख्या 11 होती है। ये चर-अचर में बांटे गए हैं। इन 11 करणों में 7वें करण विष्टि का नाम ही भद्रा है। मान्यता है कि ये तीनों लोक में भ्रमण करती हैं, जब मृत्यु लोक में होती हैं, तो अनिष्ट करती हैं। भद्रा योग कर्क, सिंह, कुंभ व मीन राशि में चंद्रमा के विचरण पर भद्रा विष्टिकरण का योग होता है, तब भद्रा पृथ्वीलोक में रहती है।

धुलंडी पर चंद्रग्रहण, नहीं लगेगा सूतक

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलिका दहन के अगले दिन धुलंडी पर 14 मार्च को चंद्र ग्रहण पड़ेगा। ग्रहण सुबह 9:29 मिनट से लगकर दोपहर 3.29 मिनट तक रहेगा। भारत में यह चंद्र ग्रहण नहीं दिखाई देने से इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। इसका किसी भी प्रकार से कोई धार्मिक महत्व नहीं होगा। इस दौरान चंद्रमा कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। इस दौरान कन्या राशि में पहले से ही केतु रहेंगे, जिससे दो ग्रहों की युति होगी। माना जा रहा है कि इस युति से ग्रहण योग बन रहा है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

होली का महत्व

अष्टाँग योग का नियमित अभ्यास किसी भी मनुष्य को प्रह्लाद बना सकता है - वही प्रह्लाद, जिसकी कथाएँ पुराणों में निहित हैं और जिसे हिरण्यकश्यप ने फाल्गुन मॉस की पूर्णिमा को, होलिका दहन में जलाकर मारने का प्रयास किया था। किन्तु उस रात की शक्ति ही कुछ ऐसी थी कि प्रह्लाद बिना जले आग से बाहर आ गया और होलिका , जिसे न जलने का वरदान प्राप्त था, फिर भी जलकर राख़ हो गयी।

पुराणों में निहित कथाएँ केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं बल्कि ज्ञान का भंडार हैं। एक साधारण मनुष्य उन्हें सिर्फ कहानियाँ ही मानता है। सीमित बुद्धि के कारण उसमें इन कथाओं में निहित ज्ञान को जानने की जिज्ञासा ही नहीं होती। और यही इन कथाओं का उद्देश्य भी है कि उनमें छिपे ज्ञान और रहस्यपूर्ण शक्तियों तक एक योग्य साधक ही पहुँच सके। ज्ञान की प्राप्ति और दैविक शक्तियों का अनुभव गुरु द्वारा निर्धारित क्रियाओं और साधनाओं के नियमित अभ्यास से ही संभव हैं। यह सृष्टि पांच तत्वों के संयोजन और सम्मिश्रण से उत्पन्न हुई है। जब शरीर में कोई दोष होता है तभी ये तत्व मिलकर उस शरीर की संरचना करते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, वात, पित्त और कफ ही शरीर के दोष हैं तथा वेदानुसार कोई नकारात्मक विचार या स्वार्थ की भावना ही शरीर में दोष का कारण है।

यही दोष, एक मनुष्य की मूल प्रकृति को निर्धारित करते हैं। तत्वों की शुद्धता और अशुद्धता का स्तर ही एक व्यक्ति की विचार धारा को निर्धारित करता है। अगर तत्व शुद्ध हैं तो विचार उच्चकोटि के होंगे, परमार्थ के होंगे और यदि तत्व अशुद्ध है तो मनुष्य के विचार, स्वार्थ भावना और स्थूल स्तर के होंगे।

पञ्च तत्वों में अग्नि तत्व का उल्लेख, विशेष महत्त्व-पूर्ण है क्योंकि केवल इसी तत्व को दूषित नहीं किया जा सकता। यही एक ऐसा तत्व है जो गुरुत्वाकर्षण के बावजूद ऊपर की ओर उठता है। इसके संपर्क में जो कुछ भी आता है वह शुद्ध और पवित्र हो जाता है। यही अग्नि, मनुष्य का उत्थान करने की क्षमता रखती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि ऋग वेद का पहला शब्द अग्नि ही है।

अग्नि की शक्ति को प्राप्त करने के लिए कुछ विशेष दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं जिसमें होली भी एक है। इस दिन होलिका, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठ गयी थी किन्तु वह एक साधिका थी और अग्नि द्वारा उसके पवित्र होने का समय आ चुका था,इसलिए वरदान होते हुए भी अग्नि ने उसे स्वीकार कर लिया और प्रह्लाद , जो पहले से ही पवित्र और विशुद्ध था, बिना जले बाहर आ गया। जो शरीर पूर्ण रूप से शुद्ध होता है, अग्नि उसको प्रभावित नहीं करती। अग्नि से तात्पर्य स्थूल अग्नि तो है ही साथ ही हमारे जीवन में किसी भी प्रकार की नकारात्मकता, अशांति या विघ्न से भी है।

एक पवित्र देह उच्च लोकों में जाने योग्य है जहाँ उसका संपर्क दैविक शक्तियों से रहता है और ऐसी आत्मा सदैव आनन्द की स्थिति में होती है वहीं एक अशुद्ध शरीर इस सँसार के भोगों को भोगने में व्यस्त रहता है,भोग जो क्षणभंगुर तो हैं ही साथ ही उस प्राणी को रोग की ओर भी ले जाते हैं। ऐसे व्यक्ति को लगता है कि उसका मनोरंजन हो रहा है और उसका समय सही व्यतीत हो रहा है, किन्तु वास्तव में समय ही उसे व्यतीत कर रहा है और रोगों की ओर ले जा रहा है क्योंकि रोग ही तो भोग का विपरीत है। सृष्टि स्वयं भी तो एक दूसरे के विपरीत पहलुओं का ही परिणाम है।

सनातन क्रिया में भी होली के दिन करने के लिए कुछ शुद्दिकरण प्रक्रियाएं दी गयी हैं। इसमें साधक अपने चारों और अग्नि चक्र बना कर, गुरु द्वारा दिए गए मन्त्रों का जाप करते है जिससे तुरंत ही उनमे आत्मिक शुद्धि की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। होली के मुहूर्त के दौरान अश्विनी गुरुजी हमें होली और मंत्रों के बारे में बताएंगे, 13 मार्च, दोपहर 12.30 बजे. अश्विनीजी गुरुजी ध्यान आश्रम के मार्गदर्शक हैं।

– अश्विनीजी गुरुजी
ध्यान आश्रम

होली से पहले इन चीजों को दिखा दें बाहर का रास्ता, वरना पड़ जाएगा रंग में भंग

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा पर होली का पर्व मनाया जाता है। इस साल यह पर्व 14 मार्च 2025 को मनाया जा रहा है। आज हम आपको वास्तु के अनुसार कुछ ऐसी चीजें बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको होली से पहले घर से बाहर कर देना चाहिए, ताकि आपको अच्छे परिणाम देखने को मिलें।

निकाल दें ये चीजें

वास्तु के अनुसार आपको होली के पर्व से पहले अपने घर से पुराने व बेकार कपड़े, जूते-चप्पलों, खराब घड़ी, बर्तन आदि को बाहर कर देना चाहिए, क्योंकि ये चीजें नकारात्मक प्रभाव को बढ़ाने का काम करती हैं। ऐसे में इसका असर आपकी आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इसलिए होली से पहले इन चीजों को घर से बाहर कर देना चाहिए।

बढ़ती है नेगेटिव एनर्जी

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि आपको आपके घर में टूटी हुई या खंडित मूर्ति भी नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि इससे घर में नेगेटिव एनर्जी का फ्लो बढ़ने लगता है, जिसका सीधा असर पर-परिवार की सुख-शांति पर भी पड़ता है। ऐसे में आप दोष से बचने के लिए खंडित मूर्तियों को बहती हुई जलधारा में प्रवाहित कर सकते हैं।

इस चीजों को कर दें बाहर

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत ही पवित्र और पूजनीय माना जाता है। लेकिन वहीं वास्तु के अनुसार, सूखा हुआ तुलसी का पौधा घर में रखना शुभ नहीं माना जाता। ऐसे में आप इस पौधे को किसी पवित्र नदी या तालाब में प्रवाहित कर सकते हैं। इसके स्थान पर नया तुलसी का पौधा लगाएं।

इसे नहीं माना जाता शुभ

वास्तु की मान्यताओं के अनुसार, घर में टूटा हुआ शीशा या फिर कांच रखना भी शुभ नहीं होता। इसलिए जितना जल्दी हो सके इसे अपने घर से बाहर कर देना चाहिए। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आपकी होली खास रहे, तो इस पर्व से पहले टूटा हुआ शीशा या कांच अपने घर से बाहर कर दें।

होली पर इन दो राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

हर साल फाल्गुन पूर्णिमा पर रंगों का त्योहार होली मनाई जाती है, जो के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस साल होली शुक्रवार, 14 मार्च को मनाई जा रही है। होली के एक दिन पहले यानी के छोटी होली गुरुवार, 13 मार्च को मनाई जाएगी।

इस राशि को मिलेगा फायदा

मेष राशि के जातकों को होली के मौके पर लाभ मिलने वाला है। आपके जीवन में आ रही परेशानियों के मुक्ति मिल सकती है। साथ ही आपके लिए करियर में भी तरक्की के योग बन रहे हैं, आपको प्रमोशन मिल सकती है।

लव लाइफ के लिए भी होली का अवसर आपके लिए खास होने वाला है, पार्टनर से संबंध मजबूत होंगे। पैतृक संपत्ति में आपको अपना हिस्सा मिल सकता है। कुल मिलाकर मेष राशि के जातकों के लिए होली और उसके आस-पास का समय बहुत ही शानदार गुजरने वाला है।

बढ़ेगा मान-सम्मान

मिथुन राशि के जातकों के लिए भी होली का समय बहुत ही खास माना जा है। इस दौरान आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा, जिससे आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। परिवार के साथ यात्रा का प्लान बन सकता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ शानदार समय बिताने वाले हैं। आपको आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे और समाज में आपका मान-सम्मान

चंद्र ग्रहण के दौरान न करें ये काम

चंद्र ग्रहण के दिन इसके नकारात्मक प्रभावों से दूर रहने के लिए आप कुछ उपाय कर सकते हैं। हालांकि यह चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा, इसलिए सूतक काल भी मान्य नहीं होगा फिर भी एहतियात के तौर पर कुछ बरती जा सकती हैं।

चंद्र ग्रहण के दौरान पूजा-पाठ करना या फिर देवी-देवताओं की मूर्ति को स्पर्श करना शुभ नहीं माना जाता। इसी के साथ चंद्र ग्रहण के दौरान नुकीली चीजों जैसे कैंची, चाकू और सुई आदि का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। साथ ही ग्रहण के दौरान श्मशान पर जाने से परहेज करना चाहिए।

16 को मनाया जाएगा होली भाई दूज

होली के तुरंत बाद होली भाई दूज मनाया जाता है। यह पर्व हर साल फाल्गुन महीने की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। हालांकि यह उतना प्रसिद्ध नहीं है, लेकिन कुछ जगह इसे धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन बहनें विशेष भोजन तैयार करती हैं और अपने भाइयों का तिलक करती हैं। वहीं, भाई बदले में उपहार देते हैं और हमेशा रक्षा करने का अमिट वादा करते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार, द्वितीया तिथि की शुरुआत 15 मार्च, 2025 की दोपहर 02 बजकर 33 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 16 मार्च 2025 की शाम 04 बजकर 58 मिनट पर होगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस साल होली भाई दूज का पर्व 16 मार्च 2025, दिन रविवार को ही मनाया जाएगा।

तिलक के समय इन बातों को न करें अनदेखा

इस शुभ दिन भाई के माथे पर तिलक करते समय भाई का मुख उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर रहना चाहिए, जबकि बहन का मुख उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

तिलक के दौरान भाई को लकड़ी की चौकी पर ही बिठाएं, किसी कुर्सी या फिर खड़े होने के दौरान तिलक न करें।

तिलक के समय भाई की कलाई पर कलावा जरूर बांधें और उसकी आरती उतारें।

शुभ मुहूर्त पर ही तिलक करें।

तिलक करने से पहले अपने भाईयों से बहनें उपहार न लें।

इस दिन भाई और बहन सात्विक भोजन ही करें।

इस मौके पर तामसिक चीजों से दूर रहें।

इस दिन भाई-बहन आपस में गलती से भी विवाद न करें।

इस दिन अपनी बहन के साथ दूसरों की बहनों का भी सम्मान करें।

होली के बाद इस दिन बुध होंगे वक्री, इन 2 राशियों को निवेश में मिलेगा लाभ

मार्च का महीना कई राशियों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इस माह में कई ग्रह अपनी चाल में बदलाव करने वाले हैं, जिनका असर राशियों पर पड़ेगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार फाल्गुन माह में 13 मार्च को होलिका दहन और 14 मार्च को होली का पर्व मनाया जाएगा। इसके अगले दिन यानी 15 मार्च को बुध ग्रह वक्री (वक्री का मलतब उल्टी चाल से संचरण करना) होने जा रहे हैं।

ज्योतिष गणना के अनुसार, बुध ग्रह के वक्री होने से करियर और व्यापार पर शुभ एवं अशुभ प्रभाव पड़ता है। ऐसे में बुध वक्री होने से वृषभ और कुंभ राशि को कारोबार में बेहद खास लाभ देखने को मिलेगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि बुध के वक्री होने से इन राशियों को किस तरह के लाभ मिलेंगे?

कब होंगे बुध वक्री

बुध 15 मार्च 2025 को दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर वक्री होंगे और अगले महीने यानी 07 अप्रैल को 04 बजकर 36 मिनट पर मार्गी होंगे।

वृषभ – बुध के वक्री होने से वृषभ राशि की किस्मत चमक सकती है। धन प्राप्ति के नए रास्ते खुलेंगे और जॉब के सेक्टर में लाभ देखने को मिलेगा। साथ ही व्यवसाय में वृद्धि के योग बनेंगे। सफलता के नए रास्ते खुलेंगे। शेयर मार्किट में किया गया निवेश में लाभ मिलेगा।

कुंभ – इसके अलवा कुंभ राशि के जातकों को शुभ फल की प्राप्ति होगी। रुके हुए काम जल्द पूरे होंगे। अगर आप किसी काम में निवेश करना चाहते हैं, तो सोच-विचार निवेश करें। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। साथ ही परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लंबे समय चली आ रही खराब आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा।

ऐसे करें बुध ग्रह को मजबूत

अगर आप बुध को मजबूत करना चाहते हैं, तो बुधवार के दिन भगवान गणेश की विधिपूर्वक पूजा करें। साथ ही उन्हें दूर्वा और मोदक अर्पित करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और कुंडली में बुध ग्रह मजबूत होता है।

इसके अलावा बुधवार के दिन गरीब लोगों में हरी सब्जी और धन का दान करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही करियर में सफलता मिलती है।

19 की उम्र में इच्छाधारी नागिन बनी थी रीना रॉय

मम्मी नहीं चाहती थी बेटी करे ये रोल, डर के मारे लोग नहीं आते थे पास

नागिन का किरदार रुपहले पर काफी खास रहा है। फिर रीना रॉय बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय और सुपरहिट नागिन रही हैं। आईएमडीबी के मुताबिक रीना रॉय की मम्मी नहीं चाहती थीं कि उनकी बेटी नागिन का किरदार निभाए। नागिन फिल्म 1976 में रिलीज हुई थी। जिस समय फिल्म बन रही थी उस समय रीना रॉय सिर्फ 19 साल की थीं, यही वजह थी कि उनकी मम्मी नहीं चाहती थी कि कम उम्र में वह इस तरह का किरदार करें। बताया जाता है कि इस किरदार को करने के बाद, रीना रॉय की ऐसी इमेज बन गई थी कि लोग उनके पास जाने से कतराने लगे थे। नागिन रीना रॉय की पहली

बड़ी हिट फिल्म थी।

दिलचस्प यह है कि नागिन फिल्म के लिए डायरेक्टर राजकुमार कोहली को जीतेंद्र सुनील दत्त ने रीना रॉय का नाम सुझाया था। नागिन ने रीना रॉय ऐसी तकदीर पलटी की, फिर उन्हें पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। नागिन मल्टीस्टारर फिल्म थी जिसमें सुनील दत्त, फिरोज खान, विनोद मेहरा, रेखा, जीतेंद्र, संजय खान, मुमताज, कबीर बेदी, विनोद मेहरा, अनिल धवन, योगिता बाली, रंजीत, जगदीप और प्रेमनाथ मुख्य किरदारों में नजर आए थे। नागिन फिल्म का बजट लगभग एक करोड़ 60 लाख और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगभग सात करोड़ रुपये रहा था।

नागिन फिल्म ने रीना रॉय को स्टार बना दिया और बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हो गईं। कहा जाता है कि ये फिल्म फ्रांसुआ ट्रुफॉ की 1968 की फ्रांसीसी फिल्म 'द ब्राइ वोर ब्लैक' पर आधारित थी। यह फिल्म कॉर्नेल वूलरिच के 1940 के उपन्यास 'द ब्राइ वोर ब्लैक' पर बेस्ड थी। नागिन का तमिल में भी रीमेक बना।

साड़ी पहन सोफी चौधरी ने सोशल मीडिया का चढ़ाया पारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपन ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने बलखाती हुई अदाओं में पोज देते हुए अपना हॉट फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं।एक्ट्रेस सोफी चौधरी हमेशा अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।इन फोटोज में आप देख सकते है एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने रिवीलिंग लुक में सिल्वर कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं।खुले बाल को स्टाइलिश लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये कातिल अवतार देखकर फैंस फिर से दीवाने हो गए हैं।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने हर एक अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

खोलगड़े ने अपना नया रोमांटिक सिंगल आवारा बनाने के पीछे की प्रक्रिया साझा की

परेशान, बलम पिचकारी, लत लग गई जैसे गानों के लिए मशहूर गायिका-गीतकार शालमली खोलगड़े ने अपना नया हिंदी ट्रैक आवारा रिलीज़ किया। यह रोमांटिक सिंगल प्यार की कच्ची और परिवर्तनकारी शक्ति को खूबसूरती से दर्शाता ने गीत के निर्माण की प्रक्रिया का विश्लेषण किया तथा बताया कि इसे किस प्रकार जीवंत बनाया गया।गाने के बारे में बात करते हुए, शाल्मली ने कहा, आवारा पहले एक मराठी गाना था जिसका नाम हा वारा था, जिसे मैंने 2020 में जून नामक एक मराठी फिल्म के लिए किया था। मुझे तब पता था कि किसी समय मुझे इसे हिंदी में लिखना होगा। जब राजन बत्रा ने गीत लिखने के लिए कदम रखा, तो ऐसा लगा जैसे स्वर्ग में बनी जोड़ी हो। राजन की मीटर, धुन और गीत के अर्थ की समझ, रचना की मांग के अनुसार भावना को सामने लाती है।उन्होंने आगे बताया, वह अपने शब्दों के साथ निपुण हैं। इसके साथ ही मराठी फिल्म जून में अभिनय करने वाले सिद्धार्थ मेनन ने भी संगीत वीडियो में काम करने का फैसला किया, जिससे मुझे लगा कि मैं इस गीत को प्रस्तुत करने का इससे बेहतर नहीं खोज सकती थी। इस गीत पर जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, उनके साथ मुझे कुछ खूबसूरत दोस्ती और सौहार्द का अनुभव हुआ है।राजन बत्रा के बोल इस ट्रैक में भावनात्मक गहराई जोड़ते हैं और इसकी धुन गीत के खत्म होने के बाद भी लंबे समय बनी रहती है। आवारा श्रोताओं को एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ प्यार साधारण पलों को असाधारण बना देता है।

हाल ही में, शाल्मली ने काला घोड़ा कला महोत्सव में मुख्य कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें उन्होंने एक शानदार लाइव प्रदर्शन किया, जिसने हज़ारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर इसके अलावा, वह अंतर्राष्ट्रीय और स्वतंत्र कलाकारों के साथ शैली-तरल सहयोग में सबसे आगे रही हैं, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा और कलात्मक विकास का प्रदर्शन हुआ है।आवारा के साथ, शाल्मली एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में खुद को फिर से स्थापित करना जारी रखती है, यह साबित करते हुए उसका संगीत सिर्फ सुनने से कहीं ज़्यादा है, इसे गहराई से महसूस किया जाता है। आवारा सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म और शाल्मली के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

केतिका शर्मा के ग्लैमरस गाने के साथ शुरू होगा रॉबिनहुड का प्रमोशन

साउथ अभिनेता नितिन की आगामी फिल्म रॉबिनहुड की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे ही फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां भी सामने आ रही आज निर्माताओं ने फिल्म में केतिका शर्मा के डांस होने की पुष्टि एक पोस्टर के जरिए की।नितिन की नई फिल्म रॉबिनहुड एक एक्शन और कॉमेडी से भरपूर फिल्म होगी, जिसे कई बार किन्हीं कारणों से टाला गया है। अब फाइनली निर्माताओं के अनुसार, यह फिल्म 28 मार्च, 2025 को में रिलीज होगी। इस फिल्म को वेंकी कुदुमुला ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में साउथ अभिनेता नितिन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में नितिन के साथ पुष्पा फेस सॉन्ग किसिक अभिनेत्की श्रीलीला अहम भूमिका में नजर आएंगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में फिल्म के निर्माता ने कहा कि यह नितिन की सबसे शानदार फिल्म होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि नितिन और श्रीलीला की जोड़ी पोकिरी फिल्म के महेश बाबू और इलियाना की जोड़ी की याद दिलाएगी। फिल्म में खूबसूरत अभिनेत्री केतिका शर्मा एक खास डांस नंबर में नजर आएंगी। इस गाने की घोषणा ही की जा चुकी थी, लेकिन फिल्म के टलने की वजह से इसे रिलीज नहीं किया गया। अब यह खास गाना 10 मार्च को रिलीज होगा। फिल्म निर्माताओं ने आज केतिका का एक शानदार डांसिंग मूव पोस्टर जारी किया है। गाने का शीर्षक है आधी धा सरप्रिसु, जिसके बोल बोस ने लिखे हैं और डांस मूव्स शेखर मास्टर ने तैयार किए हैं। फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर जीवी प्रकाश कुमार हैं। 28 मार्च की रिलीज से पहले कई इवेंट्स की योजना बनाई गई है। रॉबिनहुड को माइथ्री मूवी मेकर्स ने बनाया है।

फिल्म इंडस्ट्री में समान अवसर मिलेगा तभी सशक्त बनेंगी महिलाएं : मोना सिंह

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अभिनेत्री मोना सिंह ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर बात की। अभिनेत्री का मानना है कि इंडस्ट्री में महिलाएं तभी सशक्त बन सकती हैं, जब उन्हें भी मुख्य किरदार मिले, समान अवसर मिले।

मोना ने कहा, मेरी राय में हमारे मनोरंजन जगत में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बदलाव महिलाओं के प्रतिनिधित्व और उसकी विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही अधिक समान अवसर मुहैया कराने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर, उन्हें अधिक बारीक या अलग हटकर भूमिका निभाने की छूट देकर उनके लिए बेहतर किया जा सकता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री लोकप्रिय टीवी शो 'जस्सी जैसी कोई नहीं' में शानदार काम कर घर-घर छा गईं। शो में उनका किरदार आज भी भूला नहीं जा सकता है। उन्होंने शो में एक सेक्रेटरी की भूमिका निभाई, जो आंखों पर मोटा चश्मा, लगाए नजर आई, जिसमें कॉन्फिडेंस की कमी रहती है। टीवी के साथ ही मोना सिंह कई फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। 'जस्सी जैसी कोई नहीं' के बाद वह रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' के पहले सीजन में नजर आईं, जिसकी वह विजेता भी रहीं। 'फेमिना मिस इंडिया' और 'झलक दिखला जा 2' को भी होस्ट कर चुकी हैं।

टीवी जगत में सफल होने के बाद अभिनेत्री साल 2009 में बॉलीवुड में एंट्री कीं। उन्होंने राजकुमार हिरानी की कॉमेडी-ड्रामा '3 इडियट्स' (2009) में सहायक भूमिका निभाई। उनके किरदार को दर्शकों ने पसंद किया। इस दौरान मोना ने कई और भी फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई। उन्होंने 'लाल सिंह चड्ढा' और 'मुंज्या' जैसी फिल्में की। उन्होंने फिल्म लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान की मां की भूमिका निभाई थी। साथ ही वह वेब सीरीज 'मेड इन हेवन' और 'काला पानी' में भी अहम किरदार में नजर आईं। मोना सिंह साल 2012 में फोर्ब्स इंडिया की 100 सेलिब्रिटी की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी हैं।

मानसिक स्वास्थ्य ने मुझे कमजोर बना दिया

गायिका लेडी गागा का खुलासा

अभिनेत्री-गायिका लेडी गागा ने बताया है कि पांच साल पहले उन्हें मनोविकृति का अनुभव हुआ था। 'मिरर.को.यूके' की रिपोर्ट के अनुसार, 38 वर्षीय गायिका और अभिनेत्री ने न्यूयॉर्क टाइम्स के द इंटरव्यू पॉडकास्ट पर अपने मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह कुछ समय के लिए वास्तविकता से कट गई थीं।

हालांकि, उन्होंने अपने अब के मंगेतर माइकल पोलांस्की के साथ इस कठिन समय से उपजे एक 'विशेष' पल के बारे में भी बात की। 'मिरर.को.यूके' के अनुसार, 'पोकर फेस' गायिका ने बताया कि पांच साल पहले, मुझे मनोविकृति हुई थी। मैं कुछ समय के लिए वास्तविकता से गहराई से जुड़ी नहीं थी। इसने मुझे जीवन से पूरी तरह से दूर कर दिया, और कई सालों की कड़ी मेहनत के बाद मैंने खुद को वापस पाया। उन्होंने बताया कि माइकल से मिलना उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

उन्होंने बताया कि यह एक कठिन समय था और वास्तव में यह बहुत खास था जब मैं अपने साथी से मिली, क्योंकि जब मैं माइकल से मिली, तो मैं बहुत बेहतर स्थिति में थी, लेकिन मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे बहुत पहले कहा था, 'मुझे पता है कि तुम जितनी खुश हो, उससे कहीं अधिक खुश हो सकती हो। सप्ताह की शुरुआत में अपना सातवां स्टूडियो एल्बम रिलीज करने वाली लेडी गागा ने स्वीकार किया कि ये शब्द सुनना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि मेरे लिए उसे यह कहते हुए सुनना वाकई मुश्किल था, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि वह मेरे बारे में ऐसा सोचे। मैं चाहती थी कि वह मुझे एक खुशमिजाज़, पूरी तरह से एकजुट व्यक्ति की तरह समझे। माइकल के चरित्र की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, जिस क्षण से मैं माइकल से मिली, वह शायद मेरे पूरे जीवन में मिले किसी भी व्यक्ति की तुलना में सबसे गर्मजोशी और दयालु स्वभाव का है। अपने खुलेपन के बावजूद, पुरस्कार विजेता गायिका ने स्वीकार किया कि अपने मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करना उनके लिए आसान नहीं है। उन्होंने कहा, यह ऐसी चीज है जिसके बारे में बात करना मेरे लिए मुश्किल होता जा रहा है। मुझे इससे परिभाषित होने से नफरत है। ऐसा लगा कि मुझे इस पर शर्म आ रही है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगर हम ऐसे समय से गुजरते हैं, तो हमें शर्मिंदा होना चाहिए। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि यह बेहतर हो सकता है। मेरे लिए यह बेहतर हुआ और मैं इसके लिए आभारी हूं।

खेल केवल चैंपियन नहीं बनाते बल्कि शांति, प्रगति और कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं : सैनी

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल मात्र पदक जीतने का ही नहीं है बल्कि लोगों का दिल जीतने का माध्यम भी हैं। खेल केवल चैंपियन ही नहीं बनाते बल्कि यह शांति, प्रगति और कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं। ये दुनिया को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मचारियों से अपील की कि वे खेल भावना को मैदान तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन में भी अपनायें। अनुशासन, समर्पण और टीम वर्क को कर्तव्य में समाहित करें।

मुख्यमंत्री आज जिला करनाल में मधुबन पुलिस अकादमी में 73वीं अखिल भारतीय पुलिस वालीबॉल समूह 2024-25 के समापन अवसर पर आयोजित पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन है बल्कि पुलिस बल के अनुशासन, एकता और समर्पण का भी प्रतीक है। खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं बल्कि अनुशासन, टीम वर्क, धैर्य और आत्मबल को विकसित करने का महत्त्वपूर्ण माध्यम भी हैं। ये न केवल शारीरिक दक्षता को बढ़ाते हैं बल्कि अनुशासन भावना और मानसिक शक्ति को भी मजबूत करते हैं। साथ ही विपरीत परिस्थितियों में खड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल पुलिस बलों को कर्तव्यों का पालन करने में सहायक होते हैं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की 35 टीमों के 1088 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें से 791 पुरूष, 297 महिला और 65 तकनीकि अधिकारी भी शामिल हैं। नायब सिंह सैनी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस कर्मचारी देश की आंतरिक सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा में दिन-रात लगे रहते हैं। प्राकृतिक आपदा, कानून व्यवस्था अथवा आपात स्थिति में जन सहयोग की बात हो, पुलिस अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहती है। पुलिस न केवल कर्तव्यों को निभा रही है बल्कि खेलों में भी अमिट छाप छोड़ रही है। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को दक्षता व क्षमता का साबित करने का अवसर तो मिला ही है, साथ ही एक दूसरे की भावनाओं, मान्यताओं तथा रहन सहन की जानकारी भी मिली है। इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल और पुलिस बल का गहरा संबंध है। एक अच्छा सिपाही अच्छा खिलाड़ी भी होता है। खेल फिटनेस को भी बनाये रखते हैं। खिलाड़ियों के दम खम पर भारत आज ओलंपिक तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेलों में बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। हरियाणा के खिलाड़ियों को इनमें सर्वाधिक योगदान रहा है। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा के 11 खिलाड़ियों को सम्मानित किया।नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2024 में पेरिस में आयोजित ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते गये 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने प्राप्त किये। टोक्यो ओलंपिक 2020 में जीते 7 में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किये। वर्ष 2022 के एशियाई खेलों में जीते गये 111 में से 28 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने प्राप्त किये। इतना ही नहीं 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में भी हरियाणा ने 20 पदक जीते। यह सरकार की दूरदर्शी खेल नीति का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिये हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021 बनाये हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नये पद बनाये गये हैं। अब तक 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों के लिये श्रेणी एक से चार तक की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया है। हरियाणा पहला ऐसा राज्य है जहां पदक जीतने वालों को नकद पुरस्कार दिया जाता है।

दादूपुर नलवी को लेकर विपक्ष कर रहा गुमराह

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में कांग्रेस विधायकों ने प्रदेश के तमाम मुद्दों को लेकर जोरदार हंगामा किया। इसमें एक मुद्दा 'दादूपुर नलवी' को लेकर भी था। जिस पर विपक्ष ने सरकार से जवाब मांगा। 'दादूपुर नलवी' मामले को लेकर विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से बात की।

नायब सैनी ने कहा कि इस मामले पर मैं कहना चाहता हूं कि 'दादूपुर नलवी' के मामले पर सरकार की तरफ से हमेशा जवाब दिया गया है। लेकिन, मैं कहना चाहता हूं कि जब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं रहता है, तो इस तरह के मुद्दों को हवा देते हैं। सैनी ने कहा कि उच्च न्यायालय के 76 पेज के फैसले में कहीं पर भी नहीं लिखा है कि दोबारा नहर बनाई जाए। विपक्ष इसे लेकर लोगों को गुमराह कर रहा है कि दोबारा नहर बनाने का आदेश दिया गया है।

राज्य सरकार ने पिछले 10 वर्षों में हर घर नल से जल उपलब्ध करवाने का काम किया

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के लोगों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करवाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत राज्य सरकार ने पिछले 10 वर्षों में हर घर - नल से जल उपलब्ध करवाने का काम किया है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज विधानसभा सत्र के दौरान विधायक अर्जुन चौटाला द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

उन्होंने बताया कि रानियां निर्वाचन क्षेत्र में नहर आधारित जलापूर्ति योजनाओं और ट्यूबवेल आधारित जलापूर्ति योजनाओं के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। रानियां निर्वाचन क्षेत्र में 72 गांव और 25 ढाणियां हैं और इनमें 48 नहर आधारित जलापूर्ति योजनाओं और 38 ट्यूबवेल आधारित जलापूर्ति योजनाओं के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है, जिनमें से 35 ट्यूबवेल आधारित जलापूर्ति योजनाएं अब तक संबंधित ग्राम पंचायतों को सौंप दी गई हैं। उन्होंने बताया कि जिन गांवों में पेयजल में टीडीएस की मात्रा अधिक है वहां की जलापूर्ति को नहर आधारित परियोजनाओं में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र से पिछले कुछ समय में पेयजल के 765 सैंपल लिए गए, जिनमें से 39 सैंपल फेल पाए गए। जिन क्षेत्रों सैंपल फेल पाए गए, वहां पर जलापूर्ति को नहर आधारित जलापूर्ति परियोजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर जिले में एक-एक वाटर टेस्टिंग लेबोरेटरी स्थापित की गई हैं।

जनता के दिलों पर राज करते हैं सैनी : बड़ौली

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)।
नायब सैनी को मुख्यमंत्री बने हुए एक साल पूरा होने पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नायब सैनी 'नायाब' मुख्यमंत्री है और अपने एक साल के कार्यकाल में ही नायब सैनी ने अपनी एक अनूठी और नायाब पहचान बनाई है। बडौली ने कहा कि सीएम के तौर पर सैनी का पहला साल, बेमिसाल रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले 12 मार्च को ही भारतीय जनता पार्टी ने नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुनकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में उनके चेहरे पर ही बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीता और फिर नायब सैनी दूसरी बार सीएम बने।

मुख्यमंत्री के रूप में एक साल पूरा करने पर भाजपा अध्यक्ष ने ख़ुशी जताते हुए कहा कि नायब सैनी ने हरियाणा के लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी है। नायब ने अपने पहले साल के कार्यकाल में ही हरियाणा के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कई कमाल किए है। बडौली ने सीएम की तारीफ करते हुए कहा कि आम जनता से सहज होकर मिलना, मुख्यमंत्री निवास को हमेशा आमजन के लिए खुले रखने जैसे निर्णय और जनहित में दिन रात काम करने की उनकी कार्यशैली को लोगों ने काफी सराहा है।

खरखौदा को मिलेगा स्वच्छ जल, 26.46 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत!

चंडीगढ़,11 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने विधानसभा में बताया कि खरखौदा में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए 4 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) क्षमता के अतिरिक्त जल उपचार संयंत्र के निर्माण तथा छूटी हुई स्वीकृत कॉलोनियों में वितरण प्रणाली बिछाने के लिए 26.46 करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है और ये कार्य वर्ष 2026 तक पूरे कर लिए जायेंगे। मंत्री गंगवा आज हरियाणा विधानसभा के चल रहे बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान खरखौदा के विधायक पवन खरखौदा के प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार खरखौदा की कुल जनसंख्या 25,051 व्यक्ति है। वर्तमान में, कस्बे में पीने के पानी की आपूर्ति रोहतक रोड और दिल्ली रोड पर स्थित क्रमशः 2.27 एमएलडी और 4.54 एमएलडी क्षमता के दो मौजूदा नहर आधारित जल कार्यों के साथ-साथ 1 ट्यूबवेल से की जा रही है। कस्बे में वर्तमान पेयजल आपूर्ति की स्थिति 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन है। उन्होंने बताया कि कस्बे का लगभग 90% क्षेत्र पेयजल और 80% क्षेत्र सीवरेज सुविधाओं से युक्त है। वर्तमान में शहर में 4.5 एमएलडी क्षमता का एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) मौजूद है, जिसे एचएसपीसीबी द्वारा निर्धारित उपचारित अपशिष्ट के नवीनतम मानकों के अनुसार सीवेज को उपचारित करने के लिए अपग्रेड किया गया है।

अलवर में बनेगा हाई-टेक दूध डेयरी प्लांट : भूपेंद्र यादव

अलवर ,11 मार्च (एजेंसियां)।
राजस्थान के अलवर जिले में दुग्ध उत्पादन और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बड़े डेयरी प्लांट की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि इस हाई-टेक डेयरी प्लांट के लिए 225 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, जिससे क्षेत्र के किसानों और दुग्ध उत्पादकों को सीधा लाभ मिलेगा।

भूपेंद्र यादव ने कहा कि सांसद के रूप में कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने वाला है। इस दौरान उन्होंने अलवर लोकसभा क्षेत्र के सभी गांवों का दौरा कर विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि लोकसभा क्षेत्र की 391 ग्राम पंचायतों में योजनाबद्ध तरीके से बैठकें की जाएंगी, ताकि हर पंचायत को समान अवसर मिले।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कोई एक व्यक्ति बहुत कुछ नहीं कर सकता है, लेकिन एक अच्छी टीम बहुत कुछ कर सकती है। जैसा कि मेरा सौभाग्य है और मुझे अच्छी टीम मिली है, मेरी टीम बढ़िया काम कर रही है। हमने तय किया है कि मार्च में चार-चार पंचायतों को मिलाकर एक कार्यक्रम करेंगे। मेरी लोकसभा क्षेत्र में 391 ग्राम पंचायतें आती हैं।

हफ्ता वसूली के आरोपों में घिरी मंडी सचिव निलंबित

दौसा,11 मार्च (एजेंसियां)।
व्यापारियों को धमकाने और हफ्ता वसूली के आरोपों से घिरी कृषि उपज मंडी समिति, मंडावरी की पूर्व सचिव संतोष कुमारी मीणा को निलंबित कर दिया गया है।

निदेशक कृषि विपणन राजेश कुमार चौहान ने बताया कि मीणा के खिलाफ व्यापारियों की शिकायतों के आधार पर जांच कराई गई थी। जयपुर संभाग के क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि संतोष कुमारी मीणा ने दौसा मंडी प्रांगण में एक व्यापारी को जबरन प्लेटफार्म खाली करने के लिए धमकाया था। इस संबंध में एक ऑडियो-वीडियो प्रमाण भी मिला, जिसमें मीणा स्पष्ट रूप से दिख और सुनाई दीं। इसके अलावा, अन्य कर्मचारियों से कराई गई पहचान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मीणा पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर पद का दुरुपयोग करने, व्यापारियों को धमकाने और अपशब्द कहने के आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए गए।इन आरोपों के मद्देनजर संतोष कुमारी मीणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

चुनावी प्रक्रियाओं को अधिक मजबूत करने की दिशा में विमर्श के लिए

निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया

जयपुर,11 मार्च (एजेंसियां)।
भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया से सम्बंधित किसी भी मुद्दे के समाधान के लिए देश के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय राजनीतिक दलों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। ये सुझाव 30 अप्रैल, 2025 तक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) या मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर दिए जा सकते हैं।

आयोग की ओर से मंगलवार 11 मार्च को विभिन्न राजनीतिक दलों को लिखे एक पत्र में प्रचलित कानूनों के अनुसार चुनावी प्रक्रियाओं को अधिक मजबूत करने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ सदस्यों को बातचीत और विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पिछले सप्ताह आयोग द्वारा आयोजित निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को भी निर्देश दिए थे कि वे राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठक करें तथा ऐसी बैठकों में प्राप्त किसी भी सुझाव पर पहले से मौजूद कानूनी ढांचे के भीतर ही समुचित कार्यवाही करें। कुमार ने इस विषय में राज्यों से 31 मार्च, 2025 तक आयोग के समक्ष कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आयोग ने अब राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया है कि वे देश भर में निचले स्तर तक मौजूद इस विकेंद्रीकृत चुनावी तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करें।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के फेज-4 में

राजस्थान के 1630 गांव-ढाणियों को पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा : दिया कुमारी

जयपुर,11 मार्च (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण में प्रदेश की लगभग 1630 बसावटों को पक्की सड़कों से जोड़ा जायेगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि अनुमानित 3 हजार 500 करोड़ की लागत से लगभग 5 हजार किमी पक्की सड़कों का निर्माण करवाकर दूरदराज के गांवों, ढ़ाणियों/बसावटों को सर्वकालिक सड़कों से जोड़ा जायेगा।

उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्तर्गत स्थापित राजस्थान ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश की सभी बसावटों को सर्वकालिक पक्की

सड़कों से जोडना हमारी पहली प्राथमिकता है। इससे न केवल परिवहन सुगम एवं तीव्र होगा बल्कि आर्थिक विकास के भी नये द्वार खुलेगें ।उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस प्रकार पीएमजीएसवाई चतुर्थ चरण में सड़कों के सर्वे में प्रदेश देश में शीर्ष पर रहा है, उसी गति से सड़क निर्माण में भी काम करवायें ओर प्रदेश को देश में शीर्ष स्थान पर लायें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय से यथाशीघ्र स्वीकृतियां प्राप्त करके शीघ्र सड़कों का निर्माण शुरू करवायें।

गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के अन्तर्गत प्रदेश की 1630 ग्रामीण बसावटों में सड़कों हेतु सर्वे का कार्य 31 जनवरी से पूर्व ही करवाया जा चुका है। देश में राजस्थान द्वारा यह सर्वे सबसे पहले पूरा करवाया गया है। इसके तहत 1374 मरूस्थलीय, जनजातीय एवं आशान्वित जिला/ब्लॉक कार्यक्रम के अन्तर्गत चिन्हित बसावटों, 500 से 999 आबादी की 191 बसावटों, 1000 एवं उससे अधिक की 30 बसावटों तथा धरती आभा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अन्तर्गत 35 बसावटों को सर्वकालिक पक्की सड़कों से जोड़ा जायेगा। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी व्यक्त की प्रदेश का पीएमजीएसवाई के अन्तर्गत निर्मित सड़कों में लम्बाई के दृष्टिकोण से देश में दूसरा स्थान है। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम के तहत करवाये जा रहे सड़क निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने के निर्देश भी दिए।इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टी सी गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज कुछ अप्रिय घटना घट सकती हैं जो आप को चिंतित कर देगी । अतः आपको सावधान रहना होगा। बुजुर्गों की सेवा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कोई भी काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा। कारोबार ठीक चलेगा। नई जानकारी मिलेगी। विद्यार्थियों की समस्या दूर होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार के कारण भागमदौड़ रहेगी । आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखें । जीवनसाथी की आवश्कताओं का ध्यान रखें। वाणी पर नियंत्रण रखना का प्रयास करें। किसी मित्र से मुलाकात होगी। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा तनाव लेने से बचें। कुसंगति से हानि हो सकती है । युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। किसी कारणवश यात्रा का योग बनेगा यात्रा पर जाने से पहले दही का सेवन करके ही निकलें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जिससे आप की कोई पहचान नही हैं आप को चिंता घेर सकती हैं अनजान लोगों की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर में किसी से बह हो सकती है। बीमारी से परेशान होना पड़ सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी परेशानी के चलते परिजनों को दिक्कत हो सकती है। आज ज्यादा खर्च हो सकता है। खानपान पर नियंत्रण रखें।आज आप किसी कार्य में निवेश कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। आज बेरोजगारी दूर होगी धन आने के नये स्त्रोत बनेंगे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन कुछ मुश्किलों वाला होगा उलझन आप को परेशान करेगी । सगे संबधियों से विवाद हो सकता है। आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आपको किस्मत का साथ नहीं मिलेगा। घर परिवार में किसी सेहत संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। आपका व्यवसाय ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लेनदेन करते समय सावधान रहें। आपको पदोन्नति मिल सकती है। बच्चे परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाए आप का दिन मनोरंजन मे बितेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप नयी योजनाओं की रुप रेखा तैयार करें सभी योजनाएं लाभ देंगी और दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपके व्यवहार की सराहना होगी। सकारात्मक रहेंगे। मतभेद हो सकते हैं। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन उलझन वाला साबित हो सकता है। युवाओं को सफलता मिलेगी। शासकीय मामले आगे बढ़ेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात होने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए जो वास्तव मे जरूरतमंद हो आप का मन प्रफुल्लित रहेगा की । सेहत ठीक रहेगी। प्रभु की आराधना में मन लगेगा। अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। आज किसी पर संदेह कर सकते है। जोखिम लेने से बचें। रिश्तेदारों से अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज सोच समझकर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय बिताएं। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। आलस्य को जीवन से दुर ही रखें धन आने के रास्ते खुलेंगे

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज किसी भी धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे उपयोग करें किसी मित्र से मुलाकात होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप अपनी संगति को सही रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप की वजह से कुछ लोगों के काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। किसी से मुलाकात हो सकती है। बच्चों पर क्रोध करने से आप को बचना चाहिए बच्चों की प्रसन्नता आप का भाग्य बना देगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज धोखाधड़ी होने की आशंका हैं सावधानी बरते। आपको भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। अनजान लोगों की वजह से नुकसान होने की आशंका है। कामकाजी लोगों का तबादला हो सकता है। नई योजना शुरू न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। कार्य क्षेत्र मे भी किसी तरह से नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद उभर सकता है। ऐसे कोई भी काम नही है जो आप अपनी महनत के दम पर पूरा नही कर सकते हैं कर्म ही भाग्य बनाता हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप रोज सुबह ब्रह्म मुहूर्त मे जागकर ध्यान लगाए जीवध मे नयी उर्जा आएगी और दिन शानदार रहेगा। आप सकारात्मकर रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। रूके हुए कार्य पूरे होंगे। सेहत को सुधारने के लिए आप योग-व्यायाम शुरू कर सकते हैं। अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की किसी सहयोगी के साथ बहस हो सकती है। तनाव हो सकता है। छात्रों को लाभ होगा। लेनदेन करते समय लापरवाही न करें। प्रसन्नता रहेगी। शिव-पार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखी रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज दीन-हीन बच्चों की जरुरत को पूरा करें ग्रहों का दोष दूर होगा दिन अनुकूल नही हैं । किसी परेशानी का सामना कर सकते हैं। व्यवसाय में मंदी का सामना करेंगे। आर्थिक स्थिति में बदलाव होगा। अनजान लोगों की वजह से आपको हानि हो सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी। किसी मित्र के साथ घूमने जा सकते हैं। खानपान का ध्यान रखें। सेहत ठीक नहीं रहेगी। बुजुर्ग का आशीर्वाद मिलेगा। आप जीवनसंगिनी की बातों को लेकर ज्यादा उत्तेजित होने की आवश्यकता नही हैं धैर्य से काम लेना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को गलत खानपान से दूर रहना होगा कुसंग जीवन मे नही होना चाहिए । अपने मित्रों के साथ दिन बिता सकते हैं । किसी रिश्तेदार की मदद कर सकते हैं। सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दिनभर कई लोगों से मुलाकात होगी। दफ्तर में अफसर आपकी सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रसन्नता के क्षण आएंगे। आज आप अपने पार्टनर को सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। रिश्ता तय हो सकता है। काम से थकान महसूस हो रही हैं तो एक दिन का अवकाश लेकर अपने बच्चों के साथ समय बिताए एकदम तंदूरस्ती आ जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बगैर टेंशन का काम करें जोखिम उठाने से बचें क्योंकि आप को नुकसान होने की सम्भावना है। यात्रा को टालने का प्रयास करें। आज ज्यादा खर्च होगा। धर्म-कर्म में मन लगेगा। आज स्वास्थ्य को लेकर आप चिंता में रहेंगे। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति में तेजी लानी होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। दानपुण्य कर सकते हैं। दफ्तर में खुशखबरी मिलेगी। जीवन के तनाव को दूर करने के लिए लोगों की मदद करने का स्वभाव बनाए आन्तरिक खुशी और प्रसन्नता मिलेगी।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 12 मार्च 2025, बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रातः 09:14 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 04:06 तक
योग : सुकर्मा दोपहर 02:59 तक
करण : तैतिल प्रातः 09:14 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : होलाष्टक चालू है
गण्डमूल रात्रि 04:06 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नेपाल में लाखों लोग सड़कों पर उतरे, गूंजी मांग

राजशाही वापस लाओ, हिंदू राष्ट्र वापस लाओ

काठमांडू, 11 मार्च (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश नेपाल में इन दिनों लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं। लोग फिर से चाहते हैं कि इस देश में राजशाही का दौर वापस आए। नेपाल में जगह जगह पर पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का जोरदार स्वागत हो रहा है। राजशाही वापस लाने की मांग करने वाले लाखों लोग पिछले दिनों पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में काठमांडू की सड़कों पर उतरे। इन लोगों की मांग थी कि राजशाही को फिर से स्थापित किया जाए और नेपाल में हिंदू धर्म की भी राजधर्म के रूप में वापसी हो। ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में लगभग हजारों लोग काठमांडू के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। गैर सरकारी आकलन है कि पूर्व नरेश का स्वागत करने के लिए आए लोगों की संख्या 4 लाख थी।

ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में आए लोगों ने, राजा के लिए शाही महल खाली करो, राजा वापस आओ और देश बचाओ, हमारे प्यारे राजा अमर रहें, हम राजशाही चाहते हैं के नारे लगाए। इससे पहले पोखरा में भी ऐसे ही नारों के साथ पूर्व राजा का भव्य स्वागत किया गया था। इस दौरान राजशाही की समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के भी कई बड़े नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। ज्ञानेंद्र शाह पिछले दो महीने से राजधानी काठमांडू से बाहर थे। लोगों ने राजशाही के समर्थन में नारे लगाने के साथ ही प्रधानमंत्री केपी ओली के खिलाफ भी

पूर्व नरेश के स्वागत में काठमांडू में जुटा जनसैलाब

नारेबाजी की। प्रधानमंत्री केपी ओली ज्ञानेंद्र शाह को चुनौती दे चुके हैं कि अगर राजा सत्ता में आना चाहते हैं तो वह अपना राजनीतिक दल बनाएं और चुनाव लड़ें।

प्रधानमंत्री केपी ओली ने हाल ही में कहा था कि कुछ लोग इन दिनों राजतंत्र या राजशाही की बहाली के नारे लगा रहे हैं लेकिन ऐसा होना संभव नहीं है।

नेपाल दुनिया का आखिरी हिंदू राजतंत्र था। यहां के राजा महाशिवरात्रि के मौके पर सेना का निरीक्षण करते थे और इंद्र जात्रा उत्सव के दौरान संरक्षक देवी कुमारी का आशीर्वाद लेते थे। 2006 में हुए जन आंदोलन के बाद नेपाल में राजशाही का अंत हो गया था। नेपाल 240 सालों तक एक हिंदू राष्ट्र रहा लेकिन 2008 में इसे लोकतांत्रिक देश घोषित कर दिया गया। लेकिन अब नेपाल के लोग फिर से राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की पुनरस्थापना की मांग कर रहे हैं।

नेपाल में 2008 में राजशाही का दौर खत्म हो गया था और उसके बाद से यहां पर 13 अलग-अलग सरकारें आ चुकी हैं। नेपाल में कई लोगों का मानना है कि यहां लोकतंत्र का मौजूदा शासन फेल हो गया है और भ्रष्टाचार, आर्थिक तंगी और राजनीतिक अस्थिरता के हालात हैं। इस वजह से लोग इस पड़ोसी मुल्क में राजशाही की वापसी चाहते हैं। कई ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने कुछ साल पहले राजशाही का विरोध किया था लेकिन अब उन्हें ऐसा लगता है कि ज्ञानेंद्र शाह को एक बार फिर देश की कमान संभालनी चाहिए। काठमांडू के हालात देखकर ऐसा लगता है कि ज्ञानेंद्र शाह को बड़ा समर्थन मिल रहा है लेकिन नेपाल में राजशाही का वापस लौटना इतना आसान नहीं है क्योंकि अब यह एक लोकतांत्रिक मुल्क बन चुका है और मुख्यधारा के राजनीतिक दल नहीं चाहते कि नेपाल में राजशाही बहाल हो।

नेपाल पहले कई छोटी-छोटी रियासतों में बंटा था लेकिन 1768 में राजा पृथ्वी नारायण शाह ने इन्हें एकजुट कर नेपाल की स्थापना की। 1800 तक नेपाल पर रीजेंट्स और स्वयंभू प्रधानमंत्रियों का शासन रहा लेकिन वे हमेशा शाह वंश के नाम पर ही सत्ता चलाते रहे। 1950 में राजा त्रिभुवन शाह खुद को राजनीतिक भूमिका में ले आए। इसके बाद से ही नेपाल में शाह वंश के राजाओं का शासन रहा जो 2006 में हुए आंदोलन के बाद खत्म हो गया था। नेपाल में जब भी हिंदू राजतंत्र या हिंदू राजशाही की बात आती है तो राजा त्रिभुवन शाह के बेटे महेंद्र शाह का नाम जरूर सामने आता है।

महेंद्र शाह ने न सिर्फ नेपाल का आधुनिकीकरण किया बल्कि हिंदू राजतंत्र के विचार को भी मजबूत किया। महेंद्र शाह ने नेपाल को राष्ट्रवाद के सूत्र के तहत एकजुट करने की कोशिश की, उनके राष्ट्रवाद का सूत्र था एक राजा, एक देश, एक भाषा।

1990 में नेपाल में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए और इसके तहत राजा बीरेंद्र शाह ने नेपाल को राजतंत्र से संवैधानिक राजतंत्र बनाने पर सहमति जताई और कहा कि देश की संसद को सत्ता साझा करने की इजाजत दी जाएगी। लेकिन इस समझौते के बावजूद नेपाल में असंतोष का स्वर बना रहा। 90 के दशक में नेपाल में माओवादी विद्रोह हुआ। माओवादी विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक पुष्प कमल दहल प्रचंड भी थे जो बाद में नेपाल के प्रधानमंत्री बने।

जून, 2001 को नेपाल में एक दुखद घटना घटी। काठमांडू स्थित नारायणहिती राजमहल में राजा बीरेंद्र, रानी ऐश्वर्या और शाही परिवार के आठ अन्य सदस्यों की हत्या कर दी गई। क्राउन प्रिंस दीपेंद्र ने पूरे परिवार की हत्या करने के बाद खुद को गोली मार ली थी। वह अपनी होने वाली पत्नी के चयन से नाराज थे और नशे में धुत्त होकर उन्होंने इस नरसंहार को अंजाम दिया था। मरने से पहले कुछ समय के लिए जब दीपेंद्र कोमा में थे तो वह राजा बने लेकिन उनकी मौत के बाद ज्ञानेंद्र शाह को 2002 में राजा घोषित किया गया। 2005 में राजा ज्ञानेंद्र शाह ने नेपाल में सरकार और संसद को भंग कर दिया था और कई राजनेताओं और पत्रकारों को जेल में डाल दिया था। इसके साथ ही उन्होंने नेपाल में आपातकाल भी लागू कर दिया था। उनके इस तानाशाही रवैये के खिलाफ लोगों ने विद्रोह कर दिया था और 2006 में हुए बड़े जन आंदोलन के बाद राजा का शासन इस मुल्क से खत्म हो गया।

राजा ज्ञानेंद्र शाह को जनता के दबाव के आगे झुकना पड़ा और 2007 में संसद को फिर से बहाल कर दिया गया। 28 मई, 2008 को नेपाल को लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित कर दिया गया और राजा ने राजमहल को खाली कर दिया। अब राजमहल को म्यूजियम में बदल दिया गया है। देखना होगा कि क्या नेपाल में फिर से राजशाही बहाल होगी?

हिंदू राष्ट्र और राजशाही की मांग से वामपंथी बेचैन

काठमांडू, 11 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग के जोर पकड़ने और राजशाही के पक्ष में भारी संख्या में लोगों के सड़कों पर उतर आने से वामपंथियों के हाथ पांव फूल गए हैं। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के प्रति लोगों का भावनात्मक जुड़ाव देश में देखा जा रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख केपी ओली ने इसके पीछे बाहरी शक्तियों के शामिल होने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने नेपाल की सड़कों पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के पोस्टरों को लेकर वो कहते हैं कि अभी हमारी स्थिति ऐसी नहीं है कि रैली के लिए हमें विदेशी नेताओं का इस्तेमाल करना पड़े। हैरानी की बात यह है कि वामपंथी विचारधारा का दावा करने वाले ओली और उनके सहयोगी अब लोकतंत्र की दुहाई देने लगे हैं। ओली ने इन प्रदर्शनों को अलोकतांत्रिक और व्यवस्था विरोधी करार दिया है। यह बयान अपने आप में विरोधाभासी है, क्योंकि वामपंथी शासन पर अक्सर लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को दबाने के आरोप लगते रहे हैं। जानकारों का मानना है कि यह लोकतंत्र की बात केवल जनता के गुस्से को शांत करने और अपनी सत्ता को बचाने की रणनीति हो सकती है। इस बीच इन प्रदर्शनों से डरे नेपाल के वामपंथी नेताओं ने एक बैठक की। इस बैठक में सभी वामपंथी नेताओं ने तय किया कि राजशाही को देश में लौटने नहीं दे सकते हैं। इसके लिए हम सभी को देश के जिलों को छोड़कर केंद्र यानि कि काठमांडू की राजनीति में एक्टिव होना होगा। वामपंथियों की इस हताशा और निराशा को समझना तो इस बात को समझना होगा कि नेपाल में भले ही वामपंथियों का शासन है, लेकिन वहां की आम जनता अभी भी लोकतंत्र को मानती है। इसका नजारा उस वक्त देखने को मिला जब रविवार को नेपाल के 77 वर्षीय पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पोखरा काठमांडू वापस लौटे तो देश की जनता ने एयरपोर्ट पर जबर्दस्त स्वागत किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने नीतीश को बताया मानसिक-शारीरिक रूप से कमजोर

भोजपुर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बिहार की राजनीति में बड़ा बयान देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अब मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो चुके हैं और बिहार को अब एक युवा नेतृत्व की जरूरत है।

भोजपुर जिले के बिहिया प्रखंड के भड़सरा गांव में स्वतंत्रता सेनानी बाबू चंद्रिका सिंह यादव की 30वीं पुण्यतिथि समारोह में शामिल होने पहुंचे पशुपति पारस ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि रालोजपा 243 विधानसभा सीटों पर दौरा कर रही है और एक इंटरनल सर्वे भी कराया जा रहा है, ताकि चुनावी रणनीति को बेहतर तरीके से तय किया जा सके।

पशुपति पारस ने नीतीश सरकार को विफल बताते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में राज्य में एक भी कल-कारखाना नहीं लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में बेरोजगारी चरम पर है, भ्रष्टाचार, लूट, बलात्कार और अपराध की घटनाएं आम हो गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब प्रदेश की समस्याओं को संभालने की स्थिति में नहीं हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले नालंदा में एक महिला के पैरों में कीलें ठोंक दी गईं, लेकिन सरकार के किसी बड़े मंत्री या अधिकारी ने उसकी सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य में प्रशासनिक विफलता का बड़ा प्रमाण है।

पशुपति पारस ने बताया कि 14 अप्रैल को पटना के बापू सभागार में रालोजपा की एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी। इसके बाद पार्टी की एक बैठक होगी, जिसमें आगे की राजनीतिक दिशा तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में जो निर्णय लिया जाएगा, उसे हम जनता और मीडिया के सामने स्पष्ट रूप से रखेंगे।

बिहार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कैंप करने की योजना पर प्रतिक्रिया देते हुए पारस ने कटाक्ष किया- कितना कैंप करेंगे? उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और यह बदलाव आने वाला है। पारस ने कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रिका सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को भूलना नहीं चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।

घूस लेते रंगे हाथ निगरानी विभाग ने दारोगा को किया गिरफ्तार, पुलिस विभाग में मचा हड़कंप

बेतिया (एजेंसियां)।

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की एक और बड़ी कार्रवाई सामने आई है। बेतिया के बगहा पुलिस जिले के भैरोगंज थाना में पदस्थापित एक सब-इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दारोगा ओमप्रकाश गौतम हैं, जिन्हें निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना की टीम ने मंगलवार सुबह 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए धर दबोचा। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और भ्रष्टाचार को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी दारोगा ओमप्रकाश गौतम ने एक मामले में राहत दिलाने के एवज में पीड़ित पक्ष से 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित ने इस संदर्भ में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निगरानी विभाग ने पूरी योजना के तहत जाल बिछाया। पीड़ित को चिन्हित राशि के साथ दारोगा के पास भेजा गया और जैसे ही दारोगा ने पैसे लिए, टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद निगरानी टीम ने आरोपी एसआई को अपनी कस्टडी में लेते हुए पटना मुख्यालय भेज दिया, जहां गहन पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, एसआई ओमप्रकाश गौतम के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में रिश्वत लेने की बात स्पष्ट होने के बाद अब सेवा निलंबन और बर्खास्तगी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।

इस घटना ने एक बार फिर पुलिस महकमे की पारदर्शिता और ईमानदारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आम जनता में इस बात की चर्चा है कि जब कानून के रखवाले ही कानून तोड़ने लगें तो फिर न्याय की उम्मीद कैसे की जाए। वहीं, स्थानीय लोगों ने निगरानी टीम की तत्परता की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी।

दारोगा की गिरफ्तारी के बाद बगहा पुलिस महकमे में अफरातफरी का माहौल है। विभागीय अधिकारी मामले की गंभीरता को देखते हुए इससे जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रहे हैं। स्थानीय पुलिसकर्मियों और आमजन के बीच यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग जानना चाहते हैं कि आरोपी दारोगा के खिलाफ क्या अगला कदम उठाया जाएगा।

आरा तनिष्क शोरूम लूटकांड

आरोपी हिरासत में मोबाइल पर बेधड़क कर रहा था बातचीत, वायरल होने पर पुलिस पर उठे सवाल

आरा (एजेंसियां)।

बिहार के भोजपुर जिले के आरा शहर के तनिष्क शोरूम में दिनदहाड़े हुए 25 करोड़ रुपये की ज्वेलरी लूट कांड ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है। जहां एक ओर इस हाई प्रोफाइल लूटकांड की जांच में पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर गिरफ्तार आरोपी का मोबाइल से बेधड़क बातचीत करता हुआ वीडियो वायरल होने से बिहार पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह मामला तब और ज्यादा सुर्खियों में आ गया, जब लूट के बाद एनकाउंटर में घायल एक आरोपी को अस्पताल में स्ट्रेचर पर ले जाया जा रहा था। उसी दौरान वह मोबाइल फोन पर बात करता नजर आया। वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिस अभिरक्षा में होने के बावजूद आरोपी न सिर्फ मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा है, बल्कि पूरी बेफिक्री से बातचीत भी कर रहा है। इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई पर सवालों की बौछार शुरू हो गई। लोगों ने पूछा कि जब आरोपी पुलिस एनकाउंटर में घायल हुआ है, तो उसे मोबाइल इस्तेमाल करने की इजाजत किसने दी? यह लापरवाही है या कोई अंदरूनी सांठगांठ? जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार की सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच की है। जब आरा नगर थाना क्षेत्र के गोपाली चौक स्थित तनिष्क शोरूम में हथियारबंद करीब छह से सात अपराधी दाखिल हुए। उन्होंने स्टाफ और शोरूम मालिक को बंधक बनाकर करीब 25 करोड़ रुपये के आभूषण लूट लिए और फरार हो गए।

सूचना मिलते ही भोजपुर एसपी के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लुटेरों की तलाश शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो अपराधी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने इन आरोपियों के पास से दो पिस्तौल, दस कारतूस और लूटे गए जेवरात से भरे दो बैग बरामद किए हैं।

घटना के बाद शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश ने आरा पहुंचकर तनिष्क शोरूम का मुआयना किया और पुलिस कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि अब तक दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। डीआईजी के मुताबिक, इस लूटकांड में कुल छह से सात अपराधी शामिल थे और पुलिस जल्द ही अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी कर लेगी। लेकिन पुलिस की इस कार्रवाई की गंभीरता पर सवाल तब खड़े हुए, जब एक घायल आरोपी का मोबाइल पर बात करते हुए वीडियो वायरल हुआ। सोशल मीडिया पर लोग यह पूछ रहे हैं कि क्या यह वही अपराधी है जो कुछ घंटे पहले तक पुलिस पर गोली चला रहा था और अब पुलिस की मौजूदगी में मोबाइल चला रहा है? क्या यह पुलिस की लापरवाही है या अपराधियों से किसी प्रकार की मिलीभगत का संकेत? इस घटना ने बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जनता अब यह जानना चाहती है कि क्या इतने बड़े लूटकांड के आरोपी को इतनी छूट मिलना सामान्य बात है? पुलिस की इस ढिलाई ने न केवल जांच की निष्पक्षता पर संदेह खड़ा कर दिया है, बल्कि आम नागरिकों के मन में सुरक्षा को लेकर चिंता भी बढ़ा दी है।

भीषण हादसे में मां-बेटे और बहू की दर्दनाक मौत

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य मां, बेटा और बहू शामिल हैं। यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-106 पर उदा नहर और बनरवा टोला के बीच हुई। तेज रफ्तार से आ रहे पिकअप वाहन ने बाइक सवार तीनों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के तेलडीहा वार्ड 20 निवासी बैजनाथ महतो की पत्नी माला देवी (60), उनके पुत्र विशाल महतो (25) और बहू आरती देवी (30) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ये तीनों मजदूरी के लिए अरार कमालपुर जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि माला देवी, विशाल महतो और आरती देवी एक ही बाइक पर सवार होकर अपने काम पर जा रहे थे। जब वे उदा नहर से आगे बढ़े और बनरवा टोला के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार पिकअप पर शिमला मिर्च और खीरा लोड था। दुर्घटना के बाद सड़क पर अफरातफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और शवों को सड़क किनारे किया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही उदाकिशुनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पिकअप को जप्त कर लिया गया है।

इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि छक-106 पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। लोगों ने सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। इस घटना के बाद बैजनाथ महतो का पूरा परिवार सदमे में है। मां, बेटा और बहू की एक साथ मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीण शोक में डूबे हुए हैं और पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com